PRGI Reg. No. : CTHIN/25/A1911

हिन्दी दैनिक

लोकतंत्र प्रहरी

● वर्ष-02 ● अंक- 21 ● भिलाई, गुरुवार 06 अगस्त 2026 ● हिन्दी दैनिक ● पृष्ठ संख्या-8 ● मूल्य - 2 रुपया ● संपादक- संजय तिवारी, मो. 9200000214

संक्षिप्त समाचार

जेन-ज़ेड को टारगेट करने का प्लान! जैश आतंकी हमीम मंडल, अर्पिता से पूछताछ

कोलकाता। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) और राज्य पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) के मुताबिक, गिरफ्तार किए दो लोग, हमीम मंडल और अर्पिता से पूछताछ में जैश-ए-मोहम्मद और आईएसआई से उनके कथित लिंक के बारे में कई अहम सुराग मिले हैं. एनआईए अधिकारियों को शक है कि बंगाल के युवाओं को टारगेट करके एक कट्टरपंथी नेटवर्क बनाने की एक संगठित प्रयास चल रहा था. इसके बारे में विस्तार से पता लगाने के लिए उनसे कड़ी पूछताछ जारी है. पश्चिम बंगाल पुलिस के विशेष कार्य बल (एसटीएफ) ने कथित जासूसी नेटवर्क की जांच के सिलसिले में सोमवार को हावड़ा से आतंकवादी संगठन जैश-ए-मोहम्मद के संदिग्ध गुर्गे हमीम मंडल के एक अन्य सहयोगी को गिरफ्तार किया है. एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी. अधिकारी ने बताया कि आरोपी की पहचान आदित्य सिंह उर्फ राज उर्फ राजू के रूप में हुई है

शेख हसीना की पार्टी पर लगी पाबंदियां हटे तसलीमा नसरीन

कोलकाता। बांग्ला की प्रसिद्ध लेखिका तसलीमा नसरीन ने आज कहा कि, बांग्लादेश की निर्वासित प्रधानमंत्री शेख हसीना की पार्टी पर लगी पाबंदियां हटाना चाहिए और उन्हें दोबारा राजनीति में आने दिया जाना चाहिए। तसलीमा ने धर्म आधारित राजनीति का विरोध करते हुए कहा कि यह महिलाओं के अधिकारों और समाज, दोनों के लिए नुकसानदेह है। तसलीमा नसरीन ने उक्त बात उत्तर 24 परगना जिले के सोदपुर स्थित पानीहाटी उच्च बालिका विद्यालय में महिला शिक्षा की अग्रदूत बेगम रुकैया सखावत हुसैन की समाधि पर पुष्प अर्पित करने के बाद कही। तसलीमा नसरीन ने अपने वतन बांग्लादेश लौटने को लेकर भी चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि उनकी वापसी अभी भी अनिश्चित है। तसलीमा ने कहा कि यदि जमात-ए-इस्लामी पर प्रतिबंध लगाया जाता है तो उन्हें कोई आपत्ति नहीं होगी। उनके अनुसार, यह संगठन शरीयत कानून और महिला विरोधी नीतियों का समर्थन करता है, जो महिलाओं और अल्पसंख्यकों के अधिकारों के लिए खतरा बन सकती हैं।

आसाराम को अस्पताल में भर्ती करने की जरूरत नहीं

नईदिल्ली। सुप्रीम कोर्ट में दुष्कर्म मामले में उम्रकैद की सजा काट रहे स्वयंभू संत आसाराम की याचिका पर सुनवाई हुई। इस दौरान एम्स ने कोर्ट में मेडिकल रिपोर्ट दाखिल की। एम्स ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि आसाराम को फिलहाल अस्पताल में भर्ती करने की जरूरत नहीं है। हालांकि, उनकी सेहत को देखते हुए 24 घंटे प्रशिक्षित देखभाल करने वालों (केयरगिवर्स) की मदद जरूरी है। इस रिपोर्ट में ये बताया गया है कि आसाराम कई तरह की बीमारियों से पीड़ित है। सुप्रीम कोर्ट में दाखिल की गई एम्स की रिपोर्ट में आसाराम की बीमारियों का भी जिक्र किया गया है।

मोदी सरकार ने संसद में नया विधेयक पेश किया

2000 रुपये यूपीआई ट्रांजेक्शन पर चार्ज लगेगा-सरकार

नई दिल्ली/ एजेंसी

ऑनलाइन ट्रांजेक्शन को बढ़ावा देने वाली मोदी सरकार अब उसे सरकारी तिजोरी भरने का जरिया के रूप में इस्तेमाल करने जा रही है। जी हां मोदी सरकार यूपीआई पेमेंट के नियम में संशोधन करने जा रही है। इसके तहत 2000 रुपये से लेकर उससे अधिक के यूपीआई ट्रांजेक्शन पर चार्ज लगेगा। मोदी सरकार ने संसद में नया विधेयक पेश किया है, जिसके तहत एमडीआर चार्ज की वापसी हो रही है। इसके तहत 2000 रुपये के ऊपर पेमेंट पर चार्ज देना होगा। वित्त मंत्रालय ने संसद में भुगतान और निपटान प्रणाली (संशोधन) विधेयक, 2027 पेश किया है। इस बिल के तहत मर्चेंट डिस्काउंट रेटलागू करने की बात कही गई है। यह चार्ज 2000 रुपये से ज्यादा की लिमिट पर लागू किया जा सकता है। इसका मतलब लोगों को एमडीआर चार्ज देना होगा। हालांकि राहत वाली बात यह है कि यह सभी लोगों पर लागू नहीं होगा। आम यूजर्स पर इसका कोई असर नहीं होगा। यह चार्ज सिर्फ बड़े व्यवसाय से जुड़े लोगों पर लगेगा। दूध, सब्जियां, किराने का सामान जैसी रोजमर्रा की खरीदारी और ऑटो रिक्शा व टैक्सी के किराए पर इसका असर पड़ने की संभावना नहीं है। मीडियो रिपोर्टस के मुताबिक यह प्रस्ताव मुख्य रूप से 2,000 से अधिक के व्यापारी लेनदेन और बड़े कमर्शियल संस्थानों को टारगेट करता है। इससे कंज्यूमर टू कंज्यूमर्स के बीच हुए ट्रांजेक्शन को

छूट होगी। अगर आप 2000 रुपये से ज्यादा का भी पेमेंट करते हैं तो आपको कोई चार्ज नहीं देना होगा। सामान्य यूपीआई सीमा 1 लाख प्रतिदिन पेमेंट कर सकते हैं और कुछ स्पेशल कैटेगरी (जैसे अस्पताल, शिक्षा, टैक्स) में इससे कहीं अधिक सीमा तक पेमेंट कर सकते हैं। यह मुख्य तौर पर बैंक, यूपीआई सर्विस प्रोवाइडर, मर्चेंट पेमेंट इकोसिस्टम, भीम यूपीआई के माध्यम से छोटे भुगतान स्वीकार करने वाले व्यापारियों पर पड़ता है, क्योंकि इंसेंटिव इन्हीं ट्रांजेक्शनों के आधार पर दिया जाता है। एक आंकड़े के मुताबिक, 95 फीसदी 2000 रुपये से ज्यादा की लिमिट से कम वाले ही ट्रांजेक्शन होते हैं। सिर्फ 5 फीसदी ही ट्रांजेक्शन 2000 रुपये से ज्यादा का होता है। इसका मतलब है कि इन 5 फीसदी ही मर्चेंट ट्रांजेक्शन पर ये चार्ज लागू होगा। रिपोर्ट के अनुसार, 2000 रुपये से ऊपर के व्यावसायिक लेन-देन पर प्रस्तावित शुल्क 0.25 प्रतिशत से 0.4 प्रतिशत तक हो सकता है, और 25-30 बेसिस पॉइंट्स तक के शुल्क पर भी चर्चा चल रही है। इसके लागू होने की समयसीमा पर अभी तक कोई फैसला नहीं लिया गया है। एमडीआर एक ऐसा शुल्क है, जो व्यवसाय, डिजिटल लेनदेन करने के लिए बैंकों और भुगतान सेवा प्रदाताओं को देते हैं। इसलिए कोई भी शुल्क व्यापारियों पर लागू होगा, न कि पीआई का उपयोग करने वाले उपभोक्ताओं पर। यह नियम जनवरी 2020 में शुरू होने वाला था।

गलतियां बताए तो राम-विरोधी, करप्शन बताए तो देश-विरोधी! संसद के बाहर कांग्रेस का बड़ा मार्च

दिल्ली में मानसून सत्र के दौरान आज भी संसद के बाहर विपक्षी दलों का विरोध प्रदर्शन जारी है। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी, मल्लिकार्जुन खरगे, प्रियंका गांधी वाड्रा और अन्य विपक्षी सांसदों ने प्रेरणा स्थल पर गांधी जी की प्रतिमा से मकर द्वार तक मार्च किया। राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने मार्च के दौरान कहा कि हमारी मांग है कि प्रधानमंत्री और गृह मंत्री सदन में आएं और बयान दें। अगर चर्चा होती है, तो हम उसमें शामिल होने को तैयार हैं। चर्चा से ही समाधान निकल सकता है। अगर चर्चा नहीं होगी, तो वे घर पर बैठकर बयान देंगे या चुप रहेंगे। ऐसा कैसे हो सकता है? वे संसद का अपमान कर रहे हैं। वे सदन के अंदर नहीं आना चाहते। संसद शुरू हुए इतने दिन हो गए हैं। हम चर्चा के लिए तैयार हैं।

ई-20 डीपफेक केस में गडकरी को राहत

सोशल मीडिया प्लेफार्मस तुरंत हटाएं सभी पोस्ट.....

नई दिल्ली। ई-20 डीपफेक केस में नितिन गडकरी को राहत मिली है। बॉम्बे हाईकोर्ट ने नितिन गडकरी के खिलाफ ऑनलाइन डीपफेक पोस्ट को अश्लील, अपमानजनक और मान हानिकारक बताते हुए सोशल मीडिया प्लेफॉर्मस को उन्हें हटाने का आदेश दिया है। साथ ही कोर्ट ने गडकरी को मेटा प्लेटफॉर्म्स, एक्स कॉर्प, गूगल और अनजान ऑनलाइन कंटेंट क्रिएटर्स के खिलाफ बदनाम करने वाले और एडिट किए गए सोशल मीडिया पोस्ट को लेकर सिविल केस करने की इजाजत दी है। दरअसल केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने ई20 से जोड़कर सोशल मीडिया पर प्रसारित

मानहानिकारक और डीपफेक कंटेंट के खिलाफ मानहानि याचिका दाखिल की थी। मामले की सुनवाई करते हुए बॉम्बे हाईकोर्ट के जस्टिस आरिफ डॉक्टर की सिंगल बेंच ने Meta, X Corp और Google LLC को निर्देश दिया कि वे तुरंत इन पोस्ट को हटाने का काम करें।

छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने कहा

अधिग्रहण और मुआवजा दिए बिना जमीन के उपयोग पर नहीं लगाई जा सकती रोक

छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने आदेश दिया है कि अधिग्रहण और मुआवजा दिए बिना भूमि के उपयोग पर रोक नहीं लगाई जा सकती। सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट ने आदेश को मनमाना बताया। रायगढ़ जिले में कलेक्टर ने 4 फरवरी 2005 को रायगढ़-रेगपाली, रायगढ़-खरसिया, रायगढ़-सारंगढ़ और रायगढ़-धर्मजयगढ़ राष्ट्रीय राजमार्गों की सेंटर लाइन से 100 फीट के दायरे में आने वाली जमीनों के क्रय-विक्रय और निर्माण कार्य पर प्रतिबंध लगा दिया था। मामले की सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट ने इस आदेश को मनमाना बताते हुए याचिकाकर्ताओं को राहत दी है। राज्य शासन की ओर से अतिरिक्त महाधिवक्ता ने पूर्व फैसले को अलग भूखंडों और अलग याचिकाकर्ताओं से संबंधित बताते हुए वर्तमान मामले में स्वतः लागू नहीं होने की दलील दी। कोर्ट ने पाया कि कानूनी स्थिति पहले ही स्पष्ट की जा चुकी है। हालांकि, शासन की ओर से ऐसा कोई ठोस अंतर नहीं बताया जा सका, जिसके आधार पर वर्तमान मामले में अलग निष्कर्ष निकाला जाता।

हरिकृष्णा पटेल व अन्य याचिकाकर्ताओं की ओर से अधिवक्ता ने हाईकोर्ट की कोऑर्डिनेट बेंच के 3 फरवरी 2025 के फैसले का हवाला दिया। एकल पीठ ने कहा कि पूर्व में इसी आदेश के संबंध में हाईकोर्ट द्वारा कानूनी स्थिति स्पष्ट की जा चुकी है। वर्तमान मामले में उससे अलग दृष्टिकोण अपनाने के लिए कोई विशिष्ट आधार सामने नहीं आया है।

भूमिस्वामियों को मिली बड़ी राहत

इस निर्णय से उन भूमिस्वामियों को राहत मिली है, जिनकी जमीन राष्ट्रीय राजमार्ग की सेंटर लाइन से 100 फीट के दायरे में होने के कारण लंबे समय से खरीद-बिक्री और निर्माण संबंधी प्रतिबंधों से प्रभावित थी।

सरकार ने दिया था 3 दिन का अल्टीमेटम

पीएम मोदी के वीडियो विवाद पर मेटा सीईओ मार्क ने माफी मांगी

नई दिल्ली/ एजेंसी

मेटा के सीईओ मार्क जुकरबर्ग ने (चाइल्ड सेक्सुअल एब्यूज मैटेरियल) और डीपफेक कंटेंट को लेकर माफी मांगी है। जकरबर्ग ने प्लेटफॉर्म के संचालन में हुई गलतियों को लेकर भी खेद जताया है। साथ ही ये भी कहा गया कि कुछ तरह के कंटेंट को बढ़ावा देने के लिए बड़ी रकम भी खर्च की गई थी। इस दौरान यह भी स्पष्ट किया गया कि कंपनी को इंटरमीडियरी की परिभाषा के तहत संरक्षण नहीं मिलेगा और सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम के तहत सेफ हार्बर का लाभ लागू नहीं

होगा। मालूम हो कि मार्क जुकरबर्ग को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का वीडियो डिलीट किए जाने के मामले में तीन दिन के भीतर माफी मांगने का अल्टीमेटम दिया गया था। मार्क जकरबर्ग ने सीएसएएम कंटेंट, डीपफेक कंटेंट तथा प्लेटफॉर्म के संचालन में हुई गलतियों को लेकर माफी मांग ली है। उनको सरकार की तरफसे स्पष्ट किया गया कि मेटा को इंटरमीडियरी की परिभाषा के तहत नहीं माना जा सकता, क्योंकि कंपनी ये तय करती है कि कौन सा कंटेंट किस यूजर तक पहुंचेगा। सरकार ने कहा कि सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम के तहत मिलने वाली सेफ हार्बर सुरक्षा इस मामले में लागू नहीं होती है। साथ ही यह भी कहा गया कि कुछ तरह के कंटेंट को बढ़ावा देने के लिए बड़ी रकम खर्च की गई थी। जकरबर्ग की तद्धफ से इस पर भी माफी मांगी गई और गलती पर खेद जताया गया।

कांग्रेस का आरोप, जवाब से बच रही सरकार इसलिए नहीं चल पा रही संसद

नई दिल्ली। संसद के मानसून सत्र के दौरान कांग्रेस सांसदों ने राम मंदिर चढ़ावा मामले में हेराफेरी, संसद में चर्चा की मांग, उत्तर प्रदेश के मदरसा विवाद मुद्दों पर एनडीए सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि सरकार जवाब नहीं देना चाहती है, इसीलिए सदन नहीं चल पा रहा है। राम मंदिर चढ़ावा मामले को लेकर कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा समेत विपक्षी सांसदों ने संसद परिसर में विरोध प्रदर्शन किया। विपक्ष का आरोप है कि इस मामले में पारदर्शिता सुनिश्चित की जानी चाहिए और सरकार को आरोपों पर जवाब देना चाहिए। बांकीपुर और दतिया उपचुनाव के परिणामों पर कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा कि जनता अब भाजपा से थक चुकी है।

अनुच्छेद 370 पर प्रधानमंत्री का बड़ा संदेश

7 साल में बदली जम्मू-कश्मीर की तस्वीर-पीएम नरेन्द्र मोदी...

नई दिल्ली/ एजेंसी

जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में अनुच्छेद 370 हटाए जाने के 7 साल पूरे हो चुके है। इन 7 सालों में जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में आए बड़े बदलावों को लेकर प्रधानमंत्री ने बात की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अनुच्छेद 370 हटने के 7 साल पूरे होने पर कहा कि इन वर्षों में जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के लोगों के जीवन में व्यापक बदलाव आए हैं। इसके साथ ही, पीएम मोदी ने जम्मू-कश्मीर और लद्दाख की प्रगति के लिए अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। प्रधानमंत्री मोदी ने बुधवार को

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट किया, सात साल पहले इसी दिन (5 अगस्त को) अनुच्छेद 370 और 35ए इतिहास बन गए, जिससे जम्मू-कश्मीर और लद्दाख की यात्रा में एक निर्णायक नया अध्याय शुरू हुआ। तब से जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के लोगों के जीवन में व्यापक बदलाव आए हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने आगे लिखा, बुनियादी ढांचे का विस्तार हुआ है और शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा, उद्यमिता व खेल जैसे क्षेत्रों में अवसर बढ़े हैं। चाहे महिलाएं हों या हाशिए पर रहने वाले समुदाय, जिन्हें दशकों तक उनके बुनियादी संवैधानिक अधिकारों से वंचित रखा गया था, उन्हें भारत के संविधान के पूर्ण कार्यान्वयन के कारण सशक्त बनाया गया है। पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा कि इस साल 5 अगस्त का महत्व और भी बढ़ जाता है क्योंकि इसी वर्ष हमारा देश श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जयंती मना रहा है।

साय कैबिनेट की बैठक संपन्न

छत्तीसगढ़ राज्य आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस मिशन को मंजूरी दी

- छत्तीसगढ़ में 500 करोड़ का एआई मिशन, 1.5 लाख कर्मचारियों को मिलेगा प्रशिक्षण

रायपुर/ संवाददाता

मंत्रिपरिषद ने 'छत्तीसगढ़ राज्य आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस मिशन' को मंजूरी दी है। इस मिशन का उद्देश्य राज्य में सुशासन, नई तकनीक, कौशल विकास और डिजिटल अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देना है। यह मिशन 5 वर्षों के लिए होगा, जिस पर 500 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। इस मिशन के तहत – 100 एआई डेटा लैब बनाई जाएंगी, 5 सेंटर ऑफ एक्सीलेंस स्थापित किए जाएंगे, 300 से अधिक एआई स्टार्टअप्स को सहायता दी जाएगी, 6 लाख विद्यार्थियों और 1.5 लाख सरकारी कर्मचारियों को एआई का प्रशिक्षण दिया जाएगा। शासन के कार्यों को आसान और तेज़ बनाने के लिए 50 से अधिक एआई आधारित सेवाएं विकसित की जाएंगी। यह मिशन भारत सरकार के IndiaAI Mission के अनुरूप छत्तीसगढ़ को उत्तरदायी, नवाचार-आधारित और भविष्य उन्मुख डिजिटल राज्य के रूप में स्थापित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। मंत्रिपरिषद् ने छत्तीसगढ़ में हैवी अर्थ मूविंग इक्वीपमेंट मैन्युफैक्चरिंग संयंत्र की स्थापना के लिए भारत अर्थ मूवर्स लिमिटेड को रियायती दर पर भूमि आवंटित करने के प्रस्ताव को मंजूरी दी है। बीईएमएल भारत सरकार का एक

प्रतिष्ठित मिनीरत्न सार्वजनिक उपक्रम है। हैवी अर्थ मूविंग इक्वीपमेंट मैन्युफैक्चरिंग संयंत्र हेतु यह राज्य का पहला उद्योग होगा, जिसकी स्थापना से छत्तीसगढ़ को देश के औद्योगिक मानचित्र पर नई पहचान मिलेगी और राज्य में आधुनिक भारी मशीन निर्माण उद्योग की शुरुआत होगी। मंत्रिपरिषद के इस महत्वपूर्ण निर्णय से राज्य में बड़े निवेश को बढ़ावा मिलेगा, स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे तथा सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योगों को भी प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से लाभ मिलेगा। राज्य में संयंत्र की स्थापना से औद्योगिक विकास को गति मिलेगी, स्थानीय अर्थव्यवस्था मजबूत होगी और छत्तीसगढ़ विनिर्माण (मैन्युफैक्चरिंग) क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण केंद्र के रूप में उभरेगा। मंत्रिपरिषद् ने लोक निर्माण विभाग में निर्माण कार्यों के डिजिटल प्रबंधन के लिए वर्क्स एण्ड अकाउंट मैनेजमेंट इन्फॉर्मेशन सिस्टम लागू करने के प्रथम चरण को मंजूरी दी है। इस प्रणाली के माध्यम से कार्यों की स्वीकृति, ई-प्राक्कलन, ई-प्रोक्योरमेंट, ई-मेजरमेंट बुक बिल भुगतान, लेखा प्रबंधन तथा गुणवत्ता की निगरानी जैसी सभी प्रक्रियाएं एकीकृत डिजिटल प्लेटफॉर्म पर संचालित होंगी। सी-डैक पुणे द्वारा विकसित इस प्रणाली को पहले लोक निर्माण विभाग में लागू किया जाएगा, जिसके बाद अन्य निर्माण एवं अधोसंरचना विभागों में भी इसका विस्तार किया जाएगा। इससे निर्माण कार्यों में पारदर्शिता बढ़ेगी, भुगतान की प्रक्रिया तेज होगी, कार्यों की रियल-टाइम निगरानी संभव होगी।

बृजमोहन अग्रवाल-अमित कटारिया विवाद: साव ने लिया सांसद का पक्ष, कहा- अधिकारी सम्मान से करें बात, हिसाब से करें रिस्पांस

रायपुर। सांसद बृजमोहन अग्रवाल और आईएएस अमित कटारिया के बीच हुआ विवाद तूल पकड़ चुका है. मामले में उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने सांसद का पक्ष लेते हुए कहा कि लोकतंत्र में निर्वाचित जनप्रतिनिधि का अपना एक महत्व है. प्रशासनिक अधिकारी सम्मान से जनप्रतिनिधि से बात करें. बातों को सुनें, उस हिसाब से रिस्पांस करें. ये उनका दायित्व है. ये आवश्यक है, और ये करना चाहिए. उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने 3 साल से जमे कर्मचारियों के तबादले पर सामान्य प्रशासन विभाग की ओर से जारी आदेश पर मीडिया से चर्चा में कहा कि सामान्य प्रशासन विभाग के पहले से ही निर्देश हैं.

शासकीय कार्यालयों को अपनाना होगा प्रीपेड बिजली बिल रिचार्ज प्रक्रिया

बलौदाबाजार। कलेक्टर कुलदीप शर्मा ने समय -सीमा की बैठक में विभागीय कार्यो की समीक्षा की। उन्होंने राज्य शासन के निर्देशानुसार सभी शासकीय कार्यालयों मे प्रीपेड बिजली बिल रिचार्ज की प्रकिया जल्द पूरा करने और बकाया विद्युत देयक का 4 समान किश्तो में भुगतान करने के निर्देश दिये। कलेक्टर शर्मा ने बताया कि राज्य शासन द्वारा सभी शासकीय कार्यालयों में प्री-पेड स्मार्ट मीटर की स्थापना कर प्री-पेड बिलिंग करने का निर्णय लिया गया है जिसके तहत प्रथम चरण में अगस्त 2026 से विकासखण्ड एवं उच्च स्तर तक के सभी शासकीय कनेक्शनों का स्मार्ट मीटर के माध्यम से प्री-पेड बिलिंग किया जाएगा एवं इसके उपरांत द्वितीय चरण में विकासखण्ड स्तर से निम्न स्तर के कार्यालयों में प्री-पेड बिलिंग का कार्य किया जाएगा।प्री-पेड बिलिंग पद्धति सुचारू रूप से लागू हो, यह सुनिश्चित करने के लिये विभागवार बकाया राशि को फ्रीज कर इस राशि को आगामी 4 तिमाही में समान किश्तों में भुगतान किया जाएगा। प्रीपेड रिचार्ज के लिये विभागवार नोडल अधिकारी एवं राज्य स्तर से नोडल अधिकारी बनाए जाएंगे। उन्होंने 4 विभागों द्वारा जिला बनाए गये नोडल अधिकारियो को अपने कार्यालय का प्रीपेड रिचार्ज तत्काल शुरू करने के निर्देश दिये। कलेक्टर ने पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना अंतर्गत समूह की महिलाओं द्वारा हितग्राही पंजीयन व वेंडर सलेक्शन की समीक्षा करते हुए कहा कि महिलाओं को सक्रिय वेंडर की सूची उपलब्ध कराएं ताकि उन्ही वेंडरो का चयन हो जो जल्द सोलर पैनल इंस्टालेशन का कार्य पूरा करते हैं। उन्होंने प्रति सोलर पैनल इंस्टालेशन पर समूह की महिलाओं क वेंडर द्वारा तय परिश्रमिक का भुगतान कराने के निर्देश दिये। उन्होंने आंगनवाड़ी केंद्रों के गंभीर कुपोषित बच्चों को अनिवार्य रूप से एनआरसी में भर्ती करने के भी निर्देश दिये। कलेक्टर ने ई -ऑफिस के क्रियान्वयन की समीक्षा करते हुए राज्य शासन की मंशा अनुसार सभी फाइलो का मूवमेंट एवं पत्राचार शतप्रतिश ई-ऑफिस के माध्यम से करने के निर्देश दिये। उन्होंने बैठक में लंबित राजस्व प्रकरण, सीपी ग्राम्स,मुख्यमंत्री जनदर्शन,सीएम हेल्पलाइन, स्वामित्व योजना,एग्रीस्टेक पंजीयन, सेवा सेतु पोर्टल आदि की समीक्षा की।

बच्चों को अनिवार्य रूप से एनआरसी में भर्ती करने के भी निर्देश दिये

कलेक्टर ने ई -ऑफिस के क्रियान्वयन की समीक्षा करते हुए राज्य शासन की मंशा अनुसार सभी फाइलो का मूवमेंट एवं पत्राचार शतप्रतिश ई-ऑफिस के माध्यम से करने के निर्देश दिये। उन्होंने बैठक में लंबित राजस्व प्रकरण, सीपी ग्राम्स, मुख्यमंत्री जनदर्शन, सीएम हेल्पलाइन, स्वामित्व योजना, एग्रीस्टेक पंजीयन, सेवा सेतु पोर्टल आदि की समीक्षा की। बैठक में अपर कलेक्टर सुदीप्ति गोते, ए.आर. टंडन,निशा नेताम मड़ावी, सीमा ठाकुर सहित एसडीएम,जनपद सीईओ एवं विभिन्न विभागों के जिला अधिकारी उपस्थित थे।

शासकीय पॉलीटेक्निक गरियाबंद में डिप्लोमा इंजीनियरिंग प्रवेश के लिए चौथे चरण की काउंसिलिंग

गरियाबंद। संचालनालय तकनीकी शिक्षा के निर्देश अनुसार शासकीय पॉलीटेक्निक गरियाबंद में संचालित डिप्लोमा इंजीनियरिंग पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए अंतिम अवसर के रूप में चौथे चरण की काउंसलिंग आयोजित की जा रही है। शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए संस्थान में सिविल इंजीनियरिंग की 20, मैकेनिकल इंजीनियरिंग की 6 तथा माइनिंग इंजीनियरिंग की 14 रिक्त सीटों पर प्रवेश के लिए पात्र अभ्यर्थी 8 अगस्त 2026 तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। प्रवेश के लिए मेरिट सूची 12 अगस्त 2026 को विभागीय वेबसाइट पर जारी की जाएगी। शासकीय पॉलिटेक्निक के प्राचार्य ने बताया कि मेरिट सूची में चयनित अभ्यर्थियों को संस्थान में सीट आबंटन एवं प्रवेश प्रक्रिया पूर्ण करने के लिए 13 अगस्त को प्रातः 10:00 बजे सभी आवश्यक मूल दस्तावेजों सहित उपस्थित होना अनिवार्य होगा। सभी वर्गों की छात्राओं के लिए संपूर्ण शिक्षण शुल्क माफ रहेगा। प्रवेश प्रक्रिया से संबंधित विस्तृत जानकारी विभाग अथवा महाविद्यालय की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध है।

धमतरी जिला पावर लिफ्टिंग संघ के पदाधिकारियों एवं खिलाड़ियों ने महापौर रामू रोहरा से की मुलाकात

धमतरी। धमतरी जिला पावर लिफ्टिंग संघ के पदाधिकारियों एवं खिलाड़ियों ने नगर निगम महापौर रामू रोहरा से सौजन्य मुलाकात कर हाल ही में आयोजित पावर लिफ्टिंग प्रतियोगिता के सफल आयोजन में मिले सहयोग एवं प्रोत्साहन के लिए उनका आभार व्यक्त किया। संघ के पदाधिकारियों ने बताया कि प्रतियोगिता में धमतरी जिले के खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए चैंपियन ऑफ चैंपियन ओवरऑल का खिताब अपने नाम किया। वहीं महिला वर्ग में भी धमतरी ने चैंपियन ऑफ चैंपियन का गौरव हासिल कर जिले का नाम रोशन किया। खिलाड़ियों की इस शानदार उपलब्धि पर महापौर रामू रोहरा ने सभी खिलाड़ियों एवं प्रशिक्षकों को हार्दिक बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। महापौर रामू रोहरा ने खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ की विष्णुदेव साय सरकार खेल और खिलाड़ियों के सर्वांगीण विकास के लिए निरंतर कार्य कर रही है। प्रदेश सरकार की मंशा है कि युवाओं को बेहतर खेल सुविधाएं, आधुनिक प्रशिक्षण और आवश्यक संसाधन उपलब्ध हों, ताकि वे अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन राज्य, राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कर सकें। महापौर ने कहा कि खेल युवाओं के व्यक्तित्व विकास, अनुशासन और स्वस्थ जीवन का सशक्त माध्यम है। नगर निगम द्वारा खिलाड़ियों को हरसंभव सहयोग प्रदान करने का प्रयास किया जाएगा ताकि धमतरी के खिलाड़ी प्रदेश एवं राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर जिले का गौरव बढ़ाते रहें। इस दौरान जिला पावर लिफ्टिंग संघ के पदाधिकारियों ने खिलाड़ियों के बेहतर प्रशिक्षण के लिए खेल सामग्री उपलब्ध कराने तथा एक समर्पित प्रशिक्षण हॉल की व्यवस्था करने की मांग भी महापौर के समक्ष रखी। महापौर ने मांगों पर सकारात्मक पहल करने का आश्वासन देते हुए कहा कि खिलाड़ियों की सुविधाओं के विस्तार के लिए हरसंभव प्रयास किए जाएंगे।

इस अवसर पर जिला पावर लिफ्टिंग संघ के अध्यक्ष लोकेश पवार, सचिव देवेंद्र यादव, कोषाध्यक्ष टिक्की निर्मलकर, उपाध्यक्ष योगेश साहू, अभय भावना किरी, वंदना कुर्रे, सिद्धार्थ तिवारी, रितेश साहू, दुर्गेश पटेल, डलेश्वरी सिन्हा, रागिनी साहू सहित बड़ी संख्या में खिलाड़ी एवं संघ के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में बसना के विद्यार्थियों का दबदबा

भंवरपुर। सिप अकादमी द्वारा रायपुर के रोसवे रिजॉर्ट में आयोजित द्वितीय राज्य प्रतियोगिता 2026 में सिप अबेकस बसना सेंटर के विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए सर्वाधिक ट्राफियां जीतकर प्रथम स्थान प्राप्त किया। इस प्रतियोगिता में 12 सौ से ज्यादा विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। बसना सेंटर के 60 विद्यार्थियों ने विभिन्न श्रेणियों में पुरस्कार हासिल कर पुरे क्षेत्र का गौरव बढ़ाया। मिली जानकारी अनुसार इस प्रतियोगिता में ग्रैंडमास्टर लेवल से आस्था दास पिता पिता वीरेंद्र दास ने चैंपियन ट्रॉफी अपने नाम कर बसना का नाम पूरे प्रदेश में रोशन किया। वही फर्स्ट रनर अप कुंदन पटेल, ग्रैंड मास्टर लेवल के छात्र है। फर्स्ट रनर अप में ग्रैंडमास्टर शिवम केवट ने जीत हासिल की। फर्स्ट रनर अप में पराग गर्ग ने भी ट्रॉफी अपने नाम की। यही नहीं बसना की अनुकृति राठौर फेडरेशन लेवल 3, परिधि केवट ग्रैंडमास्टर लेवल और हितांश साहू ग्रैंडमास्टर लेवल इन बच्चों ने थर्ड रनर अप की ट्रॉफी जीती। इन बच्चों ने ट्रॉफी जीतकर बसना सेंटर को प्रथम स्थान दिलाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। साथ ही बेस्ट परफॉर्मर का अवार्ड पाने वाले विद्यार्थियों में यशवर्धन नायक ग्रैंडमास्टर लेवल के वंश प्रधान,पूर्वी साहू, सुयश प्रधान, हिमाक्षी सिंह, चंद्रांशु मांझी, तेजस प्रधान, भूमिका पटेल, अपेक्षा पटेल, श्रेयांश चौहान, तनिष्क साहू, आदर्श बेहरा, भव्य बोई, एडवे प्रधान, आलोक नेताम, पनेश साहू, यथार्थ साहू, मयांश प्रधान और आकृति परमार शामिल रहे। सभी विद्यार्थियों की इस उल्लेखनीय सफलता पर अभिभावकों ने सिप अबाकस बसना की सभी शिक्षकों का आभार व्यक्त करते हुए भविष्य में भी इसी प्रकार उत्कृष्ट परिणाम बनाए रखने के लिए शुभकामनाएं दी। सिप अबाकस बसना की एचसीएल इंद्रजीत कौर होरा (सोनी होरा) एवं समस्त स्टाफ ने सभी विजेता विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की निरंतर सफलता की कामना की और सोनी होरा ने चैंपियन छात्रा आस्था दास को 5 हजार रुपए का नगद इनाम देखकर हौसला बढ़ाया। सोनी होरा को भी चैंपियन गुरु का किताब दिया गया।

बढ़ाई जाए एग्रोटेक पंजीयन की अवधी : विजय मोटवानी

धमतरी। साख सहकारी समितियों के माध्यम से किसानों द्वारा अपनी उपज धान बेचने हेतु संयुक्त स्वामित्व के लोगों को इस बरसाती फसल वर्ष में फिर से एग्रोटेक पंजीयन प्रत्येक संयुक्त नाम दर्ज खातेदार को कराना छत्तीसगढ़ शासन द्वारा अनिवार्य किया गया है, जिसकी नियत अवधि 31 जुलाई निर्धारित की गई थी। लेकिन अनेक किसान जानकारी तथा समुचित सूचना माध्यम के अभाव में इस पंजीयन से वंचित है। इसलिए नगर निगम के लोक निर्माण विभाग अध्यक्ष विजय मोटवानी को इस महत्वपूर्ण समस्या से किसानों द्वारा अवगत कराया जाने पर उन्होंने कृषि मंत्री को पत्र लिखकर यह मांग की है कि किसान हित में एग्रोटेक पंजीयन की अवधि को आगे बढ़ाया जावे जिससे कोई भी किसान अपनी उपज को बेचने के लिए वंचित न हो और प्रदेश सरकार की मंशा के अनुरूप किसने की सेवा तथा कृषि को समृद्ध करने की पवित्र उद्देश्य की पूर्ति भी हो सके।

स्वयंसेवको ने नशामुक्ति नुक्कड़ नाटक का किया मंचन

धमतरी। जिला प्रशासन धमतरी और माई भारत द्वारा कलेक्टर अबिनाश मिश्रा के मार्गदर्शन में मराठा मंगल भवन में आयोजित जिला स्तरीय नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत संकल्प अभियान 2026 कार्यक्रम में इण्डियन रेडक्रॉस सोसाइटी जिला धमतरी की इकाई शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय खरतुली के इण्डियन रेडक्रॉस सोसाइटी और राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों ने आकाश गिरी गोस्वामी द्वारा लिखित और निर्देशित नाटक नशा छोड़ो जीवन से नाता जोड़ो नुक्कड़ नाटक के माध्यम से लोगों को नशा मुक्ति हेतु जागरूक करने का प्रयास किया। इस नाटक में धर्मेंद्र साहू, गगन विश्वकर्मा, वर्षा सिन्हा, मामयांशी साहू, प्रीति विश्वकर्मा, मुस्कान साहू, भूमिका यादव, पूर्वांजलि साहू, झरना साहू, प्रिया साहू ने अपने सधे हुवे अभिनय और सटीक संवाद से नशा के शरीर, घर, परिवार, समाज और राष्ट्र पर पड़ने वाले दुष्परिणाम का जीवंत मंचन किया। लोगों को नशा से दूर करने के उपाय भी सुझाए। इस अवसर पर सीएमएचओ डॉ यू एल कौशिक, वायस चेयरमेन शिवा प्रधान, जिला सहायक रेडक्रास अधिकारी जिला प्रबंध समिति सदस्य खोमन लाल साहू, होमेश्वर प्रसाद चंद्राकर, दुष्यन्त सिन्हा, आजीवन सदस्य डॉ गणेश प्रसाद साहू, शेषनारायण गजेंद्र, गजानन साहू, प्राचार्य टीआर नागवंशी, सरपंच उमेश नेताम, उपसरपंच सुरेश सिन्हा, व्याख्याता डॉ बीएल चंद्राकर, अमित महोबे, तिवारी सर, वाय सिन्हा, भारती आर्या, सतीश तुर्रे, प्रतिमा यदु, नेहा मेहता, संध्या ध्रुव, संजय कुमार सिन्हा, डायमंड गुरुपंचयन, एसबी जायसवाल, मंजू साहु एवं पालकों ने स्वयंसेवकों के कार्य की सराहना की है।

रुद्रेश्वर धाम से उभरती धमतरी की नई पहचान

धमतरी। सावन माह के प्रथम सोमवार को रुद्री स्थित प्राचीन रुद्रेश्वर महादेव मंदिर के समक्ष पहली बार चित्रोत्पला महानदी के पावन तट पर पहली बार बनारस की तर्ज पर भव्य महानदी गंगा आरती का आयोजन हुआ। अब सावन के प्रत्येक सोमवार को महानदी गंगा आरती होगी। धमतरी युवा ब्रिगेड एवं श्री रुद्रेश्वर महादेव परिवार के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस अलौकिक आयोजन ने केवल एक धार्मिक परंपरा की शुरुआत नहीं की, बल्कि धमतरी की सांस्कृतिक चेतना, आध्यात्मिक विरासत और पर्यटन संभावनाओं को भी नई दिशा प्रदान की। हजारों श्रद्धालुओं की उपस्थिति, 108 दीपों से सजी महाआरती, वैदिक मंत्रोच्चार, शंखनाद और घंटियों की गूंज के बीच महानदी का तट दिव्य आभा से आलोकित हो उठा। दीपों की स्वर्णिम छटा और महानदी की शांत लहरों ने ऐसा अदभुत वातावरण निर्मित किया कि उपस्थित श्रद्धालुओं को काशी के घाटों का सजीव अनुभव हुआ। रुद्रेश्वर घाट को आकर्षक विद्युत सज्जा, दीपों की श्रृंखलाओं और रंग-बिरंगी रोशनी से सुसज्जित किया गया था। संध्या होते ही श्रद्धालुओं का जनसैलाब घाट की ओर उमड़ पड़ा। हर.हर महादेव और जय मां महानदी के उद्घोषों से वातावरण भक्तिमय हो उठा। महाआरती से पूर्व विद्याकुंज स्कूल के विद्यार्थियों ने भगवान श्रीराम, भगवान शिव एवं भगवान जगन्नाथ की स्तुति में मधुर भजनों की प्रस्तुति देकर श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया। इसके पश्चात रुद्रेश्वर महादेव मंदिर में विधिवत पूजा-अर्चना एवं आरती सम्पन्न हुई तथा वैदिक रीति से चित्रोत्पला महानदी की गंगा आरती संपन्न कर क्षेत्र की सुख-समृद्धि, शांति और जनकल्याण की मंगलकामना की गई। आरती के उपरांत श्रद्धालुओं पर पवित्र जल का छिड़काव तथा महाप्रसादी का वितरण किया गया। इस अवसर पर धमतरी विधायक ओंकार साहू, महापौर जगदीश रामू रोहरा, कलेक्टर अबिनाश मिश्रा, पूर्व विधायक रंजना साहू सहित अनेक जनप्रतिनिधि, अधिकारी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। सभी ने महानदी की अविरल धारा, प्रकृति संरक्षण तथा सामाजिक सदभाव की कामना करते हुए इस आयोजन को जनआस्था का ऐतिहासिक पर्व बताया। यह आयोजन ऐसे समय हुआ है जब राज्य शासन द्वारा रुद्रेश्वर महादेव मंदिर परिसर के समग्र विकास की लगभग 20 करोड़ रुपये की महत्वाकांक्षी परियोजना तैयार की गई है। संस्कृति एवं पर्यटन विभाग के माध्यम से प्रस्तावित इस परियोजना के अंतर्गत मंदिर परिसर का विकास धार्मिक गरिमा, सांस्कृतिक संरक्षण और आधुनिक सुविधाओं के संतुलित समन्वय के साथ किया जाएगा। तीन चरणों में विकसित होने वाली इस योजना में पारंपरिक भारतीय मंदिर स्थापत्य शैली को संरक्षित रखते हुए मुख्य प्रवेश द्वार, शिखर, दीप स्तंभ, नंदी प्रतिमा, तोरण, सौंदर्यीकरण एवं श्रद्धालुओं के लिए सुव्यवस्थित अधोसंरचना विकसित की जाएगी। परिसर में चौड़े पैदल मार्ग, विश्राम स्थल, प्रसाद एवं स्मृति केंद्र, फूड कोर्ट, डिजिटल सूचना प्रणाली, स्वास्थ्य केंद्र, एआई आधारित हेल्थ चेकअप कियोस्क, स्वच्छ शौचालय, दिव्यांगजन.अनुकूल सुविधाएँ, सुरक्षित घाट, रेलिंगयुक्त विसर्जन कुंड तथा बैठने की समुचित व्यवस्था विकसित की जाएगी। साथ ही उद्यान, सांस्कृतिक मंडप, रिवर फ्रंट कॉटेज, ओपन एयर स्टेज तथा भविष्य की मेरीन ड्राइव जैसी अवधारणाएँ रुद्रेश्वर धाम को धार्मिक पर्यटन के एक आधुनिक केंद्र के रूप में स्थापित करेंगी। पर्यावरण संरक्षण को प्राथमिकता देते हुए सौर ऊर्जा आधारित पार्किंग, ईवी चार्जिंग स्टेशन, वर्षा जल संचयन, हरित क्षेत्र विस्तार एवं वैज्ञानिक अपशिष्ट प्रबंधन जैसी व्यवस्थाएँ भी इस परियोजना का हिस्सा होंगी। महानदी गंगा आरती की शुभ शुरुआत और रुद्रेश्वर धाम के प्रस्तावित समग्र विकास की परिकल्पना मिलकर धमतरी के लिए एक नए युग का संकेत हैं। यह केवल धार्मिक आयोजन या अधोसंरचना विकास तक सीमित नहीं है, बल्कि स्थानीय संस्कृति, पर्यटन, रोजगार, पर्यावरण संरक्षण और जनसहभागिता को एक सूत्र में पिरोने का सशक्त प्रयास है। आने वाले वर्षों में रुद्रेश्वर धाम श्रद्धा, संस्कृति और सतत विकास का ऐसा प्रेरक केंद्र बनेगा, जो धमतरी की पहचान को राष्ट्रीय स्तर पर नई प्रतिष्ठा प्रदान करेगा।

जनहित की मांगों को लेकर कांग्रेस जिला अध्यक्ष ने कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

धमतरी। धमतरी नगर निगम क्षेत्र और ग्रामीण अंचलों की विभिन्न बुनियादी समस्याओं और जनहित की मांगों को लेकर जिला कांग्रेस कमेटी की अध्यक्ष तारिणी चंद्राकर के नेतृत्व में एक प्रतिनिधि मंडल ने कलेक्टर निवास पहुंचकर कलेक्टर से सौजन्य मुलाकात की। इस दौरान नगर निगम के पार्षदों और भखारा क्षेत्र के कार्यकर्ताओं ने क्षेत्र की प्रमुख समस्याओं को लेकर एक विस्तृत ज्ञापन सौंपा, जिस पर कलेक्टर ने सभी कार्यों को समय पर पूर्ण कराने का ठोस आश्वासन दिया है। विवेकानंद वार्ड और जोघापुर वार्ड सहित विभिन्न वार्डों में स्थित जर्जर अटल आवासों के तत्काल जीर्णोद्धार और पुनर्निर्माण की मांग की गई। जिला शासकीय अस्पताल में लंबे समय से जारी डायलिसिस विशेषज्ञ डॉक्टर की कमी को दूर करने का आग्रह किया गया ताकि मरीजों को बाहर न जाना पड़े। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र भखारा में स्वास्थ्य सुविधाओं को दुरुस्त करने के लिए तत्काल एक नियमित एमबीबीएस डॉक्टर नियुक्त करने की मांग उठाई गई। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सोरिद भाट में छात्रों की सुरक्षा के मद्देनजर आहता बाउंड्रीवॉल निर्माण कार्य को जल्द शुरू कराने की मांग की गई। नयापारा वार्ड के नागरिकों की सुविधा के लिए एक सर्वसुविधायुक्त सामुदायिक भवन निर्माण की स्वीकृति देने का आग्रह किया गया। रिसाईपारा पश्चिम वार्ड सहित नगर निगम के विभिन्न वार्डों में बुनियादी नागरिक सुविधाओं और विकास कार्यों को गति देने की मांग की गई। साथ ही निगम पार्षदों के द्वारा नगर निगम में जारी भ्रष्टाचार और कमीशन को लेकर जांच कर कार्रवाई करने मांग की गई। कलेक्टर ने कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल और पार्षदों की सभी मांगों को बेहद गंभीरता से सुना। उन्होंने मौके पर ही संबंधित विभाग के अधिकारियों को इन समस्याओं के त्वरित निराकरण के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने आश्वस्त किया कि जनहित से जुड़े इन सभी विकास कार्यों और स्वास्थ्य.शिक्षा संबंधी मांगों को समय सीमा के भीतर प्राथमिकता से पूर्ण किया जाएगा। इस अवसर पर जिला कांग्रेस अध्यक्ष तारिणी चंद्राकर के साथ नगर निगम धमतरी के नेता प्रतिपक्ष दीपक सोनकर, ब्लॉक कांग्रेस कमेटी भखारा के अध्यक्ष होमेन्द्र साहू, नगर पंचायत भखारा के नेता प्रतिपक्ष अविनाश गौर, नगर निगम धमतरी के उपनेता प्रतिपक्ष विशु देवांगन, पार्षद योगेश लाल, पूर्णिमा रजक, भागी ध्रुव, गजानंद रजक सहित अन्य उपस्थित रहे।

श्री जैन श्वेतांबर मूर्तिपूजक संघ ने छात्राओं को वितरित की अध्ययन सामग्री

धमतरी। श्री जैन श्वेतांबर मूर्तिपूजक संघ धमतरी द्वारा सामाजिक सरोकार एवं शिक्षा प्रोत्साहन की भावना के तहत शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, सदर बाजार में अध्ययन सामग्री वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यालय की छात्राओं को कॉपी, पेन, पेंसिल, रबर सहित अन्य आवश्यक शैक्षणिक सामग्री वितरित की गई। कार्यक्रम में संघ के अध्यक्ष विजय गोलछा एवं शिशिर सेठिया सहित समाज के सदस्यों की उपस्थिति रही। उन्होंने छात्राओं को मन लगाकर पढ़ाई करने, अनुशासन का पालन करने तथा शिक्षा के माध्यम से उज्ज्वल भविष्य निर्माण का संदेश दिया। विद्यालय के प्राचार्य एवं शिक्षकों ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के सहयोग से छात्राओं का उत्साहवर्धन होता है और उन्हें बेहतर शिक्षा प्राप्त करने की प्रेरणा मिलती है। कार्यक्रम में विद्यालय परिवार के सभी शिक्षक.शिक्षिकाएं उपस्थित रहे। अंत में स्कूल प्रबंधन ने श्री जैन श्वेतांबर मूर्तिपूजक संघ, धमतरी का आभार व्यक्त करते हुए समाज द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में किए जा रहे योगदान की सराहना की।

संक्षिप्त समाचार

कुशालपुर हाई स्कूल में छात्राओं को मिली सरस्वती योजना की साइकिलें

रायपुर। रायपुर दक्षिण विधायक सुनील सोनी ने शासकीय हाई स्कूल कुशालपुर पहुंचकर छात्राओं को सरस्वती योजना के तहत साइकिलें वितरित कीं। इस अवसर पर रायपुर शहर जिला भाजपा अध्यक्ष रमेश सिंह ठाकुर, स्कूल के शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम में विधायक सुनील सोनी ने छात्राओं को नए शिक्षण सत्र की शुभकामनाएं देते हुए उन्हें मन लगाकर पढ़ाई करने और अच्छे अंक प्राप्त कर अपने परिवार, शहर एवं प्रदेश का नाम रोशन करने का संकल्प लेने की अपील की। उन्होंने कहा कि शिक्षा जीवन को बेहतर दिशा देने का सबसे महत्वपूर्ण माध्यम है। विद्यार्थियों को लक्ष्य निर्धारित कर मेहनत और अनुशासन के साथ आगे बढ़ना चाहिए। उन्होंने शिक्षकों से भी आग्रह किया कि वे बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देकर उन्हें श्रेष्ठ नागरिक बनाने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएं। विधायक सुनील सोनी ने कहा कि शासन की सरस्वती योजना के अंतर्गत छात्राओं को साइकिल वितरण का उद्देश्य उन्हें स्कूल आने-जाने में सुविधा उपलब्ध कराना है। उन्होंने कहा कि साइकिल मिलने से छात्राओं की पढ़ाई में आने वाली दूरी संबंधी परेशानियां कम होंगी और वे नियमित रूप से विद्यालय पहुंच सकेंगी।

सार्वजनिक ओवरब्रिज पर अनाधिकृत पेंटिंग का कार्य तत्काल बंद, सामग्री जब्त

रायपुर। नगर पालिक निगम रायपुर के जोन क्रमांक 5 अंतर्गत चंगोराभाठा रिंग रोड क्रमांक 1 स्थित सार्वजनिक ओवरब्रिज की दीवार पर बिना सक्षम अनुमति के प्रचार-प्रसार हेतु पेंटिंग किए जाने की सूचना प्राप्त होने पर मॉनिटरिंग टीम द्वारा तत्काल स्थल का निरीक्षण किया गया।निरीक्षण के दौरान पाया गया कि सार्वजनिक संपत्ति पर बिना सक्षम अनुमति के प्रचार-प्रसार हेतु पेंटिंग का कार्य प्रारंभ किया जा रहा था। इस पर छत्तीसगढ़ संपत्ति विरूपण निवारण अधिनियम के प्रावधानों के अंतर्गत तत्काल कार्रवाई करते हुए उक्त कार्य को मौके पर ही बंद करा दिया गया तथा पेंटिंग में प्रयुक्त सामग्री को जब्त कर लिया गया।संबंधित व्यक्तियों को भविष्य में बिना सक्षम अनुमति किसी भी सार्वजनिक संपत्ति पर प्रचार-प्रसार अथवा पेंटिंग संबंधी कोई भी कार्य नहीं करने के संबंध में सख्त निर्देश दिए गए हैं, वर्तमान में संबंधित स्थल पर अनधिकृत पेंटिंग का कार्य पूर्णत: बंद करा दिया गया है। प्रकरण में आवश्यक वैधानिक कार्रवाई प्रचलन में है तथा आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित कर दी गई है।

रायपुर में अवैध हथियार के साथ दो युवक गिरफ्तार

रायपुर। राजधानी रायपुर में अवैध हथियार लेकर लोगों को डराने-धमकाने वाले दो युवकों को टिकरापारा थाना पुलिस ने अलग-अलग कार्रवाई में गिरफ्तार किया है। दोनों आरोपियों के कब्जे से एक-एक धारदार लोहे का चाकू जब्त किया गया है। पुलिस के अनुसार, 3 अगस्त को मुखबिर से सूचना मिली थी कि संतोषी नगर चौक-भाठागांव मार्ग और गोकुल नगर काठाडीह क्षेत्र में दो युवक चाकू लहराकर राहगीरों को आतंकित कर रहे हैं। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी राजेश कुमार मरई के नेतृत्व में दो अलग-अलग पुलिस टीमों का गठन कर दोनों स्थानों पर घेराबंदी की गई। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने शुभम यादव (19 वर्ष) निवासी बीएसयूपी कॉलोनी, भाठागांव तथा मोहम्मद अनस हुसैन (22 वर्ष) निवासी गोकुल नगर, चिश्तिया कॉलोनी, टिकरापारा को अवैध हथियार के साथ रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया। दोनों के कब्जे से एक-एक धारदार लोहे का चाकू बरामद किया गया। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफटिकरापारा थाना में अपराध क्रमांक 700/2026 और 701/2026 के तहत आर्म्स एक्ट की धारा 25 एवं 27 में मामला दर्ज कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उन्हें न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया। यह कार्रवाई पुलिस उपायुक्त (वेस्ट) रॉबिन्सन गुड़िया, अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त राहुल देव शर्मा तथा सहायक पुलिस आयुक्त (न्यू राजेंद्र नगर) नवनीत पाटिल के निर्देशन में शहर में चाकूबाजी और अवैध हथियार रखने वालों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत की गई।

बारिश थमने के बाद बढ़ा तापमान, गर्मी और उसम से लोग परेशान

रायपुर। छत्तीसगढ़ में बीते 24 घंटों के दौरान हल्की से मध्यम बारिश हुई। राजधानी रायपुर में पिछले 3 दिनों से तापमान 30 डिग्री के पार दर्ज किया जा रहा है। गर्मी और उसम से लोग परेशान हो रहे हैं। मौसम विभाग ने आज कई इलाकों में बारिश को लेकर संभावना बताई है। वहीं एक-दो स्थानों पर भारी वर्षा के साथ बादल गरजने-चमकने और बिजली गिरने की संभावना बन रही है। दो दिनों तक इसी तरह का मौसम रहने वाला है। बारिश के प्रमुख आंकड़ों में दोरनापाल, भिलाईगढ़ और जगरगुंडा में 4-4 सेंटीमीटर, कटेकल्याण और सुकमा में 3-3 सेंटीमीटर, सरिया, धनोरा और नया बाराद्वार में 2-2 सेंटीमीटर वर्षा रिकॉर्ड की गई.

आधुनिक तकनीक से बदल रही खेती की तस्वीर

फसल विविधिकरण और आधुनिक तकनीक से खेती बनेगी अधिक लाभकारी-सीएम साय

- किसान और किसानी-प्रोत्साहन तथा परिणाम' विषयक संवाद कार्यक्रम में प्रगतिशील किसानों का किया सम्मान
- धान की रिकॉर्ड खरीदी, 3100 रुपये प्रति क्विंटल की दर, सिंचाई परियोजनाओं को नई गति और कृषि आधारित रोजगार पर दिया जोर

रायपुर/ संवाददाता

खेती केवल आजीविका का साधन नहीं, बल्कि छत्तीसगढ़ की संस्कृति, अर्थव्यवस्था और सामाजिक जीवन का आधार है। छत्तीसगढ़ सरकार कृषि और किसानों की समृद्धि को प्राथमिकता देते हुए खेती को अधिक लाभकारी, आधुनिक और टिकाऊ बनाने की दिशा में निरंतर कार्य कर रही है। किसानों की आय बढ़ाने के लिए सिंचाई सुविधाओं का विस्तार, फसल विविधिकरण, आधुनिक कृषि तकनीकों का उपयोग, कृषि यंत्रीकरण तथा कृषि आधारित उद्यमों को बढ़ावा देने पर विशेष बल दिया जा रहा है। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने आज राजधानी रायपुर में आयोजित 'किसान और किसानी-प्रोत्साहन तथा परिणाम' विषयक संवाद कार्यक्रम में यह बात कही। इस अवसर पर उन्होंने राज्य के विभिन्न जिलों से आए प्रगतिशील किसानों को उत्कृष्ट खेती, नवाचार और कृषि क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए सम्मानित किया। कार्यक्रम में कृषि विशेषज्ञों, जनप्रतिनिधियों, उद्योग जगत तथा विभिन्न क्षेत्रों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति रही। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने कहा कि उनका जीवन स्वयं खेती-किसानी से जुड़ा रहा है। किसान परिवार में जन्म लेने के कारण उन्होंने बचपन से खेतों में काम किया और खेती की कठिनाइयों तथा किसानों की आवश्यकताओं को निकट से देखा है। उन्होंने कहा कि केंद्रीय राज्य मंत्री के रूप में दिल्ली में रहने के दौरान भी वे नियमित रूप से अपने गांव और खेत की जानकारी लेते थे तथा गांव पहुंचने पर खेत अवश्य जाते थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में कृषि क्षेत्र में उल्लेखनीय परिवर्तन आया है। पहले किसान पूंजी के अभाव में साहूकारों या कर्ज पर निर्भर रहते थे, जबकि आज किसान क्रेडिट कार्ड जैसी योजनाओं के माध्यम से उन्हें समय पर ऋण उपलब्ध हो रहा है। उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी द्वारा किसान क्रेडिट कार्ड योजना प्रारंभ किए जाने को किसानों के लिए ऐतिहासिक निर्णय बताया। उन्होंने कहा कि आज किसानों को शून्य प्रतिशत ब्याज पर केसीसी ऋण उपलब्ध कराया जा रहा है, जिससे खेती करना पहले की तुलना में अधिक सहज हुआ है। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने कहा कि सरकार बनने के बाद सबसे पहले किसानों से किए गए वादों को पूरा किया गया। उन्होंने कहा कि आज छत्तीसगढ़ देश के उन राज्यों में शामिल है जहां किसानों को धान का सर्वाधिक मूल्य दिया जा रहा है। राज्य सरकार किसानों से 3100 रुपये प्रति क्विंटल की दर से 21 क्विंटल प्रति एकड़ तक धान की खरीदी कर रही है। इसके साथ ही पूर्व में लंबित दो वर्ष के बोनस का भी भुगतान किसानों को किया गया।

जग्गी हत्याकांड : शूटर चिमन सिंह को सुप्रीम कोर्ट से मिली जमानत

रायपुर/ संवाददाता

छत्तीसगढ़ के चर्चित राजनीतिक हत्याकांडों में शामिल राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एमसीपी) के तत्कालीन प्रदेश कोषाध्यक्ष राम अवतार जग्गी हत्याकांड के दोषी शूटर चिमन सिंह को सुप्रीम कोर्ट से जमानत मिल गई है। करीब दो दशक पुराने इस बहुचर्चित मामले में शीर्ष अदालत के आदेश के बाद आरोपी को अंतरिम राहत मिली है। गौरतलब है कि 4 जून 2003 की रात राजधानी रायपुर के मौदहापारा थाना क्षेत्र में राम अवतार जग्गी की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इस सनसनीखेज वारदात ने पूरे प्रदेश की राजनीति में हलचल मचा दी थी। उस समय जग्गी एनसीपी के प्रदेश कोषाध्यक्ष थे और उनकी हत्या को लेकर प्रदेशभर में व्यापक आक्रोश देखने को मिला था। पुलिस जांच के दौरान इस हत्याकांड में कई आरोपियों के नाम सामने आए थे। मामले में चिमन सिंह को शूटर के रूप में आरोपी बनाया गया था। लंबी न्यायिक प्रक्रिया के बाद उसे दोषी ठहराया गया और वह सजा काट रहा था। आरोपी की ओर से सुप्रीम कोर्ट में जमानत याचिका दायर की गई थी। सुनवाई के बाद शीर्ष अदालत ने चिमन सिंह को जमानत देने का आदेश दिया। हालांकि, अदालत में मामले की कानूनी प्रक्रिया आगे भी जारी रहेगी। राम अवतार जग्गी हत्याकांड छत्तीसगढ़ के सबसे चर्चित राजनीतिक मामलों में शामिल रहा है। हत्या के बाद जांच, आरोपियों की गिरफ्तारी और लंबी न्यायिक प्रक्रिया लगातार चर्चा का विषय रही। इस मामले पर विभिन्न राजनीतिक दलों की प्रतिक्रियाएं भी समय-समय पर सामने आती रही हैं। सुप्रीम कोर्ट से जमानत मिलने के बाद यह मामला एक बार फिर सुर्खियों में है। हालांकि, जमानत का अर्थ दोषमुक्त होना नहीं है, बल्कि यह न्यायालय द्वारा दी गई अंतरिम राहत है। मामले में आगे की सुनवाई और कानूनी प्रक्रिया नियमानुसार जारी रहेगी।

रायपुर में मारपीट.....सड़क हादसा और जुआ पर पुलिस की कार्रवाई

रायपुर। संवाददाता

राजधानी रायपुर में अलग-अलग थाना क्षेत्रों में मारपीट, चाकूबाजी, सड़क दुर्घटना और जुआ के मामलों में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए कुल 11 प्रकरण दर्ज किए हैं। इनमें एक महिला पर चाकू से हमला, छह वर्षीय बच्ची को सड़क हादसे में घायल करने, मारपीट की कई घटनाओं तथा जुआ खेलते 10 लोगों की गिरफ्तारी शामिल है। सिविल लाइन थाना क्षेत्र के ईमामबाड़ा के पास रातातालाब में घरेलू विवाद के दौरान बीच-बचाव करने पहुंची तबस्सुम खान पर जरयान खान उर्फबब्बू खान ने कथित रूप से गाली-गलौज करते हुए चाकू से हमला कर घायल कर दिया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफमामला दर्ज किया है। इसी थाना क्षेत्र के ताजनगर चौकी के पास एक अन्य मामले में प्रहलाद दीप पर बिना कारण विवाद कर राजेश बेहरा के साथ मारपीट करने और जान से मारने की धमकी देने का आरोप है। खमतराई थाना क्षेत्र के रावाभाठा में तेज और लापरवाही से बाइक चलाने वाले अज्ञात चालक ने घर के पास खेल रही छह वर्षीय बच्ची रिया साहू को टक्कर मार दी, जिससे वह घायल हो गई। पुलिस अज्ञात वाहन चालक की तलाश कर रही है। तेलीबांधा थाना क्षेत्र के मरीन ड्राइव गेट के पास नो-एंट्री में घुसी बाइक को रोकने पर आदित्य निर्मलकर और गौतम निषाद पर समीर डिडसेना से मारपीट और धमकी देने का आरोप लगा है। राजेंद्र नगर थाना क्षेत्र के महावीर नगर में पति के साथ टहल रही श्रीजा श्रीवास के पति से लखबीर सिंह ने विवाद कर मारपीट की। पुलिस ने संबंधित धाराओं में मामला दर्ज किया है। कोतवाली थाना क्षेत्र में मोबाइल कवर दुकान संचालक मोहम्मद सैफ की शिकायत पर कासिम भाटी के खिलाफ जबरन सामान ले जाने का प्रयास, मारपीट और धमकी देने का मामला दर्ज किया गया।

राज्यपाल श्री डेका से कौशल विकास, तकनीकी शिक्षा एवं रोजगार, अनुसूचित जाति विकास विभाग के मंत्री श्री गुरु खुशवंत साहेब ने सौजन्य भेंट की

मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े की पहल

सूरजपुर जिले को मिली 5 नए आंगनबाड़ी केंद्रों की स्वीकृति

- मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में पोषण और बाल विकास सेवाओं का हो रहा निरंतर विस्तार

रायपुर/ संवाददाता

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में प्रदेश में महिला एवं बाल विकास सेवाओं को मजबूत करने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि दर्ज की गई है। महिला एवं बाल विकास तथा समाज कल्याण मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े की विशेष पहल और निरंतर प्रयासों के परिणामस्वरूप सूरजपुर जिले में 5 नए आंगनबाड़ी केंद्रों के युक्तियुक्तकरण एवं संचालन की स्वीकृति प्रदान की गई है। महिला एवं बाल विकास विभाग के संचालनालय द्वारा जारी आदेश के अनुसार यह निर्णय भारत सरकार के दिशा-निर्देशों एवं राज्य शासन की स्वीकृति के आधार पर लिया गया है। इससे दूरस्थ एवं जरूरतमंद क्षेत्रों में बच्चों, गर्भवती महिलाओं, धात्री माताओं तथा किशोरियों को पोषण, स्वास्थ्य एवं पूर्व-प्राथमिक शिक्षा सेवाएं और अधिक सुलभ हो सकेंगी। स्वीकृत केंद्र ओड़गी और भैयाथान परियोजना के अंतर्गत डगमलापारा (चेंद्रा सेक्टर),भूंडा (मोहरसोप सेक्टर), झाड़ूडीह (चेंद्रा सेक्टर), पण्डोपारा (चेंद्रा सेक्टर), बगईहापारा (दरीपारा सेक्टर) पर संचालित होंगे।

रायपुर ग्रामीण पुलिस द्वारा अवैध प्रवासी एवं किरायेदार सत्यापन अभियान, 600 से अधिक किरायेदारों की जांच

रायपुर। पुलिस अधीक्षक रायपुर ग्रामीण श्रीमती श्वेता श्रीवास्तव सिन्हा के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) एवं नोडल अधिकारी एसटीएफ श्री अभिषेक झा एवं अनुविभागीय अधिकारी पुलिस (माना) श्री लम्बोदर पटेल के मार्गदर्शन में थाना सिलतरा पुलिस द्वारा थाना क्षेत्र में विशेष सत्यापन एवं जनसुरक्षा अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान अवैध प्रवासी एवं अन्य राज्यों से आकर निवास एवं कार्य कर रहे व्यक्तियों का सत्यापन किया गया। साथ ही औद्योगिक क्षेत्र में निवासरत श्रमिकों एवं किरायेदारों के पहचान दस्तावेजों का परीक्षण कर आवश्यक जानकारी संकलित की गई। विशेष अभियान के अंतर्गत सांकरा स्थित जे.के. वीडियो हॉल परिसर में लगभग 600 किरायेदारों का भौतिक सत्यापन एवं दस्तावेजों की जांच की गई। साथ ही मकान मालिकों एवं प्रबंधन को निर्देशित किया गया कि बिना पुलिस सत्यापन किसी भी व्यक्ति को किराये पर आवास उपलब्ध न कराएं

चेकिंग के दौरान दो चोरी की बाइक बरामद हुए.....

रायपुर। संवाददाता

पुलिस कमिश्नरेट रायपुर की यातायात पुलिस ने वाहन चेकिंग और नियमित पेट्रोलिंग के दौरान दो चोरी की मोटरसाइकिल बरामद कर बड़ी सफलता हासिल की है। टाटीबंध और पंडरी क्षेत्र में हुई अलग-अलग कार्रवाई में चोरी के वाहनों की पहचान कर उन्हें संबंधित थाना पुलिस के सुपुर्द किया गया। यातायात पुलिस की सतर्कता और आधुनिक तकनीक के इस्तेमाल से यह कार्रवाई संभव हो सकी। पहली कार्रवाई टाटीबंध क्षेत्र में हुई, जहां आरक्षक प्रकाश देवांगन को जायका शोरूम के पास सर्विस रोड और मुख्य मार्ग के बीच नाली में एक लावारिस बाइक संदिग्ध अवस्था में मिली। मोबाइल डिवाइस से जांच करने पर वाहन क्रमांक सीजी 07 डीसी 5527 दुर्ग जिले के रसमड़ा निवासी कृपाल निषाद का निकला। वाहन स्वामी ने बताया कि उनकी बाइक दो दिन पहले चोरी हुई थी, जिसकी रिपोर्ट मोहन नगर थाना, दुर्ग में दर्ज है। इसके बाद बाइक को आवश्यक कार्रवाई के लिए संबंधित थाना पुलिस को सौंप दिया गया। दूसरी कार्रवाई पंडरी क्षेत्र में वाहन चेकिंग के दौरान हुई। आरक्षक अरुण शुक्ला ने बिना नंबर की एक मोटरसाइकिल को रोककर उसके इंजन और चेसिस नंबर की जांच कराई। जांच में वाहन क्रमांक सीजी 12 ए सी 5553 बिलासपुर जिले के सोमेश कुमार का निकला। वाहन मालिक ने बताया कि बाइक चोरी होने की रिपोर्ट सिरगिट्टी थाना में दर्ज है।

युवाओं से नशे से दूर रहकर विकसित भारत के निर्माण में भागीदारी निभाने का आह्वान

नशा जीवन को खोखला कर देता है: मंत्री लखनलाल देवांगन

रायपुर/ संवाददाता

शासकीय ई.वी.पी.जी. महाविद्यालय कोरबा में गत दिनो नशामुक्त युवा फॉर विकसित भारत संकल्प अभियान के अंतर्गत जिला स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के शुभारंभ संबोधन का सीधा प्रसारण किया गया। प्रधानमंत्री ने देशभर के जेन-जी युवाओं से नशे से दूर रहने का संकल्प लेने तथा विकसित भारत के निर्माण में सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान किया। उन्होंने नशे के दुष्प्रभावों पर प्रकाश डालते हुए युवाओं से स्वस्थ, जागरूक और जिम्मेदार नागरिक बनने की अपील की। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि छत्तीसगढ़ शासन के वाणिज्य, उद्योग, वाणिज्य कर (आबकारी) एवं श्रम मंत्री श्री लखनलाल देवांगन ने कहा कि नशा जीवन को खोखला कर देता है। नशे की लत व्यक्ति की प्रगति में सबसे बड़ी बाधा बनती है। इससे न केवल व्यक्ति का भविष्य प्रभावित होता है, बल्कि उसका परिवार भी संकट में पड़ जाता है। उन्होंने कहा कि युवाओं को नशे से दूर रहकर संकल्प, अनुशासन और सकारात्मक सोच के साथ राष्ट्र निर्माण में अपनी भूमिका निभानी चाहिए। मंत्री श्री देवांगन ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी का सपना वर्ष 2047 तक विकसित भारत का निर्माण करना है और इसमें युवाओं की सबसे महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने युवाओं से स्वयं नशे से दूर रहने के साथ-साथ अपने परिवार, मित्रों एवं आसपास के लोगों को भी नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करने की अपील की। उन्होंने विद्यार्थियों से मन लगाकर अध्ययन करने तथा अपने जीवन में उच्च लक्ष्य निर्धारित कर आगे बढ़ने का आग्रह किया। साथ ही महाविद्यालय से जुड़ी समस्याओं के निराकरण का भी आश्वासन

दिया। कार्यक्रम की विशिष्ट अतिथि महापौर श्रीमती संजू देवी राजपूत ने कहा कि नशे के कारण परिवार बिखर रहे हैं और अपराधों में वृद्धि हो रही है। इसलिए युवाओं को नशे से दूर रहकर प्रधानमंत्री के विकसित भारत-2047 के संकल्प को साकार करने में अपनी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करनी चाहिए। इस अवसर पर उपस्थित सभी युवाओं को नशामुक्त जीवन का संकल्प भी दिलाया गया। कार्यक्रम में अभियान की जानकारी नोडल अधिकारी श्री सतीश प्रकाश सिंह ने दी। अतिथियों का पौध भेंट कर स्वागत किया गया। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ. पवन सिंह कँवर, नगर निगम सभापति श्री नूतन सिंह ठाकुर, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री प्रतीक जैन, पार्षद श्री नरेंद्र देवांगन, महाविद्यालय के प्रभारी प्राचार्य डॉ. बी.एल. साय, प्राध्यापकगण, जनप्रतिनिधि, एनएसएस के स्वयंसेवक तथा बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएँ उपस्थित थे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कलेक्टर श्री कुणाल दुदावत ने कहा कि नशे की गिरफ्त में आए व्यक्ति को इससे मुक्त कराना समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। कोई भी व्यक्ति बचपन से नशा नहीं करता, बल्कि धीरे-धीरे गलत संगति और परिस्थितियों के कारण इसकी गिरफ्त में आ जाता है और फिर इसकी लत का शिकार हो जाता है।

संपादकीय

नीट पेपर लीक के बाद नई पहल-क्या अब प्रतियोगी परीक्षाओं में लौटेगा भरोसा?

अगर विद्यार्थियों ने सड़क पर उतरकर अपना आक्रोश जाहिर नहीं किया होता और उनके प्रति पुलिस के रुख की वजह से सरकार कठघरे में नहीं खड़ी होती, तो शायद एक बार फिर बात आई-गई हो जाती।कई बार किसी मुद्दे पर उठने वाले सवाल विवाद की शक्ल अख्तियार कर लेते हैं। मगर काफी जद्दोजहद के बाद जब उस पर सहमति के बिंदु बनने लगते हैं, तब आखिरकार अपने परिणाम में वही सवाल भविष्य के लिए सकारात्मक दिशा का संकेत बन सकते हैं।नीट 2026 के प्रश्नपत्र लीक होने की घटना निश्चित तौर पर सरकारी तंत्र की विफलता और लापरवाही का सबूत थी, लेकिन उससे ज्यादा चिंता की बात यह थी कि लाखों विद्यार्थियों के भविष्य को लेकर सरकार बहुत ज्यादा फिक्रमंद नहीं दिखाई दे रही थी। इससे स्वाभाविक तौर पर विद्यार्थियों के बीच असंतोष और क्षोभ की भावना पैदा हुई और उसी को कॉकरोच जनता पार्टी नाम के एक नए बने समूह ने संगठित स्वर दिया।हालांकि इस मुद्दे पर दिल्ली के जंतर-मंतर पर हुए विरोध प्रदर्शन और खासतौर पर 'संसद मार्च' के आह्वान के दौरान विद्यार्थियों के खिलाफ पुलिस ने जिस स्तर का बल प्रयोग किया, उससे सरकार के रवैये पर तमाम सवाल उठे। विद्यार्थियों के शांतिपूर्वक विरोध प्रदर्शन के दमन की कोशिश को संवैधानिक और लोकतांत्रिक अधिकारों पर चोट की तरह देखा गया।अब विद्यार्थियों के उस आंदोलन के एक निष्कर्ष पर पहुंचने के बाद सरकार ने प्रश्नपत्र लीक होने की घटनाओं को पूरी तरह रोकने के लिए 'लोक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) संशोधन विधेयक, 2026' लाने की प्रक्रिया शुरू की है।मगर जरूरत इस बात की है कि देश भर में इस मुद्दे पर जिस तरह का विरोध और सरकार के रुख के प्रति असंतोष देखा गया, अगर उसके हल की कोई सूरत बन रही है, तो उसमें सभी पक्षों का सकारात्मक सहयोग सुनिश्चित हो। संशोधन विधेयक में प्रश्नपत्र लीक होने की कोई गुंजाइश नहीं छोड़ने के लिए कई सख्त प्रावधानों की बात की गई है। इससे यह साफ है कि सरकार इस समस्या की गंभीरता को अब स्वीकार कर रही है।मगर यहीं इस बात की जरूरत है कि इससे संबंधित सभी पक्षों पर विपक्षी दलों की भी विस्तृत राय ली जाए और इस पर संसद में पर्याप्त बहस हो। दूसरी ओर, आंदोलन के बाद जिस तरह तत्कालीन शिक्षा मंत्री का इस्तीफा हुआ और सरकार ने अपने कदम पीछे खींचे, तो अब विपक्षी दलों की भी यह जिम्मेदारी बनती है कि वे प्रश्नपत्र लीक होने की घटनाओं पर लगाम लगाने की कोशिश में अपना सक्रिय और सकारात्मक सहयोग दें।सही है कि नीट 2026 का प्रश्नपत्र लीक होने की घटना कोई पहली बार नहीं हुई थी। इससे पहले भी कई बार प्रश्नपत्र लीक होने के वाकये सामने आ चुके हैं। मगर सरकार ने औपचारिक निर्देशों के अलावा इसे गंभीरता से लेने की जरूरत नहीं समझी।

कारगिल के दुर्गम पर्वतों पर अदम्य साहस की अमर कहानी

(योगेश कुमार गोयल)

1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध के बाद पहली बार कारगिल युद्ध हुआ था, जब दोनों देश सीधे तौर पर सैन्य संघर्ष में शामिल हुए थे। कारगिल युद्ध भारतीय सीमा क्षेत्र में पाकिस्तानी सैनिकों और कश्मीरी आतंकवादियों की घुसपैठ का ही परिणाम था। उस भीषण युद्ध में वायु शक्ति, तोपखाने और पैदल सेना के संचालन का व्यापक उपयोग किया गया था।

देश कारगिल विजय दिवस की 27वीं वर्षगांठ मना रहा है। भारतीय सेना ने 26 जुलाई 1999 को कारगिल युद्ध में पाकिस्तानी फौज को बुरी तरह धूल चटाई थी। भारत-पाकिस्तान के बीच जम्मू कश्मीर के कारगिल जिले में हुआ वह युद्ध 60 दिनों तक चला था और पाकिस्तान फौज की करारी शिकस्त के बाद 26 जुलाई 1999 को समाप्त हुआ था। पाकिस्तान पर भारत की इस जीत को याद करते हुए 26 जुलाई को 'कारगिल विजय दिवस' के रूप में मनाया जाता है। पाकिस्तानी सैनिकों और भाड़े के आतंकवादियों को मारकर या खदेड़कर कारगिल की चोटियों पर कब्जा करने के लिए चलाए गए 'ऑपरेशन विजय' के तहत तमाम बाधाओं को पार करते हुए हमारे वीर जांबाजों ने उन्हें कारगिल से खदेड़कर दुर्गम चोटियों पर जीत का परचम लहराया था लेकिन देश को इसकी बहुत भारी कीमत भी चुकानी पड़ी थी। दरअसल उस युद्ध में भारत को विजय दिलाने में भारतीय सेना के सैंकड़ों जवान शहीद हुए थे। कारगिल युद्ध में न केवल भारतीय सेना के 527 सैनिक शहीद हुए थे बल्कि दो महीने तक चले उस युद्ध के दौरान 453 आम नागरिक भी मारे गए थे। इसीलिए भारतीय सेना की उस विजय के बाद सरकार द्वारा प्रतिवर्ष 26 जुलाई को भारतीय सेना के शौर्य दिवस के रूप में कारगिल विजय दिवस मनाए जाने का फैसला लिया गया। सही मायनों में कारगिल विजय दिवस भारतीय सैनिकों के साहस और बलिदान को स्मरण करने तथा उनके बलिदान को सम्मान देने का दिन है और 26 जुलाई का दिन विशेष रूप से देश के इन्हीं वीर सपूतों को समर्पित है। देश के जन-जन तक कारगिल युद्ध के इन्हीं नायकों के शौर्य और पराक्रम की गाथा पहुंचाने के लिए ही यह दिवस मनाया जाता है।

1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध के बाद पहली बार कारगिल युद्ध हुआ था, जब दोनों देश सीधे तौर पर सैन्य संघर्ष में शामिल हुए थे। कारगिल युद्ध भारतीय सीमा क्षेत्र में पाकिस्तानी सैनिकों और कश्मीरी आतंकवादियों की घुसपैठ का ही परिणाम था। उस भीषण युद्ध में वायु शक्ति, तोपखाने और पैदल सेना के संचालन का व्यापक उपयोग किया गया था। युद्ध की खास बात यह थी कि वह युद्ध काफी ऊंचाई पर लड़ा गया था, जिसमें कुछ सैन्य चौकियां तो 18 हजार फुट से भी ज्यादा ऊंचाई पर स्थित थी। ऐसे में भारतीय सैनिकों के लिए वह लड़ाई बेहद चुनौतीपूर्ण थी लेकिन हमारे जांबाजों ने देश की आन-बान और शान के लिए अपने प्राणों की आहुति देकर न केवल पाकिस्तान को उसकी असली औकात दिखाई बल्कि 700 से भी ज्यादा पाकिस्तानी सैनिकों को मौत के घाट भी उतारा। दुश्मन को रणनीतिक स्थानों से हटाने के लिए महत्वपूर्ण हवाई हमले करते हुए भारतीय वायुसेना ने उस युद्ध के दौरान बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। भारतीय सेना ने युद्ध के दौरान टोलोलिंग, टाइगर हिल, प्वाइंट 4875 सहित अन्य रणनीतिक चोटियों पर फिर से कब्जा कर लिया था।

कारगिल युद्ध की शुरूआत 26 मई 1999 को भारतीय सेना के हवाई हमले के साथ हुई थी। दरअसल भारतीय सेना को 3 मई 1999 को कारगिल में स्थानीय चरवाहों द्वारा पाकिस्तानी सैनिकों और आतंकवादियों के बारे में सतर्क किया गया था और उसके दो ही दिन बाद 5 मई 1999 को पाकिस्तानी सैनिकों ने भारतीय सेना के कम से कम 5 जवानों को मार डाला था। उसके बाद 10 मई 1999 को भारतीय सेना द्वारा 'ऑपरेशन विजय' की शुरूआत की गई। उस दौरान कारगिल में पाकिस्तानी सेना ने भारतीय सेना के गोला-बारूद भंडार को निशाना बनाया। 26 मई को भारतीय सेना ने पाकिस्तानी सैनिकों पर हवाई हमला किया। 27 मई को भारतीय वायुसेना का एक मिग-27 गिर गया, जिसमें चार क्रू सदस्यों की मौत हो गई लेकिन विमान से बाहर निकलने वाले पायलट को पाकिस्तानी सैनिकों ने युद्धबंदी के रूप में पकड़ लिया। तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने 31 मई 1999 को घोषणा की कि कारगिल में युद्ध जैसी स्थिति है, जिसके बाद अमेरिका, फ्रांस सहित कुछ देशों ने अगले ही दिन भारत के खिलाफ सैन्य कार्रवाई के लिए पाकिस्तान को जिम्मेदार ठहराया। भारतीय सेना ने 5 जून 1999 को कुछ महत्वपूर्ण दस्तावेज जारी किए, जिनसे पूरी दुनिया के समक्ष पाकिस्तान की करतूत का खुलासा हुआ।

भारतीय सेना ने 9 जून 1999 को कारगिल के बटालिक सेक्टर में दो महत्वपूर्ण ठिकानों पर कब्जा कर लिया। अगले ही दिन पाकिस्तान ने जाट रेजिमेंट के 6 सैनिकों के शव क्षत-विक्षत हालत में भारत को लौटाए। 13 जून 1999 को भारत ने युद्ध की दिशा बदलते हुए महत्वपूर्ण टोलोलिंग चोटी पर भी कब्जा कर लिया और प्रधानमंत्री वाजपेयी ने कारगिल का दौरा किया। अमेरिकी राष्ट्रपति बिल क्लिंटन ने 15 जून 1999 को पाकिस्तान के प्रधानमंत्री नवाज शरीफ से पाकिस्तानी सैनिकों को पीछे हटाने का आग्रह किया लेकिन पाकिस्तान ने उस अपील को अनसुना कर दिया। 11 घंटे के भीषण संघर्ष के बाद भारतीय सेना ने 20 जून 1999 को टाइगर हिल के पास प्वाइंट 5060 और प्वाइंट 5100 पर भी पुनः कब्जा कर लिया। अमेरिकी राष्ट्रपति बिल क्लिंटन ने 5 जुलाई 1999 को नवाज शरीफ से मुलाकात की, जिसके बाद पाकिस्तान ने कारगिल से पाकिस्तानी सैनिकों को हटाने की घोषणा की। 11 जुलाई 1999 को पाकिस्तानी सैनिकों ने पीछे हटना शुरू किया और भारतीय सेना ने बटालिक की प्रमुख चोटियों पर कब्जा कर लिया। भारतीय सेना ने 14 जुलाई 1999 को 'ऑपरेशन विजय' की सफलता की घोषणा की और 26 जुलाई 1999 को वीर 527 सैनिकों की शहादत के बाद कारगिल युद्ध समाप्त हुआ।

बहुत ऊंचाई पर लड़े गए उस भीषण युद्ध के दौरान अपनी बहादुरी और साहसिक कार्यों के लिए कई सैन्य अधिकारी राष्ट्रीय नायक बन गए, जिनमें 13 जेएके राइफल्स के कैप्टन विक्रम बत्रा, 18 ग्रेनेडियर्स के ग्रेनेडियर योगेन्द्र सिंह यादव, 1/11 गोरखा राइफल्स के लेफ्टिनेंट मनोज कुमार पांडे, 18 ग्रेनेडियर्स के लेफ्टिनेंट बलवान सिंह, एएसी, 2 राज आरआईएफ के कैप्टन एन केंगुरुसे प्रमुख रूप से शामिल हैं। युद्ध के दौरान भारत सेना के अनेक नायकों ने अपने प्राणों की आहुति इसीलिए दी ताकि पूरा देश चैन की नींद सो सके। कारगिल युद्ध में शौर्य और पराक्रम के लिए ग्रेनेडियर योगेन्द्र सिंह यादव तथा लेफ्टिनेंट मनोज कुमार पांडे को परमवीर चक्र और लेफ्टिनेंट बलवान सिंह को महावीर चक्र से सम्मानित किया गया। कैप्टन एन केंगुरुसे को मरणोपरांत महावीर चक्र और कैप्टन विक्रम बत्रा को मरणोपरांत परमवीर चक्र प्रदान कर उनकी शहादत का सम्मान किया। कारगिल युद्ध के दौरान कैप्टन विक्रम बत्रा के शब्द, 'ये दिल मांगे मोर' तो अब भी लोगों के कानों में गूंजते हैं। कारगिल युद्ध के ऐसे ही वीर नायकों की बहादुरी, साहस और जुनून की कहानियां आज भी देश के प्रत्येक नागरिक के दिलोदिमाग में जोश भर देती हैं।(लेखक 36 वर्षों से पत्रकारिता में सक्रिय वरिष्ठ पत्रकार और 'सागर से अंतरिक्ष तक= भारत की रक्षा क्रांति' सहित कई पुस्तकों के लेखक हैं)(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

'जरासंध' की खुशी तात्कालिक है...

(प्रणय विक्रम सिंह)

इतिहास का सबसे बड़ा भ्रम यह है कि वह युद्धभूमि में दिखाई देने वाले दृश्य को ही अंतिम सत्य मान लेता है। किंतु भारत की सभ्यता ने कभी केवल दृश्य को सत्य नहीं माना। उसने परिणाम से पहले उद्देश्य को देखा, विजय से पहले धर्म को देखा और पराक्रम से पहले बुद्धि को स्थान दिया।

यही कारण है कि इस भूमि ने उस पुरुष को भी भगवान कहा, जिसे उसके विरोधियों ने कभी 'रणछोड़' कहकर उपहास का विषय बनाया था।

कितना विचित्र है कि जिन श्री कृष्ण को गीता के उपदेशक, धर्म के संस्थापक, महाभारत के सूत्रधार और अधर्म के अंत का नायक माना जाता है, उन्हीं कृष्ण के नाम के साथ 'रणछोड़' शब्द भी जुड़ा। यदि केवल तत्कालीन जनमत से इतिहास लिखा जाता, तो शायद लोग यही कहते कि कृष्ण युद्धभूमि छोड़कर भाग गए। जरासंध स्वयं भी शायद यही समझ बैठा होगा कि उसने अपने सबसे बड़े प्रतिद्वंद्वी को पराजित कर दिया है। लेकिन इतिहास कभी तत्कालीन शोर से नहीं लिखा जाता। इतिहास समय की अग्नि में तपकर अपना निर्णय देता है।

भगवान श्री कृष्ण जानते थे कि प्रत्येक युद्ध रणभूमि में खड़े होकर नहीं जीता जाता। कभी-कभी एक कदम पीछे हटना ही अंतिम विजय की भूमिका बनता है। मथुरा से द्वारका का प्रस्थान 'पलायन' नहीं था, वह राष्ट्र, समाज और भविष्य की रक्षा के लिए लिया गया दूरदर्शी निर्णय था। उस समय जरासंध ने स्वयं को विजेता समझा होगा, पर इतिहास ने विजेता किसे माना? इतिहास ने रणछोड़दास को भगवान कहा, जरासंध को नहीं।

जरासंध की सबसे बड़ी भूल यह नहीं थी कि वह कृष्ण से लड़ता रहा। उसकी सबसे बड़ी भूल यह थी कि उसने हर बार पीछे हटते कृष्ण को पराजित समझ लिया। उसे दिखाई नहीं दिया कि कृष्ण युद्ध नहीं, समय चुन रहे हैं। यही कारण है कि उस दिन की जय-पराजय समय के साथ उलट गई। जरासंध अपने युग का विजेता कहलाया, लेकिन इतिहास का नायक नहीं बन सका। कृष्ण उस क्षण 'रणछोड़' कहे गए, किंतु काल ने उन्हें योगेश्वर के सिंहासन पर प्रतिष्ठित कर दिया।

भारत का दर्शन हमें सिखाता है कि पीछे हटना और हार जाना समानार्थी शब्द नहीं हैं। जो व्यक्ति अपने अहंकार की रक्षा के लिए समाज को संकट में डाल दे, वह विजेता होकर भी पराजित है। और जो व्यक्ति अपने सम्मान का त्याग करके समाज की रक्षा कर ले, वह तत्कालीन आलोचना झेलकर भी इतिहास में विजेता बनता है। इसी कारण इस देश ने श्री राम को वनवासी होकर भी मर्यादा पुरुषोत्तम कहा, श्री कृष्ण को रणछोड़ होकर भी भगवान कहा और छत्रपति शिवाजी महाराज की आगरा से रणनीतिक वापसी को कायरता नहीं, राष्ट्रनीति माना।

राजनीति में भी यही कसौटी लागू होती है। नेतृत्व का अर्थ केवल संघर्ष करना नहीं है। नेतृत्व का अर्थ यह भी है कि किस संघर्ष को कहां समाप्त करना है, किस विवाद को कितना बढ़ने देना है और किस क्षण स्वयं को पीछे करके राष्ट्रहित को आगे रखना है। जो राजनेता केवल इसलिए अड़ा रहे कि कहीं उसे झुकना न पड़ जाए, वह नेतृत्व नहीं कर रहा होता, वह अपने अहंकार की रक्षा कर रहा होता है। सच्चा नेतृत्व वह है, जो जानता है कि कब तलवार उठानी है और कब म्यान में रख देनी है।

आज जब हम केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे को देखते हैं, तो उसे केवल एक राजनीतिक घटना के रूप में देखना पर्याप्त नहीं है। इस निर्णय के पीछे जो भी राजनीतिक परिस्थितियां रही हों, एक तथ्य स्पष्ट है कि उन्होंने पद को राष्ट्र से बड़ा नहीं माना। उन्होंने स्वयं को विवाद का केंद्र बनाए रखने के बजाय पद छोड़कर व्यवस्था को आगे बढ़ने का अवसर दिया। लोकतंत्र में इससे असहमति हो सकती है, लोग इसे अलग-अलग दृष्टि से देख सकते हैं, किंतु यह प्रश्न अवश्य पूछा जाएगा कि यदि कोई नेता अपने पद से चिपका नहीं रहता, बल्कि परिस्थितियों को सामान्य बनाने के लिए पीछे हटता है, तो क्या उसे पराजित कह देना न्याय होगा?

केंद्रीय शिक्षा मंत्री के रूप में धर्मेंद्र प्रधान ने केवल एक मंत्रालय नहीं संभाला। नई शिक्षा नीति के माध्यम से भारतीय शिक्षा व्यवस्था को औपनिवेशिक मानसिकता से बाहर निकालने, मातृभाषा को सम्मान दिलाने, भारतीय ज्ञान परंपरा को पुनः स्थापित करने और इतिहास के अनेक उपेक्षित अध्यायों को शिक्षा के मुख्य विमर्श में लाने का प्रयास किया। दशकों तक जिस शिक्षा व्यवस्था पर वैचारिक एकरूपता का आरोप लगता रहा, उसमें विविध भारतीय दृष्टियों के लिए स्थान बनाने का प्रयास हुआ। इस दिशा में स्वाभाविक रूप से मतभेद भी हुए और समर्थन भी मिला। शिक्षा पर बहस होनी चाहिए। लोकतंत्र में असहमति का सम्मान भी होना चाहिए। विद्यार्थी यदि अपनी पीड़ा व्यक्त करते हैं तो वह लोकतांत्रिक अधिकार है। परीक्षा व्यवस्था में यदि कमियां हैं तो उनका कठोर सुधार भी होना चाहिए।

धरती की चेतावनी को सुनिए, प्रकृति का धैर्य अब जवाब दे रहा है

(योगेश कुमार गोयल)

2020 में कोरोना महामारी के कारण लगे लॉकडाउन के दौर में पूरी दुनिया ने पहली बार प्रकृति को खुलकर मुस्कराते देखा था क्योंकि तब औद्योगिक इकाईयां, हवाई व रेल यात्राएं, बस यात्रा तथा निजी वाहनों का आवागमन बंद होने से हर तरह के प्रदूषण का स्तर पूर्ण रूप से नियंत्रित हो गया था।पूरी दुनिया में मौसम के तेजी से बिगड़ते मिजाज के कारण विभिन्न देशों में प्रकृति की मार अब स्पष्ट नजर आने लगी है। प्रकृति के साथ खिलवाड़ का ही परिणाम है कि अब हर साल देश के कई हिस्से भारी बारिश के कारण बाढ़ की वजह से त्राहि-त्राहि करते नजर आते हैं जबकि कई हिस्से मानसून के दौरान भी पर्याप्त बारिश के लिए तरसते रह जाते हैं। इस वर्ष भी कुछ ऐसे ही हालात हैं। दुनिया के कई ठंडे इलाके अब ग्लोबल वार्मिंग के कारण तपने लगे हैं तो कई सूखे इलाके बाढ़ से त्रस्त हैं, जंगल झुलस रहे हैं। बिगड़ते पर्यावरणीय संतुलन और मौसम चक्र में आते बदलाव के कारण पेड़-पौधों की अनेक प्रजातियों के अलावा जीव-जंतुओं की कई प्रजातियों के अस्तित्व पर भी संकट के बादल मंडरा रहे हैं। पर्यावरण के तेजी से बदलते इस दौर में वैश्विक स्तर पर लोगों का ध्यान इन समस्याओं की ओर आकृष्ट करने के लिए ही प्रतिवर्ष 28 जुलाई को 'विश्व प्रकृति संरक्षण दिवस' मनाया जाता है, जिसके माध्यम से वातावरण में हो रहे व्यापक बदलावों के चलते लगातार विलुप्ति के कगार पर पहुंच रही जीव जंतुओं और वनस्पतियों की अनेक प्रजातियों की रक्षा का संकल्प लिया जाता है। विश्वभर में आधुनिकीकरण और औद्योगिकीकरण के चलते प्रकृति के साथ बड़े पैमाने पर जो खिलवाड़ हो रहा है, उसके मद्देनजर आमजन को जागरूक करने के लिहाज से आज के समय में प्रकृति संरक्षण दिवस की महत्ता बढ़ गई है।

2020 में कोरोना महामारी के कारण लगे लॉकडाउन के दौर में पूरी दुनिया ने पहली बार प्रकृति को खुलकर मुस्कराते देखा था क्योंकि तब औद्योगिक इकाईयां, हवाई व रेल यात्राएं, बस यात्रा तथा निजी वाहनों का आवागमन बंद होने से हर तरह के प्रदूषण का स्तर पूर्ण रूप से नियंत्रित हो गया था। गंगा, यमुना जैसी जो पवित्र नदियां कई जगहों पर गंदे नालों की भांति बहती दिखाई देती थी, उनमें जल की निर्मल धारा बहने लगी थी। जिन नदियों को साफ करने के लिए पिछले कुछ दशकों में अनेक योजनाएं और समितियां बनी तथा नदियों की स्वच्छता के नाम पर अरबों-खरबों रुपये खर्च हो गए, लॉकडाउन के दौरान वे स्वतः ही स्वच्छ और निर्मल हो गई थी। पहली बार देखा गया था कि किस प्रकार लॉकडाउन के चलते लोगों के घरों में बंद रहने और सभी प्रकार के व्यावसायिक कार्य बंद हो जाने से हवा इतनी शुद्ध हो गई थी कि सैंकड़ों किलोमीटर दूर स्थित पर्वतों की चोटियां भी स्पष्ट दिखाई दी थी। जिन नन्हीं चिड़ियों की चहचहाहट को हमारे कान तरस गए थे, ब्रह्म मुहूर्त में उनकी मधुर आवाज फिर से सुनाई देनी लगी थी। प्रकृति के उस साफ-सुथरे स्वरूप को देखकर हर कोई खुश था। दरअसल प्रकृति को स्वयं अपनी मरम्मत करने और खुद को सजाने-संवारने का सुअवसर मिला था लेकिन इंसानी गतिविधियां पुनः शुरू होते ही प्रकृति के साथ निर्मम खिलवाड़ का वही दौर पुनः शुरू हो गया, जिसका परिणाम इस समय दुनिया के तमाम देश भुगत रहे हैं।

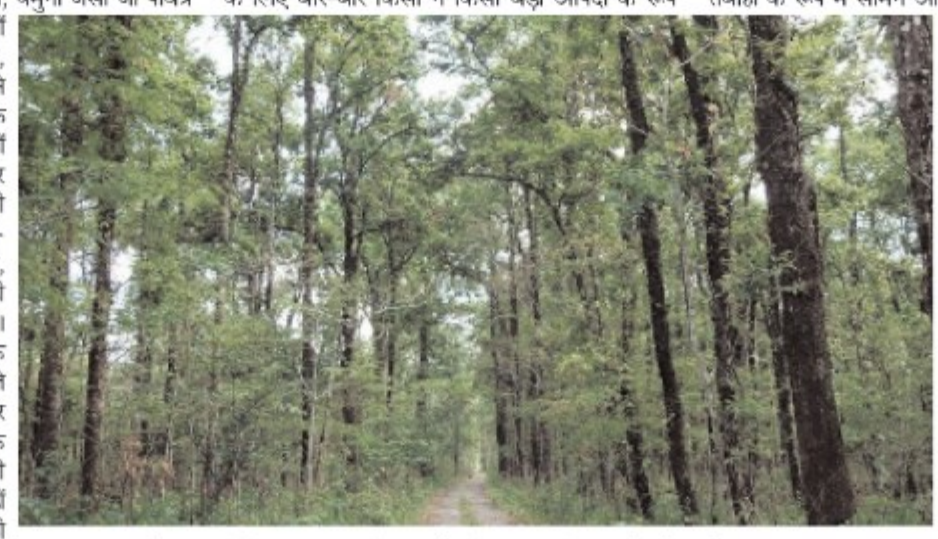

लॉकडाउन के दौर ने पूरी दुनिया को यह समझने का बेहतरीन अवसर दिया था कि इंसानी गतिविधियों के कारण ही प्रकृति का जिस बड़े पैमाने पर दोहन किया जाता रहा है, उसी के कारण स्वर्ग से भी सुंदर हमारी धरती कराहती रही है। प्रकृति मनुष्य को ऐसा न करने के लिए बार-बार किसी न किसी बड़ी आपदा के रूप में चेतावनियां भी देती रही है लेकिन उन चेतावनियों को सदा दरकिनार किया जाता रहा है। प्रकृति के साथ मानवीय छेड़छाड़ का ही नतीजा रहा है कि बीते कुछ वर्षों में मौसम चक्र में बदलाव स्पष्ट दिखाई दिया है। वर्ष दर वर्ष अब जिस प्रकार मौसम के बिगड़ते मिजाज के चलते समय-समय पर तबाही देखने को मिल रही है, ऐसे में हमें अच्छी तरह समझ लेना चाहिए कि मौसम चक्र के बदलाव के कारण प्रकृति संतुलन पर जो विपरीत प्रभाव पड़ रहा है, उसकी अनदेखी के कितने भयावह परिणाम होंगे। प्रकृति बार-बार मौसम चक्र में बदलाव के संकेत, चेतावनी तथा संभलने का अवसर देती रही है लेकिन हम आदतन किसी बड़े खतरे के सामने आने तक ऐसे संकेतों या चेतावनियों को नजरअंदाज करते रहे हैं, जिसका नतीजा अक्सर भारी तबाही के रूप में सामने आता रहा है।

पिछले तीन दशकों से पर्यावरण प्रदूषण के कारण जिस प्रकार मौसम चक्र तीव्र गति से बदल रहा है और प्राकृतिक आपदाओं का आकस्मिक सिलसिला तेज हुआ है, उसके बावजूद यदि हम नहीं संभलना चाहते तो इसमें भला प्रकृति का क्या दोष? प्रकृति के साथ हम बड़े पैमाने पर जो छेड़छाड़ कर रहे हैं, उसी का नतीजा है कि पिछले कुछ समय में भयानक तूफानों, बाढ़, सूखा, भूकम्प जैसी प्राकृतिक आपदाओं का सिलसिला तेजी से बढ़ा है। अपनी पुस्तक 'प्रदूषण मुक्त सांसें' में मैंने विस्तार से यह बताया है कि किस प्रकार पर्यावरण का संतुलन डगमगाने के चलते लोग अब तरह-तरह की भयानक बीमारियों के जाल में फंस रहे हैं। हमारे जो पर्वतीय स्थान कुछ सालों पहले तक शांत और स्वच्छ वातावरण के कारण हर किसी को अपनी ओर आकर्षित किया करते थे, आज वहां भी प्रदूषण तेजी से बढ़ रहा है और ठंडे इलाकों के रूप में विख्यात पहाड़ भी तपने लगने हैं, वहां भी जल संकट गहराने लगा है। दरअसल पर्वतीय क्षेत्रों में यातायात के साधनों से बढ़ते प्रदूषण, बड़े-बड़े उद्योग स्थापित करने और राजमार्ग बनाने के नाम पर बड़े पैमाने पर वनों के दोहन, सुरंगें बनाने के लिए बेदर्दी से पहाड़ों का सीना चीरे जाने का ही दुष्परिणाम है कि हमारे इन खूबसूरत पहाड़ों की ठंडक अब लगातार कम हो रही है। पहाड़ों में बढ़ती इसी गर्माहट के चलते हमें अक्सर घने वनों में भयानक आग लगने की खबरें भी सुनने को मिलती रहती हैं। पहाड़ों की इसी गर्माहट का सीधा असर निचले मैदानी इलाकों पर पड़ता है, जहां का पारा अब वर्ष दर वर्ष बढ़ रहा है।

हालांकि प्रकृति बार-बार अपना रौद्र रूप दिखाकर स्पष्ट चेतावनी देती रही है कि यदि उसके साथ अंधाधुंध खिलवाड़ बंद नहीं हुआ तो उसके घातक परिणाम होंगे लेकिन विड़म्बना है कि लगातार प्रकृति का प्रचण्ड रूप देखते रहने के बावजूद प्रकृति की चेतावनियों को नजरअंदाज कर दुनिया अपने विनाश को आमंत्रित कर रही है। दरअसल हम समझना ही नहीं चाहते कि पहाड़ों का सीना चीरकर हरे-भरे जंगलों को तबाह कर हम कंक्रीट के जो जंगल विकसित कर रहे हैं, वह वास्तव में विकास नहीं है बल्कि विकास के नाम पर हम अपने ही विनाश का मार्ग प्रशस्त कर रहे हैं। प्रकृति कभी समुद्री तूफान तो कभी भूकम्प, कभी सूखा तो कभी अकाल के रूप में अपना विकराल रूप दिखाकर हमें बारम्बार चेतावनी देती रही है कि हम यदि इसी प्रकार प्राकृतिक संसाधनों का बुरे तरीके से दोहन करते रहे तो हमारे भविष्य की तस्वीर कैसी होने वाली है। यदि हम अभी भी नहीं संभले और हमने प्रकृति से साथ खिलवाड़ बंद नहीं किया तो हमें आने वाले समय में इसके खतरनाक परिणाम भुगतने के लिए तैयार रहना होगा।(लेखक वरिष्ठ पत्रकार, पर्यावरण विषयों के जानकार और 'प्रदूषण मुक्त सांसें' पुस्तक के लेखक हैं) (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

संवेदनशीलता की मिसालः बाढ़ और नाव की परवाह किए बिना दुर्गम गांव पहुंचे कांकेर कलेक्टर

मलेरिया पीड़ित 8 के बच्चे मासूम को अपनी मोटरबोट से अस्पताल पहुंचाकर बचाई जान

कांकेर। उत्तर बस्तर कांकेर 04 अगस्त 2026 कलेक्टर निलेशकुमार महादेव क्षीरसागर आज कोयलीबेड़ा विकासखण्ड के दूरस्थ ग्रामों का आकस्मिक दौरा कर विभिन्न विकास कार्यों, स्वास्थ्य सुविधाओं तथा जनसमस्याओं से रूबरू हुए। इस दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश देते हुए समस्याओं के शीघ्र निराकरण के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने सितरम क्षेत्र के विभिन्न ग्रामों का दौरा कर वहां स्थित स्कूलों, आश्रम छात्रावासों तथा घरों में जाकर लोगों का हालचाल पूछा तथा स्वास्थ्य संबंधी जानकारी भी ली। इस दौरान ग्राम कंदाड़ी में मलेरिया से पीड़ित लगभग 08 वर्षीय बालक को मोटर बोट पर अपने साथ लाकर तत्काल सिविल अस्पताल पखांजूर में भर्ती कराया। कलेक्टर क्षीरसागर ने आज कोयलीबेड़ा विकासखण्ड के दूरस्थ एवं दुर्गम इलाके में बसे ग्राम कंदाड़ी, आलदण्ड, खैरीपदर, बांगो भोड़िया आदि का मौका मुआयना कर वहां उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने ग्राम कंदाड़ी के घोटुल में पहुंचकर ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं। इस दौरान इसी ग्राम के टोलापारा में मलेरिया प्रभावित परिवारों से मुलाकात की। मलेरिया प्रभावित तीन परिवारों से मुलाकात के दौरान 08 वर्षीय बीमार बालक की स्थिति को देखते हुए कलेक्टर ने संवेदनशीलता का परिचय देते हुए उसे अपने साथ मोटरबोट से लाकर सिविल अस्पताल पखांजूर में भर्ती कराया तथा बेहतर उपचार सुनिश्चित करने के निर्देश बीएमओ को दिए। साथ ही स्वास्थ्य विभाग की टीम को तत्काल उपचार एवं दवाइयों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इस दौरान वहां उपस्थित मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने बताया कि सितरम सेक्टर के आरोग्य मंदिर के तहत आने वाले 13 ग्रामों में आज कैंप लगाकर 217 ग्रामीणों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया, जिनमें 08 मलेरिया पॉजिटिव के मरीज पाए गए, जिनका तत्काल प्राथमिक उपचार प्रारंभकर दिया गया है। इसके अलावा कलेक्टर ने इन ग्रामों के आश्रम छात्रावास, स्कूलों व घरों में जाकर विद्यार्थियों व ग्रामीणों से मिलकर उनका हालचाल जाना। इसके पश्चात कलेक्टर ने पखांजूर के समीप स्थित अंजाड़ी नाला पुल का निरीक्षण किया। उक्त पुल में दरार आने की जानकारी मिलने पर उन्होंने संबंधित अधिकारियों को जांच कर आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। बताया गया कि क्षेत्र में भारी वाहनों, विशेषकर सूरजगढ़ माइंस से संबंधित वाहनों के आवागमन के कारण पुल मे दरारें आई है। नाव से नदी पार कर लिया विभिन्न ग्रामों का लिया जायजा इसके पश्चात कलेक्टर बेचाघाट पहुंचे, जहां जलभराव की स्थिति के कारण उन्होंने मोटर बोट से नदी पार कर दोपहिया वाहन के माध्यम से कंदाड़ी घोटुल पहुंचे, जहां ग्रामीणों की मांग पर आवागमन की सुविधा के लिए क्षेत्र में दो अतिरिक्त मोटरबोट उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने मोटरसायकल परसवार होकर खैरीपदर एवं बांगोभोड़िया के जर्जर स्कूल भवनों का अवलोकन किया और नए भवनों की स्वीकृति के लिए प्रस्ताव भेजने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने कांदाड़ी आंगनबाड़ी भवन का निरीक्षण कर निर्माण कार्य शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। साथ ही कंदाड़ी शासकीय प्री-मैट्रिक 50 सीटर छात्रावास का निरीक्षण किया, जहां केवल 25 छात्र उपस्थित पाए गए। उन्होंने छात्रावास की व्यवस्थाओं की समीक्षा करते हुए नए भवन की स्वीकृति के लिए आवश्यक कार्रवाई की बात कही। इसके अलावा ग्राम छोटेबेठिया स्थित नवनिर्मित प्री-मैट्रिक छात्रावास का भी निरीक्षण किया। उन्होंने लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) को शेष निर्माण कार्य शीघ्र पूर्ण कर छात्रावास को उपयोग के लिए तैयार करने के निर्देश दिए। क्षेत्र के भ्रमण के दौरान कंदाड़ी के सरपंच ने नल-जल योजना के तहत पेयजल आपूर्ति नहीं होने की समस्या से कलेक्टर को अवगत कराया। इस पर कलेक्टर ने संबंधित विभाग को समस्या का त्वरित समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही कलेक्टर ने कंदाड़ी के पात्र ग्रामीणों को प्रधानमंत्री सूर्यघर योजना के तहत अधिक से अधिक लाभ दिलाने के निर्देश दिए। इस अवसर पर एसपी निखिल राखेचा, जिला पंचायत सीईओ हरेश मण्डावी, जनपद पंचायत कोयलीबेड़ा के सीईओ उदय नाग सहित संबंधित विभागां के अधिकारीगण उपस्थित थे।

दोस्ती का विश्वास तोड़कर शादी का झांसा देकर 8 साल तक दुष्कर्म करने वाला आरोपी गिरफ्तार, पखांजूर पुलिस की त्वरित कार्रवाई

कांकेर। पखांजूर शादी का झांसा देकर लगातार दुष्कर्म करने और जान से मारने की धमकी देने वाले आरोपी को पखांजूर पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी पीड़िता के भाई का बिजनेस पार्टनर है, जो पिछले आठ वर्षों से उसका शारीरिक शोषण कर रहा था। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कर उसे न्यायालय में पेश कर दिया है। मिली जानकारी के अनुसार, पीड़िता ने 3 अगस्त को थाना पखांजूर में उपस्थित होकर शिकायत दर्ज कराई। उसने बताया कि उसके भाई का बिजनेस पार्टनर चन्द्रशेखर पोया, निवासी ग्राम पुसेवाड़ा (थाना खड़गांव, जिला मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी), का उसके घर आना-जाना था। वर्ष 2018 में आरोपी ने शादी का झांसा देकर उसे अपने विश्वास में लिया। 10 मार्च 2018 की रात घर में रुकने के दौरान आरोपी ने पीड़िता के साथ जबरन दुष्कर्म किया और किसी को बताने पर धमकी दी। इसके बाद से आरोपी लगातार शादी का झांसा देकर उसका शारीरिक शोषण करता रहा। हाल ही में जब उसने शादी करने से पूरी तरह इंकार कर दिया, तब पीड़िता ने थाने पहुंचकर आपबीती सुनाई। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक निखिल राखेचा के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राकेश कुमार कुर्रे के मार्गदर्शन एवं एसडीओपी पखांजूर कुलदीप बंजारे के पर्यवेक्षण में थाना प्रभारी निरीक्षक तेज कुमार वर्मा के नेतृत्व में विशेष टीम का गठन किया गया। पुलिस टीम ने अपराध क्रमांक 136/2026, धारा 376 एवं 376(2) (ढ़) भादवि के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की।त्वरित कार्रवाई करते हुए पुलिस टीम ने आरोपी चन्द्रशेखर पोया (पिता शिव कुमार पोया) को उसके निवास्थान ग्राम पुसेवाड़ा से घेराबंदी कर गिरफ्तार कर लिया। इस सफल कार्रवाई में थाना प्रभारी तेज कुमार वर्मा, प्रशिक्षु उप निरीक्षक अमीना, सहायक उप निरीक्षक समोद कुमार शर्मा, महिला आरक्षक बिन्दुलता देवांगन, आरक्षक अगसिया कोडोपी एवं महिला आरक्षक ममता मण्डावी की सराहनीय भूमिका रही।

जिला अध्यक्ष अभिलाष यादव ने कहा : दृढ़ इच्छाशक्ति, कठोर परिश्रम और अनुशासन के बल पर कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं होता

जगदलपुर। भारतीय जनता युवा मोर्चा के जिला अध्यक्ष अभिलाष यादव ने ग्लासगो में आयोजित राष्ट्रमण्डल खेल-2026 में महिलाओं की 53 किलोग्राम भारोत्तोलन स्पर्धा में रजत पदक जीतकर देश और छत्तीसगढ़ का गौरव बढ़ाने वाली राजनांदगाँव की बेटी ज्ञानेश्वरी यादव को बधाई देते हुए कहा है कि यह सम्मान प्रदेश की प्रतिभा, परिश्रम और संकल्प का सम्मान है। यादव ने कहा कि ज्ञानेश्वरी यादव ने अपने पहले ही राष्ट्रमण्डल खेलों में रजत पदक जीतकर यह सिद्ध कर दिया है कि दृढ़ इच्छाशक्ति, कठोर परिश्रम और अनुशासन के बल पर कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं होता। भाजयुमो जिला अध्यक्ष अभिलाष यादव ने कहा कि महिलाओं की 53 किलोग्राम भारोत्तोलन स्पर्धा में कुल 199 किलोग्राम वजन उठाकर ज्ञानेश्वरी ने न केवल देश के लिए पदक जीता, बल्कि पूरे छत्तीसगढ़ को गौरवान्वित किया है। यह उपलब्धि प्रदेश के खेल इतिहास में स्वर्णिम अध्याय के रूप में दर्ज होगी। अभिलाष यादव ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री श्री साय के नेतृत्व वाली भाजपा की राज्य सरकार प्रदेश की युवाओं को हरसम्भव मदद पहुँचा रही है।

सारंगढ़ खेलभाटा स्टेडियम में फुटबॉल और सॉफ्टबॉल संभाग स्तरीय स्पर्धा संपन्न

भटगांव। सारंगढ़ बिलाईगढ़ जिला मुख्यालय खेलभाटा स्टेडियम में स्कूल शिक्षा विभाग के संभाग स्तरीय फुटबॉल और सॉफ्टबॉल खेल स्पर्धा का आयोजन संपन्न हुआ। जहां जिले के संभाग के आठ जिलों ने शिरकत की। बिलासपुर संभाग से बिलासपुर पेंड्रा मुंगेली जांजगीर शक्ति रायगढ़ और सारंगढ़ ने हिस्सा लिया। फुटबॉल के मैच में पुरुष वर्ग से फाइनल में बिलासपुर को अंतिम चरणों में रायगढ़ ने एक गोल से मात दी तो वही महिला वर्ग में कोरबा ने शक्ति को पछाड़ा। सॉफ्टबॉल में पुरुष और महिला वर्ग में मुंगेली और जांजगीर से मुंगेली का दबदबा रहा। फुटबॉल मैच के रेफरी त्रिलोक मैत्री दिलीप यादव और पीटीआई रमीज राजा रहे। खेल स्पर्धा चयन प्रक्रिया में वरिष्ठ खिलाड़ियों तथा खेल संघ का भी विशेष सहयोग रहा। जिला क्रीड़ा अधिकारी कौशल ठेठवार ने जिले के कलेक्टर जिला प्रशासन जिले के तमाम खेल अधिकारियों सभी आगंतुक खेल प्रशिक्षकों खिलाड़ियों आयोजन में सहयोगी वरिष्ठ नगर के खिलाड़ियों खेल संगठनों का आभार जताया। कहा कि यह एक बड़ी स्पर्धा है आठ जिलों ने यहां शिरकत की है। जिनमें संभाग स्तरीय टीम का चयन करना है। सभी जिलों की टीमों के लिए नाश्ते और भोजन की व्यवस्था सारंगढ़ खेल भाटा स्टेडियम की व्यवस्था मंच की व्यवस्था से सभी खिलाड़ी खुश है यह आयोजन की सफलता है। मैं सभी सहयोगियों का आभार जताता हूं। अक्टूबर माह में जिले में पांच संभागों की राज्य स्टारी ए फुटबॉल स्पर्धा का आयोजन होगा। खिलाड़ी खेल संघ के अध्यक्ष गोल्डी नायक में उक्त आयोजन की प्रशंसा की, जिला प्रशासन खेल विभाग शिक्षा विभाग और सारे खेल प्रशिक्षकों तथा खिलाड़ियों की मेहनत को सराहा। खेल के दौरान स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी डॉक्टर दीपक जायसवाल सर्जन की स्वास्थ्य सुविधाएं की तारीफ की। सारंगढ़ रियासत कालीन समय से फुटबॉल खेल के लिए प्रसिद्ध है। जिले को फुटबॉल खेलो इंडिया के तहत चयनित भी किया गया है। आप सभी खिलाड़ी और मेहनत करें और आगे बढ़े। अच्छे आयोजन के लिए जिला प्रशासन शिक्षा और खेल विभाग को बधाई। सहायक क्रीड़ा अधिकारी फकीरा यादव ने सभी अंगूठी यूके खेल प्रशिक्षकों खिलाड़ियों गणमान्य जनों पत्रकारों खेल संघो खेल संगठनों और सहयोगियों का आभार व्यक्त किया। उक्त अवसर पर कौशल ठेठवार जिला क्रीड़ा अधिकारी शेख कासिम पूर्व जिला क्रीड़ा अधिकारी, फकीरा यादव सहायक जिला अधिकारी, मोहन कैवर्त, आरती शुक्ला, श्रुति चौबे, ममता साहू, पूजा अकेला, राजा राम उरांव, रमीज रजा, अखिलेश मिश्रा, मनोहर पैंकरा, राजकुमार पैंकरा, सुरेंद्र पैंकरा, गोविंदराम साहू, त्रिलोक मैत्री, दिलीप यादव खेल प्रशिक्षकों का विशेष सहयोग रहा। बाहर से आए खेल प्रशिक्षक जफर अली मोहन थापा अभिषेक गुप्ता संजय शुक्ला मुकेश कश्यप खगेश भारद्वाज गप्पू किशोर तिर्की ने खेल आयोजन चयन प्रक्रिया में सहयोग किया।

बोदराजपदर के जंगल में नक्सली डम्प बरामद बोल्ट एक्शन रायफल व 49 जिंदा कारतूस जब्त

सुकमा। जिले में नक्सल उन्मूलन अभियान के तहत सुरक्षा बलों को एक और बड़ी सफलता मिली है। थाना भेज्जी क्षेत्र के ग्राम बोदराजपदर के जंगलों में संयुक्त सर्च अभियान के दौरान नक्सलियों द्वारा छिपाकर रखा गया हथियार एवं भारी मात्रा में जिंदा कारतूस बरामद किए गए है। पुलिस अधीक्षक मयंक गुर्जर तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (ऑप्स) रोहित शाह के निर्देशन में चलाए जा रहे नक्सल विरोधी अभियान के तहत विश्वसनीय सूचना पर सीआरपीएफ की 50वीं बटालियन की ई कंपनी एवं भेज्जी पुलिस की संयुक्त टीम ने ग्राम बोदराजपदर के जंगल में विशेष सर्च अभियान चलाया। यह अभियान डीआईजी (ऑप्स) कोन्टा राजेश पाण्डेय तथा 50वीं वाहिनी के सेनानी प्रेमजीत कुमार के मार्गदर्शन में संचालित किया गया। सर्च के दौरान एफओबी एलारमडगु से लगभग 2.8 किलोमीटर दूर जंगल में नक्सलियों द्वारा छिपाकर रखा गया डम्प बरामद किया गया। डम्प से एक .315 बोर बोल्ट एक्शन रायफल, 7.62-39 मिमी के 47 जिंदा कारतूस, 7.62म51 मिमी के 2 जिंदा कारतूस तथा एक एल्युमिनियम कंटेनर जब्त किया गया। सर्च अभियान सफलतापूर्वक पूरा होने के बाद संयुक्त टीम सुरक्षित वापस कैंप एलारमडगु लौट आई। सुकमा पुलिस ने बताया कि जिले में नक्सल विरोधी अभियान लगातार जारी रहेगा। पुलिस ने आम नागरिकों से अपील की है कि किसी भी संदिग्ध गतिविधि या नक्सल संबंधी सूचना तत्काल निकटतम थाना अथवा पुलिस को दें। सूचना देने वाले की पहचान पूरी तरह गोपनीय रखी जाएगी।

मादक पदार्थ गांजा परिवहन करते रंगे हाथ पकड़ा गया 02 आरोपी

भटगांव। नगर भटगांव क्षेत्र में अवैध कारोबार के ऊपर कार्रवाई लगातार जारी है जहां इसी क्रम में थाना के सामने मेन रोड पर हमराह स्टाफके वाहन चेकिंग के दौरान मुखबीर द्वारा सूचना प्राप्त हुई कि सरसीवां की ओर से एक्टीवा वाहन क्रमांक सीजी 12 बीव्ही 7563 में एक लड़का पीछे में एक महिला को बैठाकर कोरबा की ओर जाने वाला है महिला के बैग में तथा वाहन के सीट के नीचे गांजा रखे हैं कि सूचना पर मौके पर रोड में स्टापर लगाकर वाहन चेकिंग किया गया,चेकिंग के दौरान उक्त एक्टीवा वाहन में सवार एक महिला व एक पुरूष आते मिले जिसे रोककर पूछताछ किया गया पूछताछ पर एक्टीवा वाहन का चालक अपना नाम विजय कुमार पालकर पिता संतराम पालकर उम्र 26 वर्ष निवासी ग्राम पहरिया थाना बलौदा जिला जांजगीर चाम्पा हाल मुकाम गीतांजली कर्ष के किराये के घर सीतामणी कोरबा तथा पीछे बैठी महिला अपना नाम रंजीता दुबे पति मनोज दुबे उम्र 38 वर्ष निवासी प्रगति नगर दर्री थाना दर्री जिला कोरबा बताई जो वाहन के सीट के नीचे तथा बैग में रखे सामान के संबंध में गोल मोल जवाब देने लगे जिनको को नोटिस देकर उनके सहमति प्राप्त कर तलाशी लिया गया आरोपीया रंजीता के रखे पर्स से बैंक ऑफ बडौदा का चेक बुक व नकदी रकम को बरामद कर वाहन व बैग का अलग अलग तलाशी लिया गया एक्टीवा वाहन के सीट के नीचे दो पैकेट तथा बैग में तीन पैकेट में भरा मादक पदार्थ मिला जिसे आरोपी विजय व रंजीता ने गांजा होना बताया,गांजा को रंजीता ने स्वयं का होना, जिसे पदमपुर से एक व्यक्ती के पास से खरीद कर लाना बताये जिसे मौके पर गवाहों के समक्ष एक्टीवा से बरामद दो पैकेट व रंजीता के बैग से मिले तीन पैकेट कुल 9.295 किलो ग्राम को मुताबिक जब्ती पत्रक समक्ष गवाह के जप्त कर आरोपी के विरुद्ध धारा 20 (बी) एनडीपीएस एक्ट के तहत विधिवत गिरफ्तार कर न्यायालय पेश किया गया जिसे न्यायालय द्वारा न्यायिक रिमांड भेजा गया। प्रकरण की संपूर्ण कार्यवाही में थाना प्रभारी शिव कुमार धारी सउनि बलीराम निराला प्रउनि नवीन ठाकुर प्र.आर.श्रवण बरिहा राजेंद्र चंद्रा, शशि खूंटे राहुल खूंटे म आर रीना बघेल, मोहन कुमारी एवं समस्त थाना स्टाफ का विशेष योगदान रहा।

तेन्दूपत्ता संग्रहण की नई पहल से अबुझमाड़ के 22 गांव के संग्रहकों ने 161.254 मानक बोरा विक्रय कर हुए लाभान्वित

नारायणपुर। जिले में वर्ष 2026 के तेन्दूपत्ता संग्रहण सीजन में राज्य शासन की नई नीति और दूरदर्शी पहल के तहत पहली बार असीमांकित क्षेत्रों में भी नवीन तेन्दूपत्ता फड़ प्रारंभ किए गए। इससे अबुझमाड़ क्षेत्र के ग्रामीणों को अपने ही गांव के समीप तेन्दूपत्ता विक्रय करने का अवसर मिला और उन्हें स्थानीय स्तर पर रोजगार उपलब्ध हुआ। ग्रामीणों ने नवीन फड़ खोले जाने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि अब उन्हें तेन्दूपत्ता संग्रहण के लिए दूरस्थ क्षेत्रों में नहीं जाना पड़ रहा है। शासन की यह पहल अंतिम व्यक्ति तक रोजगार और आर्थिक लाभ पहुंचाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। राज्य शासन की नवीन तेन्दूपत्ता संग्रहण नीति के तहत वर्ष 2026 में प्रति मानक बोरा 5,500 रुपये की दर निर्धारित की गई, जिससे ग्रामीणों में तेन्दूपत्ता संग्रहण के प्रति उत्साह और बढ़ा। ग्रामीणों की मांग पर उन्होंने वनमण्डल कार्यालय पहुंचकर अपने गांवों के समीप नवीन फड़ खोलने का अनुरोध किया था। ग्रामीणों की मांग को गंभीरता से लेते हुए छत्तीसगढ़ शासन के वन मंत्री केदार कश्यप के निर्देश पर अबुझमाड़ क्षेत्र में शीघ्र नवीन तेन्दूपत्ता फड़ खोलने की प्रक्रिया शुरू की गई। वन विभाग द्वारा आवश्यक औपचारिकताएं पूर्ण कर प्रस्ताव छत्तीसगढ़ राज्य लघु वनोपज संघ को भेजा गया, जहां से अनुमति मिलने के बाद वर्ष 2026 के तेन्दूपत्ता सीजन में संग्रहण कार्य प्रारंभ किया गया। इस पहल के तहत कुल 10 नवीन तेन्दूपत्ता फड़ कलमानार, ओकपाड़, कुतुल, निरामेटा, कोडकानार, कानागांव, कच्चापाल, टेकानार, बांहकेर और रायनार में स्थापित किए गए। इन फड़ों के माध्यम से 22 गांवों के 365 संग्राहकों ने कुल 161.254 मानक बोरा तेन्दूपत्ता का संग्रहण किया। संग्रहित तेन्दूपत्ता के एवज में संग्राहकों को 8 लाख 86 हजार 897 रुपये की राशि डीबीटी (डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर) प्रणाली के माध्यम से सीधे उनके बैंक खातों में ऑनलाइन हस्तांतरित की गई। इससे ग्रामीणों की आर्थिक स्थिति को मजबूती मिली है और शासन की पारदर्शी भुगतान व्यवस्था पर उनका विश्वास भी बढ़ा है। इन नवीन फड़ों के अंतर्गत कलमानार, पिड़का, बेहबेड़ा, कंदाड़ी, किशकाल, ओकपाड़, कुतुल, आलबेड़ा, निरामेटा, कोडकानार, कानागांव, कच्चापाल, ताड़ोकुर, टेकानार, नयापारा, मकसोली, हिकपुला, बांहकेर, झोरीगांव, रेंगाबेड़ा, कोकोड़ी तथा रायनार सहित कुल 22 गांवों के ग्रामीण लाभान्वित हुए हैं। शासन की इस पहल से अबुझमाड़ क्षेत्र के दूरस्थ गांवों में रोजगार के नए अवसर सृजित हुए हैं। साथ ही, स्थानीय स्तर पर तेन्दूपत्ता संग्रहण और पारदर्शी भुगतान व्यवस्था के माध्यम से ग्रामीणों की आय में वृद्धि हुई है, जिससे क्षेत्र के आर्थिक सशक्तिकरण को नई गति मिली है।

जायसवाल निको के 53वें स्थापना दिवस पर वृहद वृक्षारोपण एवं फल वितरण कार्यक्रम का आयोजन

नारायणपुर। जायसवाल निको इंडस्ट्रीज लिमिटेड द्वारा संचालित छोटेडोंगर लौह अयस्क खदान में कंपनी के संस्थापक बसंत लाल साव जी का 93 वाँ जन्मदिवस एवं कंपनी का 53 वाँ स्थापना दिवस श्रद्धा, सेवा एवं पर्यावरण संरक्षण के संकल्प के साथ मनाया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत खदान परिसर एवं सुरक्षा क्षेत्र में एक पेड़ बाबूजी के नाम अभियान के तहत 1050 वानिकी प्रजातियों के पौधों जैसे साजा, बीजा, अर्जुन, साल आदि का पौधारोपण किया गया। पौधारोपण अभियान में कंपनी के अधिकारियों, कर्मचारियों एवं श्रमिकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। सभी पौधों का प्रजातिवार रोपण किया गया, जिससे उनके समुचित संरक्षण एवं बेहतर विकास को सुनिश्चित किया जा सके। इसी अवसर पर धनोरा, छोटेडोंगर सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में फलों का भी वितरण किया गया। इसके अतिरिक्त सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, विद्यालयों एवं शबरी आश्रम में भी फल वितरित कर समाज के विभिन्न वर्गों के प्रति सेवा एवं सद्भाव का संदेश दिया गया। ग्रामीणों, विद्यार्थियों एवं मरीजों ने इस पहल की सराहना करते हुए कंपनी प्रबंधन के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम के दौरान कंपनी प्रबंधन ने कहा कि बसंत लाल साव (बाबूजी) के आदर्श सदैव समाज सेवा, पर्यावरण संरक्षण एवं मानवीय मूल्यों पर आधारित रहे हैं। उनके मार्गदर्शन एवं प्रेरणा से कंपनी पर्यावरण संरक्षण, हरित विकास तथा सामाजिक उत्तरदायित्व के क्षेत्र में निरंतर कार्य कर रही है। इस प्रकार के आयोजन समाज एवं प्रकृति के प्रति कंपनी की प्रतिबद्धता को और अधिक सुदृढ़ करते हैं। इस अवसर पर छोटेडोंगर लौह अयस्क खदान के अधिकारी, विभिन्न विभागों के कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में श्रमिक उपस्थित रहे। सभी ने पर्यावरण संरक्षण, हरित विकास एवं सामाजिक सेवा के प्रति अपनी सहभागिता बनाए रखने तथा अधिक से अधिक वृक्षारोपण कर हरित भविष्य के निर्माण का संकल्प लिया। कार्यक्रम का सफल संचालन संग्राम केसरी स्वाइन (कार्यकारी निदेशक), डॉ शिवादेव उपाध्याय (उपाध्यक्ष-खदान) एवं आशीष मिश्रा (उपाध्यक्ष खदान) के निर्देशन में संपन्न हुआ।

संक्षिप्त समाचार

भैंसों को क्रूरतापूर्वक उत्तर प्रदेश ले जा रहा आरोपी गिरफ्तार, 5 मवेशी बरामद

बलरामपुर। बसंतपुर पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर कार्रवाई करते हुए 5 भैंसों को कथित रूप से क्रूरतापूर्वक मारते-पीटते हुए उत्तर

प्रदेश ले जा रहे एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से सभी 5 मवेशियों को बरामद कर सुरक्षित जब्त कर लिया। पुलिस के अनुसार अपराध क्रमांक 128/2026 के तहत पशु क्रूरता निवारण अधिनियम, 1960 की धारा 11 तथा छत्तीसगढ़ कृषक पशु परिरक्षण अधिनियम, 2004 की धारा 4, 6 एवं 10 के तहत मामला दर्ज किया गया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान उमेश कुमार यादव (32 वर्ष), पिता लालमन यादव, निवासी ग्राम कुंदी, थाना बसंतपुर के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया कि 4 अगस्त 2026 को मुखबिर से सूचना मिली थी कि एक व्यक्ति 5 भैंसों को कथित रूप से क्रूरतापूर्वक मारते-पीटते हुए उत्तर प्रदेश स्थित बूचड़खाने की ओर ले जा रहा है। सूचना पर पुलिस टीम ने गवाहों के साथ घेराबंदी कर आरोपी को रोककर पूछताछ की। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से 5 भैंस बरामद किए गए। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि उत्तर प्रदेश निवासी एक अन्य व्यक्ति के कहने पर वह मवेशियों को हांककर ले जा रहा था तथा इसके एवज में उसे 2,500 मिलने थे। मामले में अन्य आरोपी की भूमिका की भी जांच की जा रही है। पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध पर्याप्त साक्ष्य मिलने पर विधिवत गिरफ्तार कर उसे न्यायिक रिमांड के लिए माननीय न्यायालय में पेश कर दिया है। मामले की विवेचना जारी है।

नए बीटीएपी एल्यूमिना रेलवे रेक के साथ बालको ने आपूर्ति श्रृंखला को किया और मजबूत

कोरबा। भारत एल्यूमिनियम कंपनी लिमिटेड (बालको) ने अपनी लॉजिस्टिक्स क्षमता को और सशक्त बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए अपने रेलवे यार्ड में दूसरा बीटीएपी (बोगी टैंक एल्यूमिना पाउडर) एम-1 (बी12) रेलवे रेक शामिल किया है। यह कंपनी की प्रचालन दक्षता बढ़ाने, एल्यूमिना की बिना रूकावट आपूर्ति सुनिश्चित करने तथा एक मिलियन टन वार्षिक उत्पादन क्षमता (1 एमटीपीए) के लक्ष्य की दिशा में महत्वपूर्ण निवेश है। एल्यूमिना एल्यूमिनियम उत्पादन का प्रमुख कच्चा माल है और इसकी समयबद्ध उपलब्धता उत्पादन प्रक्रिया के लिए अत्यंत आवश्यक है। प्रतिदिन हजारों टन एल्यूमिना लंबी दूरी तय कर बालको के संयंत्र तक पहुंचता है। ऐसे में इसकी सुरक्षित, विश्वसनीय और निर्बाध आपूर्ति बनाए रखना कंपनी के संचालन की निरंतरता के लिए महत्वपूर्ण है। भारतीय रेलवे की लिबरलाइन्ड स्पेशल फ्रेट ट्रेन ऑपरेटर (एलएसएफटीओ) योजना के तहत शामिल किए गए इस नए रेलवे रेक से रेल आधारित परिवहन को बढ़ावा मिलेगा। इससे सड़क परिवहन पर निर्भरता कम होगी, बड़ी मात्रा में एल्यूमिना का अधिक सुरक्षित एवं नियमित परिवहन संभव होगा तथा लॉजिस्टिक्स लागत में दीर्घकालिक दक्षता आएगी। रेल परिवहन के माध्यम से सामग्री की आवाजाही अधिक व्यवस्थित, विश्वसनीय और पर्यावरण के अनुकूल बनेगी। यह पहल पर्यावरणीय स्थिरता के प्रति बालको की प्रतिबद्धता को भी मजबूत करती है। रेल परिवहन के बढ़ते उपयोग से लॉजिस्टिक्स से होने वाले कार्बन उत्सर्जन में कमी आने की संभावना है, जो वेदांता के वर्ष 2050 तक नेट जीरो कार्बन लक्ष्य के अनुरूप है। नया रेलवे रेक बालको के आधुनिक डिजिटल लॉजिस्टिक्स नेटवर्क से भी जुड़ा हुआ है। 24म7 कंट्रोल टॉवर के माध्यम से जीपीएस आधारित रियल-टाइम ट्रैकिंग, संयंत्र परिसर में केंद्रीयकृत सीसीटीवी निगरानी तथा सस्टेनेबल प्रचालन मॉनिटरिंग से सामग्री की आवाजाही पर निरंतर नजर रखी जाती है। इससे त्वरित निर्णय लेने, बेहतर समन्वय स्थापित करने और संपूर्ण सप्लाई चेन को अधिक प्रभावी बनाने में सहायता मिलती है।

स्वास्थ्य विभाग में संविदा भर्ती परीक्षा शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न

कोरबा। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) अंतर्गत विभिन्न संविदा पदों पर भर्ती के लिए आयोजित लिखित परीक्षा सोमवार को शांतिपूर्ण, सुव्यवस्थित एवं पारदर्शी वातावरण में सम्पन्न हुई। भर्ती प्रक्रिया मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत श्री प्रतीक जैन की अध्यक्षता में संपन्न कराई गई। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. एस. एन. केसरी भी उपस्थित रहे। भर्ती परीक्षा के लिए लाइवलीहुड कॉलेज एवं शासकीय पी.जी. कॉलेज को परीक्षा केंद्र बनाया गया था। परीक्षा में जूनियर सेक्रेटेरियल असिस्टेंट, डेंटल सर्जन, नर्सिंग स्टाफ एएनएम, एमपीडब्ल्यू, रेडियोग्राफर, लैब तकनीशियन, ओटी तकनीशियन, काउंसलर, लैब असिस्टेंट, सिक्योरिटी गार्ड सहित विभिन्न संविदा पदों के अभ्यर्थी शामिल हुए। मुख्य कार्यपालन अधिकारी प्रतीक जैन ने परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण कर परीक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

सेवानिवृत्ति कर्मियों के कल्याण के लिए कोल इंडिया ने बढ़ाए मदद के हाथ

4.5 लाख से अधिक सेवानिवृत्त कर्मचारियों एवं पेंशनभोगियों के जीवन की गुणवत्ता में सुधार के लिए किए गए कई पहल...

बिलासपुर। कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) ने अपने सेवानिवृत्त कर्मचारियों के लिए पेंशन प्रशासन, स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता, शिकायत निवारण तथा सामाजिक सुरक्षा को सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से अनेक महत्वपूर्ण सुधार लागू किए हैं। इन पहलों से 4.5 लाख से अधिक सेवानिवृत्त कर्मचारियों एवं पेंशनभोगियों के जीवन की गुणवत्ता में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। यह राष्ट्र की ऊर्जा सुरक्षा में योगदान देने वाले अपने पूर्व कर्मचारियों के कल्याण के प्रति कंपनी की दृढ़ प्रतिबद्धता को भी पुन: रेखांकित करता है। एक महत्वपूर्ण सामाजिक सुरक्षा पहल के तहत, कोल माइंस पेंशन योजना के अंतर्गत न्यूनतम मासिक पेंशन को 8 मार्च 2024 से बढ़ाकर 1,000 कर दिया गया है, जिससे लगभग 40,000 पेंशनभोगियों को लाभ मिला है। इस निर्णय से सेवानिवृत्त खनिकों तथा उनके परिवारों को अतिरिक्त वित्तीय संबल प्राप्त हुआ है। सीआईएल ने कोल माइंस प्रोविडेंट फंड संगठन के सहयोग से सी-केयर्स प्लेटफॉर्म के माध्यम से पेंशन प्रशासन के डिजिटलीकरण को भी गति दी है। इसके परिणामस्वरूप सेवानिवृत्ति संबंधी दावों के निपटान की औसत अवधि 30 दिनों से घटकर मात्र 10 दिन रह गई है। इसके अतिरिक्त, पेंशन संशोधन तथा संशोधित पेंशन भुगतान आदेश (पीपीओ) को ऑनलाइन जारी करने हेतु नए डिजिटल मॉड्यूल विकसित किए जा रहे हैं, जिससे पेंशन से जुड़ी पूरी प्रक्रिया को निर्बाध एवं पूर्णत: पेपरलेस बनाया जा सकेगा। सेवानिवृत्त कर्मचारियों को सहज एवं परेशानी-मुक्त अनुभव सुनिश्चित करने

के लिए सी-केयर्स पोर्टल के माध्यम से सेवानिवृत्ति के दिन ही पीपीओ जारी करने तथा कोल माइंस प्रोविडेंट फंड देयों के निपटान की व्यवस्था की गई है, जबकि ग्रेच्युटी का भुगतान वैधानिक प्रावधानों के अनुरूप किया जाता है। संशोधित पीपीओ की व्यवस्था के तहत पात्र जीवनसाथी का विवरण भी शामिल किया जाता है, जिससे पेंशन वितरण करने वाले बैंक, सीएमपीएफओ से पृथक अनुमोदन प्राप्त किए बिना, सामान्य पारिवारिक पेंशन मामलों का शीघ्र निपटान कर सकते हैं। कोल इंडिया ने अपने मुख्यालय एवं सभी अनुषंगी कंपनियों में समर्पित पोस्ट रिटायरमेंट बेनिफिट (पीआरबी) सेल स्थापित किए हैं, जो सेवानिवृत्त कर्मचारियों के लिए सभी आवश्यक सेवाओं एवं सहायता हेतु एकल संपर्क केंद्र के रूप में कार्य कर रहे हैं। स्वास्थ्य सेवाएं सीआईएल की सेवानिवृत्ति उपरांत कल्याण व्यवस्था का एक महत्वपूर्ण आधार हैं। अंशदायी सेवानिवृत्ति उपरांत चिकित्सा योजना के अंतर्गत पंजीकृत लगभग 1.13 लाख सेवानिवृत्त कर्मचारियों को देशभर के 532 सूचीबद्ध अस्पतालों में कैशलेस उपचार की सुविधा उपलब्ध है। इस योजना के अंतर्गत सेवानिवृत्त अधिकारियों के लिए 25 लाख तथा सेवानिवृत्त गैर-अधिकारियों के लिए 8 लाख तक का चिकित्सा कवरेज प्रदान किया जाता है।

भाजयुमो बिलासपुर मध्य मंडल के प्रभारी बनाए गए महर्षि बाजपेयी...

बिलासपुर। भारतीय जनता युवा मोर्चा ने संगठन को और अधिक सशक्त एवं सक्रिय बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण जिम्मेदारियों का निर्धारण किया है। इसी क्रम में भारतीय जनता युवा मोर्चा बिलासपुर शहर के जिला उपाध्यक्ष महर्षि बाजपेयी को भाजयुमो बिलासपुर मध्य मंडल का प्रभारी नियुक्त किया गया है। उनकी नियुक्ति से कार्यकर्ताओं में उत्साह का माहौल है। महर्षि बाजपेयी लंबे समय से भारतीय जनता पार्टी एवं भारतीय जनता युवा मोर्चा के सक्रिय और समर्पित कार्यकर्ता के रूप में संगठन की विभिन्न गतिविधियों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते रहे हैं। एवं उन्हें बिलासपुर विधायक अमर अग्रवाल का करीबी माना जाता है, महर्षि की संगठनात्मक कार्यक्रमों, सामाजिक अभियानों तथा युवाओं के बीच

सक्रिय उपस्थिति को देखते हुए पार्टी नेतृत्व ने उन पर यह महत्वपूर्ण दायित्व सौंपा है। नियुक्ति के बाद महर्षि बाजपेयी ने बिलासपुर विधायक श्री अमर अग्रवाल जी, भाजपा जिलाध्यक्ष श्री दीपक सिंह जी, भाजपा जिला कोषाध्यक्ष श्री गुलशन ऋषि जी, भाजयुमो जिलाध्यक्ष श्री वैभव गुप्ता जी सहित प्रदेश एवं जिला संगठन तथा भारतीय जनता युवा मोर्चा के वरिष्ठ पदाधिकारियों के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि संगठन ने जिस विश्वास के साथ उन्हें यह जिम्मेदारी सौंपी है, उसका वे पूरी निष्ठा, ईमानदारी और समर्पण के साथ निर्वहन करेंगे। उन्होंने कहा कि मध्य मंडल में संगठन को बूथ स्तर तक और अधिक मजबूत बनाने, अधिकाधिक युवाओं को संगठन से जोड़ने तथा पार्टी की विचारधारा एवं केंद्र एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने के लिए निरंतर कार्य किया जाएगा। महर्षि बाजपेयी की नियुक्ति पर भारतीय जनता पार्टी एवं भारतीय जनता युवा मोर्चा के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उन्हें शुभकामनाएं दीं। सभी ने विश्वास जताया कि उनके नेतृत्व में बिलासपुर मध्य मंडल में युवा मोर्चा का संगठन और अधिक सक्रिय, मजबूत एवं प्रभावी होगा।

कन्या स्कूल में बालिका क्रिकेट प्रशिक्षण शिविर प्रारंभ हुआ.....

- बालिका शिक्षा के साथ बालिका क्रिकेट को बढ़ावा देने की पहल

अंबिकापुर। शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, अंबिकापुर के प्रांगण में बालिकाओं हेतु क्रिकेट प्रशिक्षण शिविर का शुभारंभ किया गया। सरगुजा जिले में बालिकाओं के बीच क्रिकेट खेल के प्रति रुचि एवं सहभागिता बढ़ाने के उद्देश्य से इस प्रशिक्षण कार्यक्रम की शुरुआत की गई है। प्रशिक्षण शिविर के शुभारंभ अवसर पर गुरु नानक वार्ड के पार्षद शैलेश कुमार सिंह , संस्था की प्राचार्या श्रीमती अपर्णा दुबे तथा स्कूल गेम्स क्रिकेट कोच शौभिक दासगुप्ता उपस्थित रहे। इस

अवसर पर संस्था के व्यायाम शिक्षक एवं राष्ट्रीय कोच श्री राजेश प्रताप सिंह ने बताया कि शैक्षणिक सत्र 2026ङ्क27 में शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, अंबिकापुर में क्रिकेट खेल को विशेष रूप से प्रोत्साहित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि सरगुजा जिले को एक सशक्त बालिका क्रिकेट टीम प्रदान करने के उद्देश्य से निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने यह भी बताया कि इस अभियान को सफल बनाने के लिए संस्था की प्राचार्या सहित समस्त शिक्षकगण पूर्ण सहयोग प्रदान करेंगे। बालिका क्रिकेट टीम का नियमित अभ्यास एवं प्रशिक्षण संस्था के शैलेन्द्र कस्तूरिया, मंसूर आलम, हुलेश साहू एवं श्रीमती कविता बंसल की7 देखरेख में संचालित किया जाएगा। विद्यालय परिवार ने विश्वास व्यक्त किया कि यह पहल बालिकाओं में खेल भावना, आत्मविश्वास एवं नेतृत्व क्षमता के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी तथा भविष्य में जिले को प्रतिभाशाली महिला क्रिकेट खिलाड़ी प्राप्त होंगी।

आंगनबाड़ी केंद्र बना नन्हें कदमों की पहली पाठशाला स्वागत चार्ट से बढ़ रहा आत्मविश्वास

- गीत-खेलों से सीख रहे बच्चे पौष्टिक आहार से मिल रहा बेहतर पोषण संवर रहा बच्चों का भविष्य

बलरामपुर। बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की मजबूत नींव उनके शुरुआती वर्षों में ही रखी जाती है। इसी सोच को साकार करते हुए राज्य शासन की मंशा के अनुरूप महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा संचालित समेकित बाल विकास सेवा के अंतर्गत जिले के आंगनबाड़ी केंद्रों में बच्चों के समग्र विकास, गुणवत्तापूर्ण प्रारंभिक शिक्षा और बेहतर पोषण के लिए नवाचार आधारित गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। इन्हीं

प्रयासों का उदाहरण स्कूल पारा भानौरा स्थित आंगनबाड़ी केंद्र है, जो नन्हे बच्चों के लिए सीखने, खेलने और संस्कारों की पहली पाठशाला बनकर उभरा है। इस केंद्र की सबसे विशेष पहल स्वागत चार्ट है। केंद्र में प्रवेश करने वाला प्रत्येक बच्चा अपनी पसंद के अनुसार चार्ट पर बने चित्रों में से किसी एक का चयन करता है। इसमें गले मिलना, मुट्ठी मिलाना, ताली देना, कोहनी मिलाना, हाथ मिलाना और नमस्ते जैसे स्वागत के विकल्प शामिल हैं। बच्चा जिस तरीके का चयन करता है, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता उसी प्रकार उसका आत्मीय स्वागत करती हैं। इस अनूठी पहल से बच्चों का संकोच दूर होता है, आत्मविश्वास बढ़ता है और वे मुस्कुराते हुए शिक्षण गतिविधियों में शामिल होते हैं। साथ ही उनमें सामाजिक व्यवहार, संवाद कौशल और सकारात्मक भावनाओं का भी विकास हो रहा है। केंद्र में प्रतिदिन प्रार्थना, स्वागत गीत, समूह गतिविधियां, शैक्षणिक खेल और रचनात्मक अभ्यास आयोजित किए जाते हैं। बच्चों को गीत, कविता, लय, खेल और मनोरंजक गतिविधियों के माध्यम से अक्षर ज्ञान, अंक ज्ञान, रंगों की पहचान, चित्रों के माध्यम से वस्तुओं की पहचान तथा व्यवहारिक शिक्षा रोचक ढंग से सिखाई जाती है। इससे बच्चे सहजता से नई बातें सीख रहे हैं और उनका मानसिक, भाषाई, सामाजिक तथा बौद्धिक विकास तेजी से हो रहा है। साथ ही उनमें अनुशासन, आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता और मिल-जुलकर कार्य करने की भावना भी विकसित हो रही है, जिससे वे विद्यालय में प्रवेश के लिए बेहतर ढंग से तैयार हो रहे हैं।

नाबालिगों में सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता उत्पन्न करने हेतु प्रतिदिन जागरूकता कार्यक्रम किया जा रहा आयोजित

- पुलिस टीम द्वारा रेल्वे स्टेशन स्थित शासकीय स्कूल में पहुंचकर छात्र छात्राओं कों किया गया जागरूक।

अंबिकापुर। शासन के निर्देशानुसार डीआईजी एवं एसएसपी सरगुजा श्री राजेश अग्रवाल (भा.पु.से.) के दिशा निर्देशन में यातायात पुलिस टीम द्वारा विभिन्न शिक्षण संस्थानों में नाबालिगों द्वारा वाहन चलाने (अंडरएज ड्राइविंग) के खिलाफ विशेष जागरूकता अभियान की शुरूवात की गई है। इस अभियान का प्रमुख उद्देश्य सड़कों पर सुरक्षा सुनिश्चित करना और नाबालिगों को दुर्घटनाओं से बचाना है। अभियान के दौरान यातायात पुलिस टीम द्वारा रेल्वे स्टेशन अंबिकापुर के पास स्थित शासकीय स्कूल में पहुंचकर छात्र छात्राओं कों एकत्रित कर जागरूक किया गया, छात्र छात्राओं को अभियान का उद्देश्य बताकर यातायात के नियमो का पालन करने की समझाईस दी गई हैं। इसी क्रम में जिले के समस्त विद्यालयों के प्राचार्य एवं प्रधान पाठकों को भी निर्देशित किया गया कि बिना वैध ड्राइविंग लाइसेंस छात्र-छात्राओं को दोपहिया वाहन से विद्यालय आने की अनुमति न दें। यदि कोई छात्र-छात्रा इस प्रकार वाहन चलाते हुए स्कूल आते जाते हुए पाया जाता है तो उन्हें समझाईस देवे, उक्त अभियान का सरगुजा पुलिस द्वारा व्यापक प्रचार प्रसार किया जा रहा हैं, प्रतिदिन जागरूकता कार्यक्रम विभिन्न स्कूल में आयोजित कर छात्र छात्राओं कों एवं व्यापक प्रचार प्रसार के जरिये परिजनों कों लगातार समझाईस देने का प्रयास किया जा रहा हैं। जागरूकता कार्यक्रम के दौरान छात्र छात्राओं कों स्कूल के अधिकृत वाहन अथवा परिजनों के साथ स्कूल आने जाने की समझाईस दी गई। सरगुजा पुलिस सभी अभिभावकों से अपील करती है कि वे यातायात के नियमो का पालन करें और अपने नाबालिग बच्चों को किसी भी परिस्थिति में वाहन चलाने हेतु न दें। यह अभियान आगामी दिनों में भी लगातार जारी रहेगा।

अमलाई-बुढ़ार के बीच रोड ओवर ब्रिज-66 के रेलवे हिस्से का स्टील गर्डर सफलतापूर्वक लॉन्च

- 1000 टन क्षमता वाली आधुनिक क्रॉलर क्रेन से दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में पहली बार ओपन वेब स्टील गर्डर की लॉन्चिंग

बिलासपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे ने आधारभूत संरचना विकास की दिशा में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल करते हुए अमलाई-बुढ़ार के मध्य निर्माणाधीन रोड ओवर ब्रिज-66 के रेलवे हिस्से का सबसे महत्वपूर्ण कार्य सफलतापूर्वक पूर्ण कर लिया है। रविवार, 02 अगस्त 2026 को लगभग 500 टन वजनी ओपन वेब स्टील गर्डर को 1000 टन क्षमता वाली अत्याधुनिक क्रॉलर क्रेन की सहायता से एक ही बार में उठाकर रेलवे ट्रैक के दोनों ओर निर्मित पियरों पर सफलतापूर्वक स्थापित (लॉन्च) किया गया। यह दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के इतिहास में महत्वपूर्ण उपलब्धि है, जिसमें 1000 टन क्षमता वाली क्रॉलर क्रेन के माध्यम से ओपन वेब स्टील गर्डर को आधुनिक तकनीक से लॉन्च किया गया। यह अत्याधुनिक क्रेन भारी-भरकम संरचनाओं को उठाकर निर्धारित स्थान पर अत्यधिक सटीकता एवं संरक्षा के साथ स्थापित करने में सक्षम है। इस चुनौतीपूर्ण कार्य के लिए रेलवे प्रशासन द्वारा तीन घंटे का ट्रैफिक एवं पावर ब्लॉक प्रदान किया गया। इस अवधि में रेल परिचालन अस्थायी रूप से नियंत्रित रखा गया तथा संरक्षा की दृष्टि से ओवरहेड ट्रैक्शन (ओएचई) की विद्युत आपूर्ति बंद की गई। निर्धारित समय-सीमा के भीतर सभी तकनीकी एवं

संरक्षा मानकों का पूर्णत: पालन करते हुए गर्डर लॉन्चिंग का कार्य सफलतापूर्वक संपन्न किया गया। इस परियोजना का क्रियान्वयन गतिशक्ति यूनिट, बिलासपुर द्वारा किया जा रहा है। गर्डर लॉन्चिंग के दौरान चीफ प्रोजेक्ट मैनेजर, डिप्टी चीफ इंजीनियर एवं सहायक मंडल अभियंता (गतिशक्ति) की उपस्थिति में कार्य का सफलतापूर्वक निष्पादन किया गया। उल्लेखनीय है कि रेलवे हिस्से के निर्माण कार्य की शुरुआत अक्टूबर 2024 में हुई थी। स्टील गर्डर स्थापित होने के बाद अब इसके ऊपर कंक्रीट स्लैब एवं सड़क निर्माण का कार्य लगभग दो माह में पूरा किए जाने का लक्ष्य है। इसके उपरांत अगले लगभग तीन माह में इस बहुप्रतीक्षित आरओबी पर सड़क यातायात प्रारंभ होने की संभावना है। आरओबी-66 के चालू होने से अमलाई एवं बुढ़ार के बीच आवागमन अधिक संरक्षित, तेज एवं सुगम होगा। साथ ही रेलवे फाटक पर लगने वाले जाम से लोगों को राहत मिलेगी, क्षेत्र के सामाजिक एवं आर्थिक विकास को नई गति मिलेगी। यह परियोजना दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे की संरक्षित, आधुनिक एवं यात्री-केंद्रित अवसंरचना विकसित करने की प्रतिबद्धता का एक महत्वपूर्ण उदाहरण है।

श्रावण माह में शिवलिंग पूजन का विशेष महत्व

सनातन धर्म में श्रावण/ सावन मास भगवान शिव की आराधना के लिए सबसे पवित्र महीनों में से एक माना जाता है। इस पूरे महीने शिव भक्त जलाभिषेक, रुद्राभिषेक, महामृत्युंजय मंत्र का जाप और व्रत-उपवास करके भगवान भोलेनाथ की कृपा प्राप्त करने का प्रयास करते हैं। इन्हीं विशेष पूजन विधियों में पार्थिव शिवलिंग पूजन का अत्यंत महत्वपूर्ण स्थान है। हिन्दू धर्म में 'पार्थिव' शब्द का अर्थ पृथ्वी (मिट्टी) से है अर्थात् शुद्ध मिट्टी से बनाए गए शिवलिंग की विधिपूर्वक पूजा करना पार्थिव शिवलिंग पूजन कहलाता है। शिव पुराण सहित अनेक धार्मिक ग्रंथों में पार्थिव शिवलिंग की पूजा को अत्यंत पुण्यदायी बताया गया है। मान्यता है कि सावन में इस पूजन को करने से भगवान शिव शीघ्र प्रसन्न होते हैं और साधक की मनोकामनाएं पूर्ण करते हैं। श्रावण मास में पार्थिव शिवलिंग पूजन क्यों किया जाता है? जानें इसका धार्मिक महत्व, सही विधि और लाभ

शिव पुराण की 'कोटिरुद्र संहिता' में कहा गया है कि: 'कोटि यज्ञ समं पुण्यं पार्थिवार्चन मात्रत:' अर्थात् कोटि/ करोड़ों यज्ञों से जो पुण्य प्राप्त होता है, वह केवल पार्थिव शिवलिंग के पूजन से सुलभ हो जाता है।

अकाल मृत्यु से रक्षा और आरोग्य

शास्त्रों के अनुसार, पार्थिव शिवलिंग का पूजन करने से व्यक्ति को अकाल मृत्यु का भय नहीं रहता और गंभीर रोगों से मुक्ति मिलती है।

मनोकामना पूर्ति

कहा जाता है कि कलयुग में पार्थिव पूजन सबसे शीघ्र फल देने वाली पूजा है। जो फल कठिन तपस्या से प्राप्त होता है, वही फल सावन में पार्थिव शिवलिंग की श्रद्धापूर्वक पूजा से मिल जाता है।

दुखों और पापों का नाश

शिवपुराण के अनुसार, मिट्टी के शिवलिंग बनाकर उनका पूजन करने से कई जन्मों के पाप नष्ट हो जाते हैं और घर में सुख-समृद्धि का वास होता है।

पंचतत्वों का संतुलन

मिट्टी/ पृथ्वी तत्व से बने शिवलिंग का जल, वायु, अग्नि और आकाश के सानिध्य में पूजन करने से शरीर और वातावरण में पंचतत्वों का संतुलन बनता है।

पार्थिव शिवलिंग बनाने और पूजन की सही विधि

पवित्र मिट्टी का चयन : पार्थिव शिवलिंग मिट्टी, गाय के गोबर और भस्म आदि मिश्रण से विशेष होते हैं। किसी पवित्र नदी, तालाब, बेलपत्र के वृक्ष की जड़ या पीपल के पेड़ के नीचे की साफ मिट्टी लें।

निर्माण प्रक्रिया : मिट्टी में थोड़ा सा गंगाजल, दूध, गोबर और भस्म मिलाकर शिवलिंग का रूप दें।

प्राण प्रतिष्ठा व पूजन : शिवलिंग बनाने के बाद उन्हें एक साफ कांसे या पीतल की थाली में स्थापित करें। इसके बाद जल, दूध, बेलपत्र, धतूरा, भांग, चंदन और अक्षत से पूजन करें।

विसर्जन : पूजन और आरती समाप्त होने के बाद पार्थिव शिवलिंग को किसी पवित्र नदी, जलकुंड या अपने घर में ही किसी गमले के जल में श्रद्धापूर्वक विसर्जित कर दिया जाता है।

सावन में भूलकर भी न खाएं ये चीजें

सावन का महीना भगवान शिव की आराधना के लिए सबसे पवित्र माना जाता है। वर्ष 2026 में सावन की शुरुआत 30 जुलाई 2026 से शुरु है। इस पूरे महीने में श्रद्धालु व्रत, पूजा-पाठ, रुद्राभिषेक और शिव मंत्रों का जाप करते हैं।धार्मिक मान्यता है कि इस दौरान सात्विक जीवनशैली अपनाने से मन और शरीर दोनों शुद्ध रहते हैं तथा भगवान शिव की विशेष कृपा प्राप्त होती है। इसलिए सावन में कुछ खाद्य पदार्थों से परहेज करने की परंपरा भी है।

मांस, मछली और अंडे से करें दूरी

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार सावन में मांसाहार का सेवन नहीं करना चाहिए। यह महीना तप, संयम और अहिंसा का प्रतीक माना जाता है। भगवान शिव को सात्विकता प्रिय है, इसलिए इस दौरान मांस, मछली और अंडे का त्याग करने से पूजा का पूर्ण फल मिलने की मान्यता है।

प्याज और लहसुन से भी बचें

सावन में कई लोग प्याज और लहसुन का सेवन भी नहीं करते। धार्मिक दृष्टि से इन्हें तामसिक भोजन माना जाता है, जो मन में आलस्य, क्रोध और नकारात्मक विचारों को बढ़ा सकता है। शिव भक्ति के समय सात्विक भोजन ग्रहण करना अधिक शुभ माना गया है।

शराब और नशे का सेवन है वर्जित

सावन में शराब, तंबाकू और अन्य नशीले पदार्थों से दूर रहने की सलाह दी जाती है। धार्मिक मान्यता है कि नशा व्यक्ति की एकाग्रता और आत्मसंयम को प्रभावित करता है। भगवान शिव की आराधना के दौरान शुद्ध मन और पवित्र आचरण का विशेष महत्व बताया गया है।

अधिक तला-भुना और बासी भोजन न करें

धार्मिक परंपरा के अनुसार सावन में ताजा, हल्का और सात्विक भोजन करना श्रेष्ठ माना जाता है। बासी भोजन तथा अत्यधिक तला-भुना भोजन शरीर में भारीपन और आलस्य बढ़ा सकता है, जिससे पूजा-पाठ और साधना में मन कम लगता है।

सात्विक भोजन से बढ़ती है सकारात्मक ऊर्जा

सावन में फल, दूध, दही, मौसमी सब्जियां, साबूदाना, सिंघाड़े का आटा, कुट्टू, मखाना और सूखे मेवे जैसे सात्विक खाद्य पदार्थों का सेवन शुभ माना जाता है। धार्मिक मान्यता है कि ऐसा भोजन मन को शांत रखता है और भगवान शिव की उपासना में एकाग्रता बढ़ाने में सहायक होता है।

धार्मिक मान्यता

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार सावन में खानपान में संयम रखना केवल एक परंपरा नहीं, बल्कि आत्मअनुशासन और आध्यात्मिक साधना का हिस्सा भी माना जाता है। सात्विक भोजन, नियमित पूजा और शिव नाम का स्मरण करने से जीवन में सकारात्मकता, मानसिक शांति और सुख-समृद्धि आने की मान्यता है। हालांकि, ये मान्यताएं आस्था पर आधारित हैं और इनका पालन व्यक्ति अपनी श्रद्धा एवं परंपरा के अनुसार कर सकता है।

ब्लैक जींस धोते समय कुछ आसान बातों का रखें ध्यान

ब्लैक जींस लगभग हर किसी के वॉर्डरोब का हिस्सा होती है। ऑफिस जाना हो, कॉलेज हो या दोस्तों के साथ बाहर घूमना, ब्लैक जींस हर मौके पर स्टाइलिश लुक देती है। लेकिन कई लोगों की शिकायत होती है कि कुछ बार धोने के बाद इसका गहरा काला रंग फीका पड़ने लगता है। ऐसे में जींस पुरानी और बेजान दिखने लगती है। अगर आप चाहते हैं कि आपकी पसंदीदा ब्लैक जींस लंबे समय तक नई जैसी दिखे, तो धोते समय कुछ आसान बातों का ध्यान रखें।

जींस को उल्टा करके धोएं

ब्लैक जींस धोने से पहले उसे हमेशा उल्टा कर लें। ऐसा करने से कपड़े का बाहरी हिस्सा कम रगड़ खाता है और रंग जल्दी नहीं उड़ता। यह छोटी-सी आदत जींस की चमक लंबे समय तक बनाए रखने में मदद करती है।

ठंडे पानी का इस्तेमाल करें

गर्म पानी में कपड़े धोने से डार्क रंग जल्दी फीके पड़ सकते हैं। इसलिए ब्लैक जींस को हमेशा ठंडे पानी से धोना बेहतर माना जाता है। इससे कपड़े का रंग और फैब्रिक दोनों सुरक्षित रहते हैं।

बार-बार धोने से बचें

हर बार पहनने के बाद जींस धोना जरूरी नहीं होता। जरूरत से ज्यादा वॉश करने से रंग जल्दी हल्का पड़ सकता है। अगर हल्का दाग हो, तो सिर्फ उसी हिस्से को साफ करें। पूरी जींस तभी धोएं, जब वास्तव में जरूरत हो।

हाथों से धोना है बेहतर

अगर संभव हो, तो ब्लैक जींस को हाथों से धोएं। इससे कपड़े पर कम दबाव पड़ता है और रंग लंबे समय तक बना रहता है। अगर वॉशिंग मशीन का इस्तेमाल करना पड़े, तो हमेशा जेंटल या डेलिकेट मोड चुनें।

छांव में सुखाएं

ब्लैक जींस को तेज धूप में सुखाने से उसका रंग जल्दी फीका पड़ सकता है। इसलिए इसे हमेशा उल्टा करके छांव या हवादार जगह पर सुखाएं। साथ ही, डार्क कपड़ों के लिए बने लिक्विड डिटर्जेंट का इस्तेमाल करना भी अच्छा विकल्प हो सकता है।इन आसान वॉशिंग टिप्स को अपनाकर आप अपनी ब्लैक जींस का रंग लंबे समय तक बरकरार रख सकते हैं। थोड़ी-सी सावधानी आपकी पसंदीदा जींस को लंबे समय तक नई जैसी बनाए रखने में मदद करेगी।

आज का राशिफल

मेष राशि - आज का दिन मेष राशि वालों के लिए नई संभावनाओं के द्वार खोलेगा। ग्रहों की स्थिति आपके आत्मविश्वास को बढ़ाने में मदद करेगी, इसलिए अपनी क्षमताओं पर भरोसा रखें। कार्यस्थल पर सहकर्मियों के साथ सहयोग मजबूत होगा, जिससे आप मुश्किलों का आसानी से सामना कर पाएँगे। शारीरिक रूप से सक्रिय रहकर आप अपने मन को भी तरोताजा रख पाएँगे।

वृषभ राशि - वृषभ राशि वालों के लिए बहुत सकारात्मक रहेगा। आज का दिन आपके लिए नई ऊर्जा और उत्साह लेकर आएगा। आप अपने काम पर केंद्रित रहेंगे और आपके प्रयास रंग लाएँगे। परिवार के सदस्यों के साथ समय बिताने से आपको खुशी और सुकून मिलेगा। स्वास्थ्य की दृष्टि से, मानसिक तनाव से बचने के लिए ध्यान और योग करने का प्रयास करें।

मिथुन राशि - नई संभावनाओं और सकारात्मक ऊर्जा से भरपूर रहेगा। आपमें मौजूदा चुनौतियों का सामना करने का अद्भुत साहस और दृढ़ता होगी। आप अपने विचारों को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर पाएँगे, जिससे आपके आस-पास के लोग आपकी ओर आकर्षित होंगे। सामाजिक गतिविधियों में उत्साहपूर्वक भाग लें, क्योंकि आज आपके आस-पास के लोगों के साथ आपके संबंध मज़बूत होंगे। किसी मित्र या जीवनसाथी की सलाह लेने से आपको सही दिशा में आगे बढ़ने में मदद मिलेगी

कर्क राशि - आज का दिन नई ऊर्जा और सकारात्मकता लेकर आएगा। आपका आत्मविश्वास बढ़ेगा, जो आपको कई चुनौतियों का सामना करने के लिए प्रेरित करेगा। परिवार के साथ रिश्ते मज़बूत होंगे और आप उनकी मदद के लिए तत्पर रहेंगे। याद रखें, समय का सदुपयोग करें और अपनों के साथ समय बिताने की कोशिश करें। इस सकारात्मक ऊर्जा का लाभ उठाएँ और आगे बढ़ें, और अपने सपनों की ओर बढ़ें।

सिंह राशि - सिंह राशि वालों के विचारों और रचनात्मकता की आज सराहना होगी, इसलिए अपनी प्रतिभा का भरपूर प्रदर्शन करने का प्रयास करें। कार्यक्षेत्र में आपको चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों का सामना करने का अवसर मिलेगा, लेकिन आप अपनी नेतृत्व क्षमता से सभी कठिनाइयों का सामना करने में सक्षम होंगे। आज आपकी रचनात्मकता चरम पर रहेगी, इसलिए कोई नया प्रोजेक्ट या शौक शुरू करना एक अच्छा विचार हो सकता है।

कन्या राशि - आप अपने काम में नई ऊर्जा और उत्साह महसूस करेंगे। अपनी योजनाओं को सफल बनाने पर ध्यान केंद्रित करना जरूरी है। परिवार के सदस्यों के साथ संवाद बढ़ाने का यह सही समय है, जिससे आपसी संबंध मज़बूत होंगे। कुल मिलाकर, आज का दिन आपके लिए एक संतोषजनक और रचनात्मक दिन होगा। जितना हो सके अपने लक्ष्यों पर ध्यान केंद्रित करें और अपने प्रयास जारी रखें।

तुला राशि- आज का दिन सकारात्मक ऊर्जा से भरपूर है। आप खुद को बेहद संवेदनशील और गंभीर महसूस करेंगे। आज आपकी सामाजिक और बातचीत करने की क्षमता निखर कर सामने आएगी, जिससे आप नए रिश्ते बनाने और पुराने रिश्तों को मज़बूत करने में सफल होंगे। कार्यस्थल पर भी स्थिति आपके अनुकूल रहेगी। अपनी राशि के अन्य लोगों से सलाह लेने में संकोच न करें।

वृश्चिक राशि – आज का दिन नई चुनौतियां और अवसर लेकर आएगा। आपकी दृढ़ता और अनुशासन आपको किसी भी कठिनाई से उबरने में मदद करेगा। सामाजिक मेलजोल में सावधानी बरतें, क्योंकि कुछ गलतफहमियाँ हो सकती हैं। व्यक्तिगत संबंधों में गहराई से जुड़ने का समय है। अपने तन और मन को आराम देने के लिए कुछ समय निकालें। आज आपका दिन स्वास्थ्य और उत्साह से भरा रहे, इसलिए सकारात्मकता के साथ आगे बढ़ें और अपने सपनों की दिशा में कदम बढ़ाने में संकोच न करें।

धनु राशि- धनु राशि वालों की रचनात्मकता और जिज्ञासा आज एक नई दिशा में ले जा सकती है। सामाजिक जीवन में कई नई मुलाकातें हो सकती हैं, जो भविष्य में आपके लिए महत्वपूर्ण साबित हो सकती हैं। प्रेम और रिश्तों के मामले में, विश्वास और संवाद को प्राथमिकता दें। स्वास्थ्य के लिहाज़ से, नियमित व्यायाम और संतुलित आहार पर ध्यान दें। इससे आप ऊर्जावान बने रहेंगे। कुल मिलाकर, आज का दिन आपके लिए नई चुनौतियों और अवसर लेकर आएगा, जिनका आपको साहस के साथ सामना करना चाहिए।

मकर राशि - कार्यस्थल पर सहकर्मियों के साथ संबंध और भी मजबूत होंगे, और आप अपने विचार खुलकर साझा करेंगे। आर्थिक क्षेत्र में सावधानी बरतें। किसी भी तरह का निवेश करने से पहले सभी पहलुओं पर विचार करें। थोड़ा व्यायाम और संतुलित आहार आपके शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाएगा। शाम को कुछ समय आराम करने में बिताएँ।

कुंभ राशि- कुंभ राशि वालों के लिए बहुत सकारात्मक रहने वाला है। आपकी रचनात्मकता और नवीन विचार आज सभी का ध्यान आकर्षित करेंगे। अगर आप किसी नए प्रोजेक्ट पर काम कर रहे हैं, तो अपने विचार साझा करने का यह अच्छा समय है। आज आपको निजी रिश्तों में भी सकारात्मक अनुभव प्राप्त होंगे। अपनी भावनाओं को खुलकर व्यक्त करने से आपके रिश्ते मजबूत होंगे।

मीन राशि- आंतरिक शांति और संतुलन का अनुभव करेंगे। आपकी कल्पनाशीलता और रचनात्मकता अपने चरम पर होगी। यह आपके लिए नए विचारों और परियोजनाओं को शुरू करने का समय है। अपनी भावनाओं के प्रति सचेत रहकर अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखें। आज अपने अंतर्मुखी स्वभाव को समझें और अपनी अंतरात्मा की आवाज़ सुनें।

सांवली स्किन पर सबसे ज्यादा खिलते हैं ये रंग

अगर आपकी स्किन टोन सांवली है और हर बार कपड़े खरीदते समय यही सोचकर रुक जाते हैं कि कौन सा रंग आप पर अच्छा लगेगा, तो अब टेंशन छोड़ दीजिए। सही कलर कॉम्बिनेशन आपके पूरे लुक को पलभर में निखार सकता है। अगर आप अपने आसपास देखेंगे, तो आपको यह समझ में आने लगेगा कि फैशन इंडस्ट्री से लेकर बॉलीवुड तक, कई डस्की स्किन टोन वालों ने अपना जलवा बिखेरा है। अगर आपकी स्किन टोन सांवली है, तो आपको यह भी समझना होगा कि जो असली स्केल है वह आपकी स्किन टोन का नहीं, बल्कि एक सही कलर कॉम्बिनेशन का है। अगर आप गलत शेड के कपड़े पहनते हैं तो आपका लुक फीका पड़ सकता है, लेकिन जब आप सही रंग के कपड़े पहन लेते हैं तो आपका चेहरा पलभर में ही निखर उठता है। अगर आपकी स्किन टोन सांवली है तो आज का यह आर्टिकल आपके लिए ही है।

सांवली स्किन पर बहुत ही प्यारा लगता है रॉयल ब्लू

रॉयल ब्लू एक ऐसा डीप और शाइनी ब्लू रंग है, जो सांवली स्किन पर बहुत ही ज्यादा प्यारा और रॉयल लगता है। यह रंग सांवली त्वचा के साथ एक बहुत ही खूबसूरत और बैलेंस कॉम्बिनेशन यानी कि कॉन्ट्रास्ट बनाता है, जिससे चेहरा अलग से ही निखर कर आता है। अगर आप किसी शादी, पार्टी, रिसेप्शन या फिर स्पेशल मौके पर जाने की तैयारी कर रहे हैं और इसके लिए कपड़े तलाश रहे हैं, तो बिना झिझक रॉयल ब्लू कलर की साड़ी, अनारकली सूट, इंडो-वेस्टर्न ड्रेस या गाउन चुन सकते हैं। यह रंग आपके पूरे लुक को तुरंत एक रिच, क्लासी और एलिगेंट टच दे सकता है।

सांवली स्किन टोन के लिए ही बना है मस्टर्ड येलो

अक्सर ऐसा होता है कि जिन लोगों की स्किन टोन सांवली होती है, वे पीले रंग के कपड़े पहनने से कतराते हैं। उन्हें ऐसा लगता है कि यह रंग उनपर अच्छा ही नहीं लगेगा। अगर आपको भी ऐसा ही लगता है, तो बता दें कि सरसों जैसा पीला यानी मस्टर्ड येलो कलर असल में सांवली स्किन टोन वालों के लिए ही बना है। जब आप आंखों में चुभने वाले ब्राइट पीले रंग की जगह पर मस्टर्ड या फिर डीप येलो कलर के कपड़े पहनते हैं, तो यह आपकी स्किन के नेचुरल वॉर्म टोन को उभारने में मदद करता है। अगर हल्दी का फंक्शन हो, पूजा-पाठ हो या फिर दोस्तों के साथ कैजुअल आउटिंग करनी हो, तो मस्टर्ड कलर का कुर्ता या टॉप एक परफेक्ट और ट्रेंडी चॉइस बन सकता है।

खूबसूरत और सोबर दिखना है तो एमराल्ड ग्रीन

डीप ग्रीन यानी कि एमराल्ड ग्रीन एक ऐसा क्लासिक रंग है, जो आपकी सांवली स्किन पर बहुत ही ज्यादा खूबसूरत और सोबर लगता है। यह रंग बहुत ज्यादा चमकीला या भड़काऊ नहीं होता, इसलिए यह डस्की स्किन के साथ बहुत ही आसानी से सेट हो जाता है। इस रंग के वेस्टर्न गाउन, शॉर्ट ड्रेसेस या फिर इंडियन एथनिक कुर्ते आप पर बेहद जंचेंगे। अगर आप इसके साथ लाइट गोल्डन या कॉपर फिनिश वाली ज्वेलरी पहनें, तो आपका लुक सिंपल से सीधा प्रीमियम और रॉयल लगने लगेगा।

चलते फिरते पैर और तलवे में तेज दर्द क्यों होता है?

कई बार वॉक के दौरान, चलते फिरते या उठते ही तलवे में तेज दर्द होने लगता है। हड्डियों के सिरों में होने वाला दर्द असहनीय हो सकता है और इससे आपके रोज के काम भी प्रभावित हो सकते हैं। पैर के तलवे में दर्द को अक्सर मेटाटार्सलजिया कहा जाता है। आज हम आपको कुछ ऐसे कारण बता रहे हैं जिससे पैर के तलवों में तेज दर्द होने लगता है। आइये जानते हैं तलवे में दर्द क्यों होता है और इससे कैसे राहत पा सकते हैं।

अगर आप गलत फिटिंग के चप्पल जूते पहनते हैं तो इससे तलवे में दर्द हो सकता है। जो लोग ऊंची एड़ी के जूते, आगे से बहुत पतले या सख्त सोल वाले जूते पहनते हैं उन्हें पैर और तलवे में दर्द की समस्या ज्यादा होती है। अगर आप बहुत हाई इंटेंसिटी के साथ कोई फिजिकल एक्टिविटी करते हैं जैसे दौड़ना, खेलना या डांस करते हैं तो इससे तलवे में दर्द महसूस हो सकता है। कुछ लोगों के पैरों की बनावट थोड़ी अलग होती है। किसी के पैर चपटे होते हैं तो किसी की एड़ी ऊंची होती है। ऐसे लोगों में पैर और तलवे में दर्द की समस्या हो सकती है। अगर आपके पैर की उंगलियां थोड़ी अलग हैं। जैसे पैर की उंगलिया ज्यादा लंबी हैं तो वो जूते में आगे मुड़ने लगती हैं। कई बार अंगूठा दबने से उंगलियों और पैरों पर ज्यादा प्रेशर पड़ता है। जिन लोगों को गठिया है उन्हें पैरों पर सूजन की समस्या रहती है। यानि गाउट, रूमेटॉइड आर्थराइटिस जैसी समस्याओं में पैरों में दर्द होने लगता है। गाउट अचानक होता है, जिसमें त्वचा लाल हो जाती है और तेज दर्द होता है। रूमेटॉइड आर्थराइटिस की वजह से पैरों के अगले हिस्से में लगातार अकड़न और सुबह दर्द होता है। अगर आपका वजन ज्यादा है तो पैर में दर्द की समस्या हो सकती है।

मानसून में कंट्रोल हो सकती है पेट से जुड़ी समस्याएं

मानसून का मौसम भीषण गर्मी से राहत तो लाता है, लेकिन अपने साथ कई तरह की बीमारियां भी लेकर आता है। इस मौसम में हवा में नमी बढ़ने के कारण बैक्टीरिया और वायरस तेजी से पनपते हैं, जिसका सीधा असर हमारे पाचन तंत्र पर पड़ता है। अक्सर लोग इस मौसम में ब्लोटिंग, एसिडिटी, फूड पॉइजनिंग और अपच जैसी समस्याओं से परेशान रहते हैं। अगर आप भी मानसून में पेट की गड़बड़ी से जूझते हैं, तो आपको दवाओं के बजाय अपनी डाइट में थोड़ा सा बदलाव करके आप इन समस्याओं को आसानी से कंट्रोल कर सकते हैं। चलिए जानते हैं डाइट में कौन सा फूड्स शामिल करना चाहिए।

1. अदरक

अदरक में एंटी-इंफ्लेमेटरी और एंटी-बैक्टीरियल गुण होते हैं, जो पाचन क्रिया को दुरुस्त रखते हैं। मानसून में रोजाना अदरक की चाय या गुनगुने पानी में अदरक का रस मिलाकर पीने से पेट दर्द, गैस और मरोड़ जैसी समस्याओं में तुरंत आराम मिलता है।

2. दही और छाछ

पेट के लिए प्रोबायोटिक्स का सेवन बेहद जरूरी है। दही और छाछ में मौजूद गुड बैक्टीरिया आंतों को स्वस्थ रखते हैं और खाना को पचाने में मदद करते हैं। हालांकि, ध्यान रखें कि मानसून में रात के समय दही खाने से बचें। इसे दोपहर के वक्त अपनी डाइट में शामिल करें।

3. पुदीना

पुदीना अपनी ठंडक और औषधीय गुणों के लिए जाना जाता है। यह पेट की मांसपेशियों को आराम देता है और एसिडिटी व ब्लोटिंग को कम करता है। ऐसे में आप अपनी डाइट में पुदीने की चटनी, पुदीना पानी या इसे नींबू पानी में मिलाकर पी सकते हैं।

4. उबली और ग्रिल्ड सब्जियां

इस मौसम में कच्ची सब्जियां या सलाद खाने से बचना चाहिए, क्योंकि उनमें बैक्टीरिया होने का खतरा ज्यादा होता है। इसकी जगह लौकी, तोरई, कद्दू और टिंडा जैसी हल्की सब्जियों को अच्छी तरह धोकर, उबालकर या सूप के रूप में लें। ये पचाने में आसान होती हैं।

विद्यार्थियों को कौशल विकास, निरंतर सीखने और लक्ष्य प्राप्ति के लिए सतत प्रयास करने के लिए किया प्रेरित

केवल गिनती की पढ़ाई नही, कौशल विकास और सीखने की क्षमता भी जरूरी : वित्त मंत्री चौधरी

दुर्ग। रूंगटा इंटरनेशनल स्किल यूनिवर्सिटी भिलाई में आयोजित 'विद्यारंभ 2.0' कार्यक्रम में प्रदेश के वित्त मंत्री ओपी चौधरी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। कार्यक्रम में देश के 15 विभिन्न राज्यों से आए बच्चे एवं उनके अभिभावकों ने सहभागिता की। इस अवसर पर वित्त मंत्री चौधरी ने विद्यार्थियों को कौशल विकास, निरंतर सीखने और लक्ष्य प्राप्ति के लिए सतत प्रयास करने के लिए प्रेरित किया। वित्त मंत्री चौधरी ने अपने जीवन के संघर्षों और सफलता की यात्रा को विद्यार्थियों के साथ साझा करते हुए बताया कि विपरीत एवं कठिन परिस्थितियों के बावजूद उन्होंने कड़ी मेहनत और दृढ़ संकल्प के साथ आगे बढ़ते रहे। जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए स्पष्ट लक्ष्य निर्धारित करना और उसे प्राप्त करने के लिए निरंतर प्रयास करते रहना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि केवल गिनती की पढ़ाई करने से जीवन में आगे नहीं बढ़ा जा सकता। आज के बदलते समय में कौशल विकास, ज्ञान में निरंतर वृद्धि और सीखते रहने की क्षमता अत्यंत महत्वपूर्ण है। विद्यार्थियों को अपनी मेहनत, प्रतिभा और सीखने की क्षमता के बल पर आगे बढ़ना चाहिए तथा समय के अनुरूप स्वयं को तैयार करना चाहिए। नई तकनीक, नए विचार और नए कौशल को अपनाने की क्षमता व्यक्ति को प्रतिस्पर्धा के इस दौर में सफल बनाती है। वित्त मंत्री चौधरी ने कहा कि प्रत्येक विद्यार्थी के भीतर अपने लक्ष्य को प्राप्त करने का जुनून होना चाहिए। जब लक्ष्य स्पष्ट हो और उसे हासिल करने के लिए दृढ़ इच्छाशक्ति के साथ लगातार प्रयास किया जाए, तो दुनिया की कोई भी ताकत सफलता प्राप्त करने से नहीं रोक सकती। उन्होंने विद्यार्थियों को आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने और कभी भी स्वयं को कमजोर नहीं समझने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि जीवन में आने वाली परेशानियों और चुनौतियों से घबराने के बजाय उनका स्वागत करना चाहिए, क्योंकि कठिन परिस्थितियां व्यक्ति को मजबूत बनने और आगे बढ़ने का अवसर प्रदान करती हैं। मुश्किलों का डटकर सामना करने से ही व्यक्ति का व्यक्तित्व निखरता है और सफलता का मार्ग प्रशस्त होता है। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि जीवन में बड़ी-बड़ी चुनौतियां आएंगी, लेकिन धैर्य, परिश्रम, सकारात्मक सोच और निरंतर सीखने की प्रवृत्ति के साथ उनका सामना करना चाहिए। बदलते समय के साथ आगे बढ़ते हुए अपने कौशल का विकास करें, ज्ञान बढ़ाएं और जीवन में निरंतर सीखते रहें। इस अवसर पर प्रसिद्ध उद्यमी एवं कंटेंट क्रिएटर अंकुर वारिकू भी कार्यक्रम में शामिल हुए। उन्होंने अपने जीवन और करियर में आए विभिन्न बदलावों तथा उनसे प्राप्त अनुभवों को विद्यार्थियों के साथ साझा किया। अपनी बेबाक एवं पारदर्शी सोच तथा असफलताओं से सीख लेकर आगे बढ़ने के दृष्टिकोण के लिए पहचाने जाने वाले अकुर वारिकू ने अपने करियर में किए गए पांच प्रमुख बदलावों के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने अपने शुरुआती दिनों में एक स्टार्टअप की शुरुआत की। युवाओं एवं पेशेवरों को किफायती और उपयोगी जीवन-कौशल आधारित पाठ्यक्रम उपलब्ध कराने के उद्देश्य से वेबवेदा की शुरुआत की। उन्होंने विद्यार्थियों को अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि करियर में बदलाव और असफलताएं जीवन का हिस्सा हैं। बदलते समय के साथ निरंतर नया सीखते हुए आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ना चाहिए। इस अवसर पर संजय रूंगटा, संतोष रूंगटा, संजिव शुक्ला, चिन्मय चंद्राकर, वेणू गोपाल एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी और अभिभावक सहित रूंगटा यूनिवर्सिटी के प्राध्यापकगण उपस्थित थे।

जिले में पनीर एनालॉग एवं नकली दुग्ध उत्पादों के निर्माण, भंडारण व बिक्री पर तत्काल प्रभाव से प्रतिबंध

दुर्ग। सार्वजनिक स्वास्थ्य संरक्षण, उपभोक्ता हितों की रक्षा तथा खाद्य व्यापार में निष्पक्षता बनाए रखने के उद्देश्य से खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग द्वारा राज्य में पनीर एनालॉग तथा गैर-दूध खाद्य उत्पादों के निर्माण, भंडारण, परिवहन, वितरण एवं बिक्री पर तत्काल प्रभाव से पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया गया है। आयुक्त खाद्य सुरक्षा, छत्तीसगढ़ द्वारा खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 की धारा 18 एवं धारा 30 के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह आदेश जारी किया गया है। इसके अंतर्गत ऐसे किसी भी गैर-दूध उत्पाद जो असली पनीर, क्रीम, मक्खन या अन्य दुग्ध उत्पादों की नकल (इमिटेशन) करते हैं, उनके संपूर्ण चक्र पर रोक लगा दी गई है। खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग, जिला दुर्ग के अभिहित अधिकारी ने जानकारी देते हुए बताया कि जिले के समस्त खाद्य कारोबारकर्ताओं जैसे निर्माता फर्म, डेयरी फर्म, होटल, रेस्टोरेंट, थोक विक्रेता एवं फुटकर विक्रेताओं को निर्देशित किया गया है कि वे पनीर एनालॉग या नकली दुग्ध उत्पादों का निर्माण, भंडारण, परिवहन व विक्रय तुरंत बंद करना सुनिश्चित करें। इसके साथ ही, निर्माता फर्में अपने लाइसेंस से एनालॉग उत्पादों को हटाने हेतु तत्काल आवश्यक सुधार करें। विभाग द्वारा स्पष्ट किया गया है कि नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर संबंधित कारोबारियों के विरुद्ध नियमानुसार सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। व्यवस्था को प्रभावी बनाने एवं व्यवसायियों को जागरूक करने के लिए खाद्य एवं औषधि प्रशासन द्वारा शीघ्र ही होटल एवं रेस्टोरेंट संचालकों की एक विशेष बैठक आयोजित कर इस प्रतिबंधात्मक आदेश और खाद्य सुरक्षा मानकों के संबंध में विस्तृत जानकारी प्रदान की जाएगी।

साथ ही, जिले में सघन जांच अभियान भी संचालित किया जाएगा।

भिलाई में अवैध बैनर-पोस्टरों पर निगम का शिकंजा : निगम-पुलिस की संयुक्त कार्रवाई, शहर को स्वच्छ और सुरक्षित बनाने अभियान तेज

भिलाईनगर। नगर पालिक निगम भिलाई ने शहर को स्वच्छ, सुंदर और सुव्यवस्थित बनाए रखने के लिए अवैध बैनर-पोस्टरों के खिलाफ विशेष अभियान तेज कर दिया है। निगम प्रशासन और पुलिस की संयुक्त टीम लगातार प्रमुख चौक-चौराहों, मुख्य मार्गों तथा सार्वजनिक स्थलों पर लगे अनधिकृत बैनर-पोस्टरों को हटाने की कार्रवाई कर रही है। निगम अधिकारियों के अनुसार शहर के विद्युत पोल, डिवाइडर, सड़क किनारे और अन्य सार्वजनिक स्थानों पर बिना अनुमति लगाए गए सामाजिक, राजनीतिक एवं अन्य प्रचार संबंधी बैनर-पोस्टर न केवल शहर की सुंदरता को प्रभावित करते हैं, बल्कि यातायात व्यवस्था के लिए भी गंभीर समस्या उत्पन्न करते हैं। ऐसे पोस्टर और होर्डिंग वाहन चालकों का ध्यान सड़क से भटकाते हैं, जिससे दुर्घटनाओं की आशंका बढ़ जाती है। इसी को ध्यान में रखते हुए निगम और पुलिस की संयुक्त टीम ने शहर के विभिन्न प्रमुख मार्गों एवं व्यस्त चौक-चौराहों का निरीक्षण कर बड़ी संख्या में अवैध बैनर-पोस्टरों को हटाया। कार्रवाई के दौरान विद्युत पोल, सड़क किनारे तथा अन्य सार्वजनिक स्थलों पर लगाए गए अनधिकृत प्रचार सामग्री को हटाकर मार्गों को व्यवस्थित किया गया।

निगम प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि सार्वजनिक स्थानों, विद्युत पोल एवं यातायात प्रभावित करने वाले क्षेत्रों में बिना अनुमति बैनर-पोस्टर लगाना नियमों का उल्लंघन है।

ऐसे मामलों में संबंधित व्यक्तियों एवं संगठनों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। निगम का कहना है कि इस अभियान का उद्देश्य केवल अवैध प्रचार सामग्री हटाना नहीं, बल्कि शहर की सुंदरता को बनाए रखना, यातायात व्यवस्था को सुचारु करना और नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करना भी है।

यह अभियान आगामी दिनों में भी

सावन के प्रथम सोमवार पर सिंधिया नगर में भक्ति की बही सरिता, भजन-कीर्तन व महाप्रसाद का हुआ आयोजन

महिलाओं ने विधि-विधान से की भगवान शिव की पूजा-अर्चना, हर वर्ष निभाई जा रही आस्था की परंपरा

दुर्ग। सावन माह के प्रथम सोमवार के पावन अवसर पर सिंधिया नगर वार्ड क्रमांक 21 में हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी नीलू सिंह के सिंधिया नगर निवास पर श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ भगवान भोलेनाथ की विशेष पूजा-अर्चना का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में क्षेत्र के बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं, महिलाओं एवं युवाओं ने सहभागिता कर भगवान शिव का आशीर्वाद प्राप्त किया। पूरे आयोजन के दौरान भक्तिमय वातावरण बना रहा। भगवान शिव का विधि-विधान से पूजन, रुद्राभिषेक, भजन-कीर्तन एवं संगीतमय प्रस्तुति ने सभी श्रद्धालुओं को भक्ति रस में सराबोर कर दिया। इसके पश्चात सभी श्रद्धालुओं के लिए महाप्रसाद का वितरण किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। इस अवसर पर महिलाओं ने पारंपरिक वेशभूषा धारण कर रंग-बिरंगी चूड़ियों एवं सोलह श्रृंगार के साथ भगवान महादेव की पूजा-अर्चना की तथा सावन सोमवार का व्रत रखकर परिवार की सुख-समृद्धि, स्वास्थ्य एवं खुशहाली की कामना की। महिलाओं की श्रद्धा और उत्साह ने पूरे आयोजन को और भी आकर्षक बना दिया। नीलू संजय सिंह ने बताया कि सावन के प्रथम सोमवार का यह धार्मिक आयोजन पिछले कई वर्षों से निरंतर आयोजित किया जा रहा है। प्रत्येक वर्ष भजन-कीर्तन, संगीतमय प्रस्तुति, पूजा-पाठ एवं महाप्रसाद के माध्यम से क्षेत्रवासियों को एक साथ जोड़ने और धार्मिक परंपराओं को आगे बढ़ाने का प्रयास किया जाता है।

मध्यस्थता एवं राष्ट्रीय लोक अदालत की सफलता हेतु न्यायाधीशों की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित

दुर्ग। राष्ट्रीय लोक अदालत को अधिकाधिक सफल बनाने के उद्देश्य से प्रधान जिला एवं सत्र न्यायालय, दुर्ग के सभागार में एक महत्वपूर्ण समीक्षा एवं रणनीतिक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता के. विनोद कुजूर, प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, दुर्ग द्वारा की गई। बैठक में मध्यस्थता केन्द्र दुर्ग के प्रभारी न्यायाधीश अनिष दुबे एवं जिला मुख्यालय में पदस्थ समस्त न्यायाधीशगण उपस्थित रहे। उक्त बैठक में मध्यस्थता एवं राष्ट्रीय लोक अदालत के माध्यम से अधिकाधिक प्रकरणों के त्वरित एवं सौहार्दपूर्ण निराकरण हेतु विस्तृत विचार-विमर्श किया गया। अध्यक्ष ने कहा कि अभियान का मूल उद्देश्य ऐसे सभी लंबित प्रकरणों की पहचान कर उन्हें मध्यस्थता के लिए प्रोत्साहित करना है, जिनमें आपसी सहमति एवं समझौते की पर्याप्त संभावना विद्यमान है। इस अभियान के माध्यम से न्यायालयों में लंबित वादों की संख्या में कमी लाने के साथ-साथ पक्षकारों को कम समय, कम खर्च एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में न्याय उपलब्ध कराया जा सकेगा।

विकसित भारत जी-राम ग्रामीण योजना-2025 पर संभाग स्तरीय तीन दिवसीय कार्यशाला आयोजित

दुर्ग। विकसित भारत जी-राम ग्रामीण योजना-2025 के प्रभावी क्रियान्वयन एवं पंचायत प्रतिनिधियों की क्षमता संवर्धन के उद्देश्य से 3, 4 एवं 5 अगस्त तक दुर्ग संभाग में तीन दिवसीय संभाग स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में दुर्ग एवं बालोद जिले के जनपद पंचायतों के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष एवं अन्य निर्वाचित जनप्रतिनिधियों ने सहभागिता की। प्रशिक्षण के दौरान विकसित ग्राम पंचायत योजना के अंतर्गत ग्राम पंचायत स्तर पर वैज्ञानिक, सहभागी एवं साक्ष्य-आधारित विकास योजना तैयार करने की प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। कार्यशाला में मास्टर ट्रेनर एवं सहायक परियोजना अधिकारी जिला दुर्ग अरदीप ढींढी तथा सहायक परियोजना अधिकारी जिला बालोद ओमप्रकाश साहू ने विकसित ग्राम पंचायत योजना के विभिन्न मॉड्यूल पर प्रशिक्षण दिया। उन्होंने सहभागी ग्रामीण मूल्यांकन, गैप एनालिसिस, संसाधन मानचित्रण, जीआईएस, पीएम गतिशक्ति प्लेटफॉर्म, आधारभूत संरचना की कमियों के विश्लेषण तथा विभिन्न विभागीय योजनाओं के प्रभावी अभिसरण के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने बताया कि विकसित भारत जी-राम ग्रामीण योजना-2025 के अंतर्गत ग्राम पंचायतों को वैज्ञानिक एवं साक्ष्य-आधारित योजना निर्माण के माध्यम से आत्मनिर्भर, समृद्ध एवं विकासोन्मुख बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। प्रशिक्षण में विकसित भारत जी-राम ग्रामीण योजना-2025 के उद्देश्य, ग्राम पंचायत विकास योजना, आजीविका संवर्धन, प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन, वित्तीय प्रबंधन, पारदर्शिता, सुशासन एवं योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन से संबंधित विषयों पर विस्तार से जानकारी दी गई।

साथ ही पंचायतों के प्रभावी संचालन

ग्राम पंचायतों में डिजिटल सिग्नेचर सर्टिफिकेट (डीएससी) के सुरक्षित उपयोग हेतु आवश्यक निर्देश

दुर्ग। ग्राम पंचायतों में शासकीय कार्यों के निष्पादन और वित्तीय भुगतानों में पारदर्शिता व सुरक्षा बनाए रखने के उद्देश्य से मुख्य कार्यपालन अधिकारी (सीईओ), जिला पंचायत दुर्ग बीके दुबे ने महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश जारी किया है। इसके तहत जनपद पंचायत दुर्ग, धमधा एवं पाटन के अंतर्गत आने वाले सभी ग्राम पंचायतों के सरपंचों और सचिवों को अपने डिजिटल सिग्नेचर सर्टिफिकेट (डीएससी), पासवर्ड एवं ओटीपी की सुरक्षा एवं अभिरक्षण के संबंध में कड़ाई से पालन करने के निर्देश दिए गए हैं।

उल्लेखनीय है कि छत्तीसगढ़ पंचायत राज अधिनियम 1993 की धारा 66 (पंचायत निधि) का उल्लेख करते हुए स्पष्ट किया गया है कि ग्राम पंचायत निधि से राशि का आहरण सरपंच तथा सचिव (या मुख्य कार्यपालन अधिकारी द्वारा प्राधिकृत अधिकारी/कर्मचारी) के संयुक्त हस्ताक्षर से ही किया जा सकता है। अतः वित्तीय प्रक्रियाओं में किसी भी प्रकार की गड़बड़ी को रोकने के लिए यह निर्देश जारी किया गया है कि सरपंच एवं सचिव अपनी डीएससी, पासवर्ड या ओटीपी किसी भी स्थिति में किसी अन्य व्यक्ति, कर्मचारी, कंप्यूटर ऑपरेटर अथवा सेवा प्रदाता को न तो सौंपेंगे और न ही अपनी जगह किसी अन्य से इसका उपयोग करवाएंगे। जिला पंचायत सीईओ दुबे ने कहा कि डिजिटल सिग्नेचर सर्टिफिकेट (डीएससी) का उपयोग केवल संबंधित सरपंच और सचिव द्वारा स्वयं ही किया जाना अनिवार्य है। यदि डीएससी के किसी भी प्रकार के दुरुपयोग या अनधिकृत उपयोग से कोई प्रशासनिक, वित्तीय अथवा विधिक (कानूनी) समस्या उत्पन्न होती है, तो इसके लिए संबंधित सरपंच एवं सचिव स्वयं व्यक्तिगत रूप से उत्तरदायी होंगे।

बारिश से बचाने शेड में रखा भूसी को सुरक्षित, कई सोसाइटियों में आज भी पड़े हैं खुले में जिम्मेदार है मौन

पाटन/अमलेश्वर। पाटन ब्लॉक अंतर्गत जहां कई धान खरीदी केंद्रों में बारिश के कारण भूसी खुले में सड़ रही है और समितियों को आर्थिक नुकसान उठाने की आशंका बनी हुई है, वहीं उत्तर पाटन के ग्राम झीट धान खरीदी केंद्र से एक सकारात्मक और अनुकरणीय खबर सामने आई है। यहां धान खरीदी में उपयोग होने वाली भूसी को सुंदर ढंग से व्यवस्थित कर शेड के अंदर सुरक्षित रखा गया है। सेवा सहकारी समिति झीट के समिति प्रबंधक पुरुषोत्तम सिन्हा तथा प्राधिकृत अध्यक्ष धर्मेंद्र कौशिक की सूझबूझ के चलते धान खरीदी पूर्ण होने और धान का उठाव होते ही उपयोग की गई भूसी को सुरक्षित रखने का कार्य शीघ्रता से पूरा कर लिया गया। समिति प्रबंधन की इस पहल की क्षेत्र में सराहना की जा रही है। समिति प्रबंधक पुरुषोत्तम सिन्हा ने बताया कि भूसी को सुरक्षित नहीं रखने से आने वाले समय में समितियों को आर्थिक नुकसान झेलना पड़ सकता है। खुले में पड़ी भूसी पर जहरीले जीव-जंतुओं का बसेरा होने का भी खतरा रहता है, इसलिए इसे सुरक्षित और व्यवस्थित ढंग से रखना आवश्यक है। उल्लेखनीय है कि आज भी पाटन ब्लॉक के कई धान खरीदी केंद्रों में भूसी खुले में पड़ी हुई है और लगातार बारिश के कारण खराब हो रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि जिम्मेदार विभागीय अधिकारी समिति प्रबंधकों को आवश्यक निर्देश देने के बाद अब मौन साधे हुए हैं, जिससे समितियों को नुकसान होने की आशंका बढ़ गई है। आपको बता दें जहां जहां शेड का निर्माण है वहां भूसी को बारिश में सुरक्षित किया जा सकता है।लेकिन शेड होने के बाद भूसी सुरक्षित नहीं होने से समितियों को आर्थिक नुकसान हो सकता है।

विधिक जागरूकता से सशक्त युवा, नशामुक्त एवं न्यायप्रिय समाज की ओर सार्थक पहल

छत्रपति शिवाजी इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, दुर्ग में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा विधिक जागरूकता शिविर का सफल आयोजन

दुर्ग। अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, दुर्ग श्री के0 विनोद कुजूर के मार्गदर्शन में आज छत्रपति शिवाजी इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, दुर्ग में एक विधिक जागरूकता शिविर का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में विधिक चेतना का विकास करना, उन्हें उनके संवैधानिक एवं विधिक अधिकारों तथा कर्तव्यों के प्रति जागरूक बनाना एवं समाज में कानून के प्रति सम्मान तथा उत्तरदायित्व की भावना विकसित करना था।

शिविर में श्रीमती श्वेता पटेल एवं श्री रवि कश्यप व्यवहार न्यायाधीश (वरिष्ठ श्रेणी) एवं श्रीमती महिमा शर्मा व्यवहार न्यायाधीश (कनिष्ठ श्रेणी) द्वारा विद्यार्थियों को विभिन्न महत्वपूर्ण विधिक विषयों पर विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। न्यायाधीशगण ने विद्यार्थियों को कानून के प्रति सजग एवं उत्तरदायी नागरिक बनने का संदेश देते हुए शैक्षणिक संस्थानों में रैगिंग की रोकथाम, उसके विधिक परिणाम एवं दुष्प्रभावों पर विस्तार से प्रकाश डाला तथा अनुशासित एवं सुरक्षित शैक्षणिक वातावरण बनाए रखने का आह्वान किया।

इस अवसर पर माननीय प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश, दुर्ग का प्रेरणादायी संदेश भी विद्यार्थियों के समक्ष साझा किया गया, जिसमें जीवन में प्राप्त अवसरों का सदुपयोग करने, शिक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने तथा अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित रहकर उत्कृष्ट भविष्य निर्माण करने की प्रेरणा दी गई।

कार्यक्रम में मध्यस्थता (Mediation) के माध्यम से विवादों के सौहार्दपूर्ण एवं त्वरित समाधान की उपयोगिता, महिलाओं के संवैधानिक एवं विधिक अधिकार, उनकी सुरक्षा एवं सम्मान से संबंधित प्रमुख कानूनों तथा यातायात नियमों के पालन के महत्व पर भी विस्तृत जानकारी दी गई।

लीगल एड डिफेंस कार्टेसिल सिस्टम , दुर्ग के डिफेंस कार्टेसिलों द्वारा विद्यार्थियों को यातायात ई-चालान से संबंधित आवश्यक विधिक प्रावधानों एवं अधिकारों की जानकारी प्रदान की गई। साथ ही नशा मुक्ति विषय पर विद्यार्थियों को विभिन्न प्रकार के नशों के शारीरिक, मानसिक, सामाजिक एवं आर्थिक दुष्प्रभावों से अवगत कराते हुए स्वस्थ एवं नशामुक्त जीवनशैली अपनाने का संदेश दिया गया। विद्यार्थियों से स्वयं नशे से दूर रहने के साथ-साथ अपने परिवार एवं समाज को भी नशामुक्ति के प्रति जागरूक करने का आह्वान किया गया।

कार्यक्रम के दौरान पैरालीगल वॉलेंटियर्स द्वारा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, दुर्ग के माध्यम से पात्र व्यक्तियों को उपलब्ध कराई जाने वाली निःशुल्क विधिक सहायता, विधिक परामर्श तथा अन्य योजनाओं की जानकारी भी प्रदान की गई।

शिविर के अंत में विद्यार्थियों की विधिक जिज्ञासाओं का समाधान किया गया। विद्यार्थियों ने कार्यक्रम को अत्यंत उपयोगी, ज्ञानवर्धक एवं प्रेरणादायी बताते हुए ऐसे कार्यक्रमों के नियमित आयोजन की आवश्यकता व्यक्त की।

कार्यक्रम का समग्र उद्देश्य विद्यार्थियों में विधिक जागरूकता का प्रसार करना, उन्हें कानून के प्रति संवेदनशील एवं उत्तरदायी नागरिक के रूप में विकसित करना तथा एक न्यायपूर्ण, सुरक्षित एवं जागरूक समाज के निर्माण में उनकी सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करना रहा।

कलेक्टर दिव्या मिश्रा ने किया आंगनबाड़ी केंद्र का निरीक्षण

दल्लीराजहरा। कलेक्टर दिव्या मिश्रा ने डौण्डी विकासखण्ड के ग्राम पथराटोला में आंगनबाड़ी केन्द्र एवं उपस्वास्थ्य केन्द्र का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने मौके पर उपस्थित अधिकारी-कर्मचारियों को आंगनबाड़ी केन्द्र एवं उपस्वास्थ्य केन्द्र के व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस मौके दौरान कलेक्टर मिश्रा ने आंगनबाड़ी केन्द्र में पहुँचकर नन्हें-मुन्हें बच्चों को अपना स्नेह एवं दुलार देते हुए आंगनबाड़ी केन्द्र में प्रतिदिन मिलने वाली भोजन एवं नाश्ता के अलावा पढ़ाई-लिखाई के संबंध में भी जानकारी ली। इस मौके पर कलेक्टर मिश्रा ने बच्चों को केला एवं खाद्य पदार्थों का वितरण भी किया। कलेक्टर के मधुर एवं स्नेहिल व्यवहार से आंगनबाड़ी केन्द्र के बच्चे बहुत ही अभिभूत नजर आ रहे थे। इस दौरान उन्होंने मौके पर उपस्थित आंगनबाड़ी कार्यकर्ता से बच्चों की नियमित उपस्थिति के संबंध में भी जानकारी ली। उन्होंने आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को बच्चों को समय पर पौष्टिक भोजन एवं नाश्ता आदि प्रदान करने के भी निर्देश दिए।

शिव संस्कार धाम से 74 कांवरियों का जत्था बाबा धाम के लिए रवाना

दल्लीराजहरा। शिव संस्कार धाम से 74 कांवरियों का जत्था बाबा धाम के लिए रवाना हुआ। इस अवसर पर हिंदू सेना ने कांवरियों को पारंपरिक तरीके से भव्य विदाई दी।जिला अध्यक्ष नंदा पसीने के मार्गदर्शन में शिव संस्कार धाम से रेलवे स्टेशन तक पदयात्रा निकाली गई। इस दौरान कांवरियों को भगवा गमछा पहनाया गया, माथे पर तिलक लगाया गया और आरती उतारकर उनके मार्ग पर फूलों की वर्षा की गई। कार्यक्रम में संगठन के प्रदेश कोषाध्यक्ष बोधन भट्ट विशेष रूप से शामिल हुए। नगर पालिका अध्यक्ष तोरण लाल साहू और नगर पालिका की पूर्व अध्यक्ष पूरोबी वर्मा अतिथि के रूप में मौजूद रहीं। विदाई के दौरान विभिन्न संस्थाओं ने भी सहयोग किया। व्यापारी संघ अध्यक्ष गोविंद वाधवानी ने कांवरियों को पानी की बोतलों का डिब्बा भेंट किया। जगन्नाथ सेवा समिति की ओर से भोजन के पैकेट वितरित किए गए रेलवे प्रबंधन स्टाफ ने बिस्किट और पानी की व्यवस्था की। पदयात्रा में नगर संचालक महेंद्र भाई पटेल, स्वाधीन जैन, जयदीप गुप्ता, रमेश जैन, अशोक लोहिया, प्रेम जायसवाल, पार्षद भूपेंद्र श्रीवास, एल्डरमैन राकेश देवांगन, हिंदू सेवा के पदाधिकारी नगर अध्यक्ष मातृशक्ति संगीता रजक, जिला उपाध्यक्ष ममता पटेल, जिला महामंत्री पद्मिनी साहू, नगर उपाध्यक्ष साक्षी खटवानी।

वरिष्ठ पत्रकार आर.पी. सिंह का निधन, आज होगा अंतिम संस्कार

भिलाई। शहर के वरिष्ठ पत्रकार एवं साप्ताहिक इस्पात की धड़कन के संपादक श्री आर.पी. सिंह (70 वर्ष), निवासी रामनगर, का निधन हो गया। उनके निधन से पत्रकारिता जगत एवं सामाजिक क्षेत्र में शोक की लहर व्याप्त है। श्री सिंह लंबे समय से पत्रकारिता के क्षेत्र में सक्रिय रहे और निष्पक्ष एवं जनसरोकारों से जुड़ी पत्रकारिता के लिए जाने जाते थे। उनके निधन से भिलाई के पत्रकारों, सामाजिक संगठनों एवं शुभचिंतकों ने गहरा दुख व्यक्त करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की है। उनका अंतिम संस्कार 6 अगस्त 2026 (गुरुवार) को प्रातः 10:00 बजे रामनगर मुक्तिधाम, भिलाई में किया जाएगा। वे अपने पीछे तीन पुत्रियां वंदना, विभा एवं वीणा सहित भरा-पूरा परिवार छोड़ गए हैं।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक संजय तिवारी द्वारा असमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ग्रास मेमोरियल सेंटर के बाजू, जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित करवाकर व गदा चौक, फरीद नगर रोड स्वर्गीय तुलाराम मेमोरियल स्कूल के पास सुपेला भिलाई, जिला- दुर्ग (छ.ग.) पिन कोड-490023 से प्रकाशित। संपादक : संजय तिवारी, मो. 9200000214 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारा न्यायलीन क्षेत्र दुर्ग होगा। डाक पंजीयन क्रमांक- सीजी/दुर्ग/लोकतंत्र प्रहरी/2026-28, Email : loktantraprahrinews@gmail.com